THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 115 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण कृ.11 2082 सोमवार, 21 जुलाई-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

भोपाल में बनेगा नया विधायक विश्रामगृह

भोपाल, 20 जुलाई (एजेंसियां)। भोपाल के अरेरा हिल्स इलाके में अब नए और आधुनिक विधायक विश्रामगृह का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए सोमवार सुबह 10:30 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर की मौजूदगी में भूमि पूजन किया जाएगा। पुराने विधायक विश्रामगृह का निर्माण साल 1958 में हुआ था, जिसमें से कई फ्लैट काफी जर्जर हो चुके हैं। कई कमरों की छत से पानी टपकता है और प्लास्टर भी उखड़ चुका है। अब इनकी जगह पर नए और आधुनिक फ्लैट बनाए जाएंगे, जो पूरी तरह सुविधाओं से लैस होंगे।

मानसून सत्र आज से

पहलगाम-ऑपरेशन सिंदूर पर घेरेगा विपक्ष

बिहार चुनाव से पहले ताकत दिखाने का मौका, बीजेपी बोली- हर सवाल का जवाब देंगे

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। संसद का मानसून सत्र आज यानी 21 जुलाई से शुरू हो रहा है। पूरे एक महीने यानी 21 अगस्त तक चलेगा। पिछली बार संसद की कार्यवाही बजट सत्र के दौरान मार्च और अप्रैल में हुई थी। इसके बाद बीते 108 दिन में पहलगाम आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर से लेकर एअर इंडिया प्लेन क्रैश तक काफी कुछ घटा है। मानसून सत्र में इन्हीं मुद्दों पर हंगामा होना तय है।

पहलगाम हमला, ऑपरेशन सिंदूर, रूस के साथ बिगड़ते संबंध, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के सीजफायर के दावे, एअर इंडिया विमान हादसे जैसे मुद्दे हावी रह सकते हैं। इसके अलावा सबकी नजरें बिहार से जुड़े मुद्दों पर भी रहेंगी। क्योंकि बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले ये आखिरी संसद सत्र होगा।

कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले को 3 महीने होने वाले हैं। इस हमले में आतंकियों ने 26 भारतीयों की हत्या कर दी थी। अब तक हमले में शामिल आतंकियों का पता नहीं चला है। ऐसे में विपक्ष पहलगाम हमले और इसकी जांच में नाकामी का मुद्दा उठाकर सरकार को घेरने की कोशिश करेगा। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान में आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया था। इसके बाद से विपक्ष बार-बार भारत की विदेश नीति पर सवाल उठाता रहा है। इस ऑपरेशन में भारत को हुए नुकसान की जानकारी मांग रहा है।

ऐसे में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक सरकार से सवाल पूछने की तैयारी कर रहा है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा है कि करगिल युद्ध की तरह ऑपरेशन सिंदूर पर भी संसद में चर्चा होनी चाहिए।

12 जून, 2025 को अहमदाबाद में एअर इंडिया का विमान क्रैश होने से 260 लोगों की मौत हो गई थी। अब हादसे की वजह, जांच और पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो की शुरुआती जांच रिपोर्ट पर भी सवाल उठ रहे हैं। कांग्रेस और बाकी विपक्षी पार्टियां विमान हादसे की जिम्मेदारी पर सवाल उठाएंगी।

बिहार में साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव आयोग यहां वोटर लिस्ट को नए सिरे से तैयार करने के लिए स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन का अभियान चला रहा है। संसद में सबसे ज्यादा हंगामा इसी पर हो सकता है। इस मुद्दे पर विपक्षी पार्टियां बीजेपी के खिलाफ एकजुट हो सकती हैं। विपक्ष ने चुनाव आयोग के काम में अनियमितता और पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाया है। उसका दावा है कि इस प्रक्रिया में अनियमितताएं हुई हैं। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी मिलकर इस मुद्दे पर सरकार को घेरेंगे।

मई 2023 में शुरू हुई मणिपुर हिंसा को दो साल से ज्यादा वक्त हो चुका है। अब तक समस्या जस की तस बनी हुई है। पूरा राज्य कुकी और मैतेई इलाकों में बंटा हुआ है। दोनों समुदाय के लोग एक दूसरे के इलाके में नहीं जा सकते।

कांग्रेस लीडर राहुल गांधी समेत दूसरी विपक्षी पार्टियां मणिपुर का मुद्दा उठाती रही हैं। मणिपुर समस्या हल करने और राज्य में राष्ट्रपति शासन खत्म करने की मांग संसद में उठ सकती है। बीजेपी राष्ट्रपति शासन की अवधि बढ़ाने की मांग का प्रस्ताव ला सकती है।

कांग्रेस आरोप लगाती रही है कि मोदी सरकार की विदेश नीति चीन के प्रति कमजोर और नरम रही है। ऐसे में विपक्ष चीन के साथ सीमा विवाद, हाल में हुए तनाव और चीनी दावों का जवाब मांग सकता है।

इसके अलावा ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की विदेश नीति को लेकर भी कांग्रेस सरकार को कटघरे में खड़ा करने की तैयारी कर रही है। बता दें कि केंद्र सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर पर भारत का पक्ष रखने के लिए ऑल पार्टी डेलिगेशन अलग-अलग देशों में भेजे थे।

संसद में हर सवाल का जवाब देगी सरकार : रिजिजू

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि संसद को सुचारू रूप से चलाने के लिए सरकार-विपक्ष के बीच समन्वय होना चाहिए। हम मानसून सत्र में ऑपरेशन सिंदूर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को हटाने के प्रस्ताव पर सांसदों के हस्ताक्षरों की संख्या पहले ही 100 को पार कर चुकी है। सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि संसद सत्र शुरू होने से पहले सभी दलों के नेताओं की एक बैठक हुई। इस सत्र में कुल 51 राजनीतिक दल और स्वतंत्र सांसद भाग लेंगे। इन 51 दलों के 54 सदस्यों ने बैठक में भाग लिया। 40 सांसदों ने अपनी पार्टियों की ओर से अपनी राय रखी। सभी राजनीतिक नेताओं ने अपनी पार्टियों की स्थिति और उन मुद्दों को बताया जो वे इस सत्र में लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने सभी की बातों पर ध्यान दिया है। हम अलग-अलग विचारधाराओं वाले राजनीतिक दल हो सकते हैं, लेकिन यह सुनिश्चित करना सभी की जिम्मेदारी है कि संसद सुचारू रूप से चले।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दावों के मुद्दे पर सरकार संसद में उचित जवाब देगी। कई मुद्दे ऐसे हैं जिन पर पार्टियों ने कहा है कि इन पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। हम खुले दिल से चर्चा के लिए तैयार हैं। हम नियमों और परंपराओं के अनुसार काम करते हैं और इनका बहुत महत्व रखते हैं। इसलिए हम हर मुद्दे पर चर्चा करेंगे लेकिन नियमों और परंपराओं के अनुसार। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने अपनी राय रखी। एनडीए, यूपीए (इंडिया गठबंधन) और उनके बीच के दलों ने अपनी राय रखी है। हम इन सभी मुद्दों को संसद में ले जाएंगे, क्या चर्चा करनी है और क्या नहीं, इसका फैसला बीएसी (कार्य मंत्रणा समिति) में किया जाएगा।

सभी को मिलेगा समय

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि छोटे राजनीतिक दलों, खासकर जिनके 1-2 सांसद हैं, को बोलने के लिए कम समय मिलता है क्योंकि समय उनकी संख्या के अनुसार आवंटित किया जाता है। लेकिन हमने इसका संज्ञान लिया है। हम छोटे दलों को पर्याप्त समय आवंटित करने पर सहमत हुए हैं। हम इसे लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति के समक्ष रखेंगे और फिर हम इस मुद्दे को कार्य मंत्रणा समिति में उठाएंगे।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद विभिन्न दलों के साथ सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों की बैठकें बहुत अच्छी और प्रभावी रहीं और उन सभी अच्छे अनुभवों को राष्ट्र के सामने साझा किया जाना चाहिए।

'विधेयक मंजूरी' मामले में संविधान पीठ कल करेगी विचार

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ 22 जुलाई को राष्ट्रपति के संदर्भ पर विचार करेगी कि क्या राज्य विधानसभाओं से पारित विधेयकों पर विचार करते वक्त राष्ट्रपति की ओर से विवेकाधिकार का प्रयोग करने के लिए न्यायिक आदेशों से समय-सीमाएं निर्धारित की जा सकती हैं। चीफ जस्टिस (सीजेआई) जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस अतुल एस चंदुरकर की पीठ सुनवाई करेगी।

बता दें कि इसी साल मई में, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अनुच्छेद 143(1) के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग किया और 8 अप्रैल के अपने फैसले पर सुप्रीम कोर्ट से 14 महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे, जिसमें राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए राज्य विधानसभाओं से पारित विधेयकों पर कार्रवाई करने की समय-सीमाएं निर्धारित की गई थीं।

राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से जो 14 सवाल पूछे हैं इसमें उन्होंने राज्यपाल की शक्तियों, न्यायिक दखल और समयसीमा तय करने जैसे विषयों पर स्पष्टीकरण मांगा है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में दिए अपने फैसले में कहा था कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल की ओर से भेजे गए विधेयक पर राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर फैसला लेना होगा।

'कोई ड्रोन या सुपर कॉप नहीं जो मनमर्जी से कार्रवाई करें'

ईडी की कार्यशैली पर हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी

चेन्नई, 20 जुलाई (एजेंसियां)। मद्रास हाईकोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्यशैली पर सख्त टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि ईडी कोई ड्रोन नहीं है जो अपनी मर्जी से कहीं भी हमला कर दें, और न ही वह कोई सुपर कॉप है जो हर उस मामले की जांच शुरू कर दें जो उसके संज्ञान में आए। यह टिप्पणी हाईकोर्ट की दो सदस्यीय पीठ न्यायमूर्ति एमएस रमेश और न्यायमूर्ति वी लक्ष्मीनारायणन ने की। वे चेन्नई स्थित आरकेएम पावरजेन प्राइवेट लिमिटेड की याचिका पर सुनवाई कर रहे थे, जिसमें कंपनी ने ईडी की तरफ से 901 करोड़ रुपये की फिक्स्ड डिपॉजिट जब्त करने के आदेश को चुनौती दी थी।

मामले में कोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए कहा कि ईडी कोई घूमता हुआ बम नहीं है जो जहां चाहे वहां फट जाए। उसे हर बात में कूदने का अधिकार नहीं है। बेंच ने कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून (पीएमएलए) की धारा 66(2) के मुताबिक, अगर जांच के दौरान ईडी को किसी अन्य कानून के उल्लंघन की जानकारी मिलती है, तो वह खुद उस अपराध की जांच नहीं कर सकती।

पीठ ने कहा कि ईडी उस एजेंसी को जानकारी देनी होती है, जो उस अपराध की जांच के लिए अधिकृत है। कोर्ट ने यह भी कहा कि ईडी को किसी भी मामले की जांच तभी करनी चाहिए जब प्रारंभिक अपराध मौजूद हो और उसके कारण अपराध की आय उत्पन्न हुई हो। बिना इसके ईडी सीधे जांच नहीं कर सकती है।

बता दें कि यह मामला छत्तीसगढ़ में कोयला खदान आवंटन को लेकर 2014 में दर्ज सीबीआई की एक एफआईआर से जुड़ा है। हालांकि 201% में सीबीआई ने इस मामले में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी थी, जिसमें कहा गया कि कोई गड़बड़ी नहीं मिली। लेकिन सीबीआई कोर्ट इस रिपोर्ट से सहमत नहीं हुई और कुछ बिंदुओं पर आगे जांच का आदेश दिया।

बाद में 2023 में सीबीआई ने एक सप्लीमेंट्री रिपोर्ट दाखिल की, जिसमें कुछ आरोप तय किए गए। इसके बाद ईडी ने कंपनी के निदेशकों और अन्य संबंधित संस्थानों के ठिकानों पर छापेमारी की और 31 जनवरी, 2025 को 901 करोड़ रुपये की एफडी को फ्रीज कर दिया। इस आदेश को कंपनी ने कोर्ट में चुनौती दी, जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया।

अनमोल गगन मान का यू-टर्न

24 घंटे के अंदर वापस लिया इस्तीफा

मोहाली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब की सबसे बड़ी विधानसभा खरड़ से आम आदमी पार्टी की विधायक अनमोल गगन मान ने अपना इस्तीफा वापस ले लिया है। यह फैसला उन्होंने आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और मंत्री अमन अरोड़ा के साथ बैठक में लिया है। इसकी सूचना इंटरनेट मीडिया पर खुद अमन अरोड़ा ने दी है। अमन अरोड़ा ने लिखा है कि अनमोल गगन मान के साथ बैठक हुई। पार्टी ने विधायक पद से उनके इस्तीफा को अस्वीकार्य करने का फैसला किया। जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। उन्होंने उनसे पार्टी और क्षेत्र की प्रकृति के लिए मिलकर काम करते रहने का आग्रह किया है। बता दें कि शनिवार को अचानक से इंटरनेट मीडिया के जरिए सूचना देकर अनमोल गगन मान ने राजनीति से संन्यास लेते हुए अपने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था। इस पर इलाके में कई तरह की चर्चाएं चल रही थी।

खरड़ विधानसभा क्षेत्र में अटकलें लगाई जा रही थी कि शिरोमणि अकाली दल के पूर्व दिग्गज नेता रणजीत सिंह गिल आप में शामिल होने वाले हैं और वह खरड़ विधानसभा क्षेत्र से उपचुनाव में आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार होंगे। इसकी सबसे बड़ी वजह यह थी कि शुक्रवार को रणजीत सिंह गिल ने शिरोमणि अकाली दल से इस्तीफा दिया था। वहीं, शनिवार को अनमोल गगन मान ने आम आदमी पार्टी से इस्तीफा दे दिया था, लेकिन अनमोल गगन मान के इस्तीफा वापस लेने के बाद अब कुछ हद तक इन अटकलों पर भी विराम लग गया है।

नक्सलियों ने किया आईईडी ब्लास्ट

नाबालिग घायल, पैर और चेहरे पर गंभीर चोटें आई

बीजापुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। बीजापुर जिले के भोपालपटनम ब्लाक के ग्राम कोण्डापडगु में आईईडी ब्लास्ट में 16 साल का एक नाबालिग गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे घायल हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना बीते दिनों की बताई गई है, जब कृष्णा गोटा पिता फकीर निवासी कोण्डापडगु के जंगल में मवेशी चराने गया था। नक्सलियों ने सुरक्षाबलों को नुकसान पहुचाने के मकसद से यहां आईईडी लगाया था। आईईडी विस्फोट की चपेट में आने से कृष्णा को पैर और चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। घायल अवस्था में उसे तत्काल जिला अस्पताल बीजापुर लाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे जंगल या संवेदनशील इलाकों में भ्रमण करते समय विशेष सतर्कता बरतें। किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की जानकारी तत्काल नजदीकी पुलिस थाना या सुरक्ष बलों के कैंपों को दें।

23-24 जुलाई को ब्रिटेन के दौरे पर रहेंगे पीएम मोदी

मालदीव के आजादी महोत्सव में भी होंगे शामिल

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23-24 जुलाई को ब्रिटेन के आधिकारिक दौरे पर रहेंगे। यह प्रधानमंत्री मोदी की ब्रिटेन की चौथी आधिकारिक यात्रा होगी। ब्रिटेन के बाद पीएम मोदी मालदीव की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे, जो 25-26 जुलाई तक होगी। प्रधानमंत्री मोदी मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मोइजु के आमंत्रण पर मालदीव जा रहे हैं। उनकी यह मालदीव की तीसरी यात्रा होगी। मालदीव में राष्ट्रपति मोइजु के सत्ता संभालने के बाद पहली बार किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष का दौरा होगा।

ब्रिटेन दौरे पर पीएम मोदी विभिन्न मुद्दों पर प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से चर्चा करेंगे। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी दोनों नेताओं के बीच बात होगी। प्रधानमंत्री मोदी, ब्रिटेन दौरे पर किंग चार्ल्स से भी मुलाकात कर सकते हैं। दोनों देश व्यापक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति पर भी चर्चा करेंगे और इसमें व्यापार, अर्थव्यवस्था, तकनीक, अविष्कार, सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य, शिक्षा और लोगों को लोगों से संबंधों को बेहतर बनाने पर चर्चा होगी।

प्रधानमंत्री मोदी 26 जुलाई को मालदीव के 60वें स्वतंत्रता दिवस में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। पीएम मोदी, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मोइजु के साथ विभिन्न मुद्दों पर द्विपक्षीय चर्चा भी करेंगे। दोनों नेता भारत-मालदीव के बीच संयुक्त आर्थिक और मेरीटाइम सुरक्षा समझौते पर प्रगति की भी समीक्षा करेंगे। अक्तूबर 2024 में जब मोहम्मद मोइजु ने भारत का दौरा किया था, उस समय दोनों देशों के बीच इस समझौते पर सहमति बनी थी।

ममता बनर्जी आज शहीद सभा से फूकेंगी चुनावी बिगुल

भाजपा से मुकाबले की रणनीति का करेंगी ऐलान

कोलकाता, 20 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव है, लेकिन एक साल पहले से ही पूरा बंगाल चुनावी मोड में है। सोमवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी शहीद सभा को संबोधित करेंगी और 2026 के चुनाव की रणनीति का ऐलान करेंगी। अगले साल चुनाव से पहले 21 जुलाई की ममता की आखिरी सभा है. तृणमूल कांग्रेस पहले ही भाजपा शासित राज्यों में बंगालियों के उत्पीड़न के मुद्दे पर बोल चुकी है. ममता बनर्जी ने बंगाली अस्मिता को मुद्दा बनाना शुरू कर दिया है. ममता बनर्जी का आरोप है कि भाजपा बांग्ला भाषियों को निशाना बना रही है और उसे बांग्लादेशी करार दिया जा रहा है। सोमवार की शहीद सभा से ममता बनर्जी एक बार फिर से एनडीए सरकार पर निशाना साधेगी. यह सभा न सिर्फ पार्टी के लिए राजनीतिक संकल्प का प्रतीक रही, बल्कि इस बार यह बंगाली अस्मिता, केंद्र बनाम राज्य और भाजपा के खिलाफ जन भावनाओं को एकजुट करने की रणनीति के रूप में उभरी हैं। अगले साल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा पहले ही सक्रिय हो गई है. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राज्य का दौरा कर चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी दो बार राज्य का दौरा कर चुके हैं और अपनी सभा में तृणमूल कांग्रेस पर जमकर हमला बोला है. अब ममता बनर्जी भी ममता बनर्जी के खिलाफ अपनी रणनीति का ऐलान सोमवार की शहीद सभा से करेंगी।

यह सभा हर साल 21 जुलाई को मनाई जाती है, जो 1993 में हुए उस आंदोलन की याद दिलाती है जिसमें ममता बनर्जी, उस समय युवा कांग्रेस नेता के रूप में, मतदाता पहचान पत्र को अनिवार्य करने की मांग को लेकर राइटर्स बिल्डिंग की ओर मार्च कर रही थीं।

पाठ्यक्रम से वेदान और गौरी लक्ष्मी के गानों को हटाने की सिफारिश

तिरुवनंतपुरम, 20 जुलाई (एजेंसियां)। केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने कालीकट विश्वविद्यालय के डिग्री पाठ्यक्रम से मशहूर मलयालम रैपर वेदान और संगीतकार गौरी लक्ष्मी के गानों को हटाने की सिफारिश की आलोचना की है। यह सिफारिश एक विशेषज्ञ समिति ने की थी। मंत्री ने रविवार को एक बयान में आरोप लगाया कि यह फैसला राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की उच्च शिक्षा को भगवाकरण करने की साजिश का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि यह फैसला यूनिवर्सिटी की प्रशासनिक समिति के कुछ सदस्यों की शिकायत के बाद लिया गया है। ये सदस्य कुलपति की ओर से नियुक्त किए गए हैं। शिवनकुट्टी ने यह भी कहा कि जिन लोगों ने गानों को हटाने की सिफारिश की है, उन्हें रैप संगीत के अंतरराष्ट्रीय महत्व की समझ नहीं है।

शराब घोटाले में सांसद पीवी मिथुन रेड्डी न्यायिक हिरासत में

विजयवाडा, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश पुलिस ने वायएसआरसीपी के लोकसभा सांसद पीवी मिथुन रेड्डी को 3,200 करोड़ रुपये के कथित शराब घोटाले के सिलसिले में शनिवार को गिरफ्तार कर लिया. यह घोटाला पिछली वायएसआरसीपी सरकार के कार्यकाल के दौरान हुआ था. इस मामले की जांच कर रही विशेष जांच दल ने विजयवाड़ा में रेड्डी से कई घंटों तक पूछताछ की, जिसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया।

गृह मंत्री वांगलापुडी अनिता ने बताया कि पीवी मिधुन रेड्डी को हिरासत में ले लिया गया है, और उन्हें अदालत में पेश करने की प्रक्रिया जारी है. सुप्रीम कोर्ट ने मिथुन रेड्डी को गिरफ्तारी से राहत देने के लिए मना कर कर दिया था। ठीक उसके एक दिन बाद उनकी गिरफ्तारी की गई। कथित तौर पर घोटाले में उनकी संलिप्तता होने के कारण एसआईटी और राज्य के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) की तरफ से उन्हें लुकआउट नोटिस जारी कर दिया गया था।

बता दें कि रेड्डी ने कोर्ट में आत्मसमर्पण के लिए कुछ समय मांगा था, लेकिन उनकी याचिका को स्वीकार नहीं किया गया। पुलिस ने रेड्डी से पहले अन्य आरोपियों धनुंजय रेड्डी, कृष्ण मोहन रेड्डी और बालाजी गोविंदप्पा को भी गिरफ्तार कर लिया है। इस शराब घोटाले के मामले में कथित तौर पर 3200 करोड़ रुपए के शराब को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से रिश्वत देकर शराब कंपनियों को आबकारी नीति में गड़बड़ी की गई थी। वहीं विपक्ष ने सीएम चंद्रबाबू नायडू पर वायएसआरसीपी नेताओं के खिलाफ फर्जी मामले दर्ज कराने का आरोप लगाया है।

यह जांच तब शुरु की गई थी जब वेंकटेश्वर राव श्रीनिवास नाम के एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज करवाई थी,उन्होंने कहा था कि कई नकली शराब ब्रांडों को खरीदने के लिए ऑर्डर दिए गए थे. श्रीनिवास ने जगन रेड्डी सरकार के समय पर आंध्र प्रदेश राज्य पेय पदार्थ निगम लिमिटेड के कामकाज में अनियमितताओं का आरोप लगाया था. जो कि एक सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी है।

ये घोटाला 2019 से 2024 के बीच वाईएसआरसीपी सरकार के समय हुआ. इसमें 3200 से 4000 करोड़ रुपए की अनियमितताओं का आरोप है। एसआईटी और ईडी द्वारा की जा रही जांच में कई प्रमुख व्यक्तियों और अधिकारियों पर आरोप लगे हैं। वाईएसआरसीपी सरकार ने 2019 में नई शराब नीति लागू की थी, जिसका उद्देश्य शराब की खपत को कम करना और चरणबद्ध तरीके से शराबबंदी लागू करना था. एसआईटी के अनुसार, इस नीति का दुरुपयोग कर मनी लॉन्ड्रिंग रैकेट चलाया गया।

आरोप है कि लोकप्रिय शराब ब्रांडों को दबाकर स्थानीय ब्रांडों को बढ़ावा दिया गया, जिन्हें रिश्वत के बदले बाजार में हिस्सेदारी दी गई। कथित तौर पर 50-60 करोड़ रुपए मासिक रिश्वत ली गई। शराब की बिक्री में नकद लेनदेन को बढ़ावा दिया गया, जिससे 99,413 करोड़ रुपये की बिक्री में केवल 615 करोड़ रुपये ही डिजिटल लेनदेन से हुए। इस केस में राज कासीरेड्डी को 21 अप्रैल 2025 को गिरफ्तार किया गया. वो तत्कालीन मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के आईटी सलाहकार थे।

उन्हें एसआईटी ने घोटाले का मास्टरमाइंड बताया। के धनुंजय रेड्डी पूर्व सचिव (सीएमओ) और पी कृष्ण मोहन रेड्डी विशेष कर्तव्य अधिकारी (ओएसडी) को मई 2025 में गिरफ्तार किया गया. 2024 में तेलुगु देशम पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार बनने के बाद SIT का गठन किया गया।

एसआईटी ने 27 अप्रैल 2025 को सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामे में 3200-3500 करोड़ रुपए की रिश्वत का दावा किया. मई 2025 में प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम के तहत जांच शुरू की. प्रारंभिक जांच में 18,860 करोड़ रुपए से लेकर 20,000 करोड़ रुपए तक के नुकसान का अनुमान लगाया गया। हालांकि, वाईएसआरसीपी ने इन आरोपों को निराधार और राजनीति से प्रेरित करार दिया है, इसमें सबूतों का अभाव है।

घोड़े से गिरकर घायल हुईं मीनाक्षी लेखी

पिथौरागढ़, 20 जुलाई (एजेंसियां)। कैलाश मानसरोवर यात्रा के दूसरे दल में शामिल पूर्व केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी तिब्बत के दारचिन में घोड़े से गिरकर घायल हो गईं। उनकी कमर में गंभीर चोट आई है। उन्हें रेस्क्यू कर वापस भारत लाया जाएगा। धारचूला के नाभिढांग से उन्हें हेलीकॉप्टर से देहरादून पहुंचाने की योजना है इसकी तैयारी पिथौरागढ़ प्रशासन ने पूरी कर ली है। ऐसे में साफ है कि अब वह कैलाश मानसरोवर की यात्रा पूरी नहीं कर सकेंगी। पूर्व केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी कैलाश मानसरोवर यात्रा के दूसरे दल में शामिल थीं। सूत्रों के मुताबिक शनिवार यात्री तिब्बत के दारचिन में पहुंचे थे और मीनाक्षी लेखी घोड़े पर सवार थीं। इसी बीच वह घोड़े से गिर गईं। जमीन पर गिरने से उनकी कमर में गंभीर चोट आ गई। उन्हें यात्रा मार्ग पर संचालित अस्पताल ले जाया गया जहां उनका एक्स-रे हुआ इसमें उनकी रीढ़ की हड्डी में चोट लगने की पुष्टि हुई।

उनकी हालत को देखते हुए उन्हें वापस भारत लाने का निर्णय लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, उन्हें रेस्क्यू कर वापस लाया जा रहा है। रविवार यानि आज रेस्क्यू टीम उन्हें वाहन से लेकर लिपुलेख पहुंचेगी। यहां से उन्हें टीम को पैदल सफर कर स्टेचर या अन्य संसाधनों के जरिए नाभीढांग तक पहुंचाना होगा। यहां से उन्हें हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू कर देहरादून पहुंचाया जाएगा।

एआई पर केरल हाई कोर्ट का सख्त आदेश

निचली अदालतें एआई टूल्स का इस्तेमाल न करें

कोच्चि, 20 जुलाई (एजेंसियां)। केरल हाई कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाते हुए निचली अदालतों को निर्देश दिया है कि अदालतों के न्यायिक आदेश जारी करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल्स का इस्तेमाल न किया जाए। कोर्ट ने जिला अदालतों को बहुत ज्यादा सतर्कता बरतने की सलाह दी है क्योंकि एआई टूल्स के अंधाधुंध इस्तेमाल से नकारात्मक नतीजे निकल सकते हैं। नीति दस्तावेज में कहा गया है, उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एआई उपकरणों का उपयोग केवल जिम्मेदार तरीके से, पूरी तरह से सहायक उपकरण के रूप में और सख्ती से विशेष रूप से अनुमत उद्देश्यों के लिए किया जाए। नीति का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी परिस्थिति में एआई उपकरणों का उपयोग निर्णय लेने या कानूनी तर्क के विकल्प के रूप में न किया जाए। 19 जुलाई को जारी नीति दस्तावेज में कहा गया है, इस नीति का कोई भी उल्लंघन अनुशासनात्मक कार्रवाई का कारण बन सकता है और अनुशासनात्मक कार्यवाही से संबंधित नियम लागू होंगे। नए दिशानिर्देश राज्य में जिला न्यायपालिका के सदस्यों, उनकी सहायता करने वाले कर्मचारियों और केरल में उनके साथ काम करने वाले इंटर्न्स या लॉ क्लर्क पर लागू होंगे। दिशानिर्देशों में साफ तौर पर कहा गया है कि चैटजीपीटी जैसे क्लाउड आधारित एआई टूल्स का इस्तेमाल आदेश जारी करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। इसमें यह भी निर्देश दिया गया है कि न्यायालय उन सभी मामलों का विस्तृत ऑडिट करेंगे जिनमें एआई उपकरणों का उपयोग किया गया है। इसके अलावा दिशानिर्देशों में ये भी कहा गया कि एआई टूल्स का इस्तेमाल करने से पहले उचित ट्रेनिंग करना अनिवार्य है। इसके लिए न्यायिक अकादमी या हाई कोर्ट में आयोजित ट्रेनिंग प्रोग्रामों में हिस्सा लेना होगा। अगर टूल्स का इस्तेमाल किया भी जाता है तो वो एडिट होना चाहिए। अगर कोई समस्या आती है तो तुरंत आईटी डिपार्टमेंट से संपर्क करना चाहिए।

'राजनीति को खेल में नहीं लाना चाहिए'

भारत-पाकिस्तान मैच रद्द होने पर केंद्रीय मंत्री का बयान

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान के बीच खराब संबंधों के चलते आज इंग्लैंड में डब्ल्यूसीएल में होने वाला भारत-पाकिस्तान का मैच रद्द हो गया। कई भारतीय खिलाड़ियों के खेलने से इनकार के बाद यह फैसला किया गया। अब इस पर केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने एक चौंकाने वाला बयान दिया है। रामदास अठावले ने कहा कि राजनीति को खेल में नहीं घसीटना चाहिए। रामदास अठावले ने कहा कि 'भारत-पाकिस्तान का मैच आज इंग्लैंड में होना था। ये सच है कि आतंकियों ने पहलगाम में आतंकी हमला किया और उसके बाद आतंकी कैंप तबाह किए गए, लेकिन मैच का मामला अलग है। राजनीति को खेल में नहीं घसीटा जाना चाहिए। अगर मैच भारत में हो रहा होता तो ये गंभीर बात थी, लेकिन मैच इंग्लैंड में हो रहा था। हमने पाकिस्तान को लड़ाई में हराया है और हमने उन्हें क्रिकेट में भी हराया है। इसलिए इसमें राजनीति नहीं होनी चाहिए।'

गौरतलब है कि सोशल मीडिया पर भी भारत-पाकिस्तान मुकाबले को लेकर काफी रोष जताया जा रहा था। आखिरकार आयोजकों ने इस रद्द करने का फैसला किया। युवराज सिंह की अगुआई वाली टीम का इस टूर्नामेंट में यह पहला मुकाबला था। भारतीय टीम में शिखर धवन, सुरेश रैना, रॉबिन उथप्पा और अंबाटी रायुडू जैसे बल्लेबाज शामिल हैं।

इंफाल पूर्व और पश्चिम जिलों से चार उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल, 20 जुलाई (एजेंसियां)। सुरक्षा बलों ने मणिपुर के इंफाल पूर्व और पश्चिम जिलों से विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। सुरक्षा बल लगातार राज्य में उग्रवादियों के खिलाफ अभियान चला रही है। इस महीने सुरक्षा बलों की ओर से की गई कार्रवाई में बड़ी संख्या में उग्रवादी गिरफ्तार किए गए हैं।

इंफाल पश्चिम जिले के कांगला पट क्षेत्र से प्रतिबंधित संगठन यूपीपीके के एक सक्रिय कैडर को गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान युमनाम प्रेम मैतेई (23) के रूप में की गई है। शुक्रवार को इम्फाल पश्चिम जिले के पोलो ग्राउंड के पार्किंग क्षेत्र से प्रतिबंधित संगठन केसीपी (पीडब्ल्यूजी) से जुड़े एक उग्रवादी को गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान ननाओह (43) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, वह घाटी क्षेत्र की दुकानों से जबरन वसूली में शामिल था।

उपभोक्ताओं को उत्पादों की गुणवत्ता के बारे में जानने का अधिकार देने की मांग

सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है, जिसमें मांग की गई है कि उपभोक्ताओं को उत्पाद की गुणवत्ता, उसकी शुद्धता और डिस्ट्रीब्यूटर्स और सेलर्स के बारे में जानने का अधिकार मिलना चाहिए। याचिका में कहा गया है कि उपभोक्ताओं को ये अधिकार मिलने के बाद वे गलत चीजों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर सकेंगे। इस याचिका में केंद्र और राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश देने की भी मांग की गई है कि प्रत्येक वितरक, व्यापारी और दुकान मालिक प्रवेश द्वार पर पंजीकरण विवरण, जिसमें नाम, पता, फोन नंबर और कर्मचारियों की संख्या शामिल हो, लोगों को मोटे दिखाई देने वाले डिस्प्ले बोर्ड पर मोटे अक्षरों में प्रदर्शित करें। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ 21 जुलाई को इस याचिका पर सुनवाई करेगी। अश्विनी कुमार उपाध्याय ने यह याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि उपभोक्ताओं के लिए सूचित किए जाने और विकल्प चुनने और गलत व्यापार प्रथाओं और बेईमान शोषण से बचाने के लिए जानने का अधिकार महत्वपूर्ण है।

एनसीपी शरद पवार गुट के विधायक रोहित पवार पर एफआईआर

मुंबई, 20 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति में इन दिनों माहौल गरमाया हुआ है। इस बीच शरद पवार गुट के एनसीपी के एक नेता पर एफआईआर होने की खबर भी सामने आ रही है। विधायक रोहित पवार के खिलाफ मुंबई के आजाद मैदान पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। रोहित पवार पर सरकारी काम में बाधा पहुंचाने और पुलिस अधिकारी से दुर्व्यवहार करने का आरोप है। यह विवाद तब बढ़ा जब रोहित पवार ने अपने सहयोगी विधायक जितेंद्र आव्हाड के समर्थक नितीन देशमुख की गिरफ्तारी पर सवाल उठाते हुए पुलिस स्टेशन में जाकर अधिकारियों से तीखी बहस कर ली। विवाद की शुरुआत नितीन देशमुख और बीजेपी गुट के कार्यकर्ता सर्जेराव टकले के बीच एक कहासुनी से हुई थी।

मामूली बहस ने देखते ही देखते झगड़े का रूप ले लिया। पुलिस को संदेह है कि यह झड़प पूर्व नियोजित थी क्योंकि पहले भी इन दोनों के बीच तनातनी हो चुकी थी। झगड़े के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों, सर्जेराव टकले और नितिन देशमुख, को गिरफ्तार कर लिया। इसी गिरफ्तारी के विरोध में जितेंद्र आव्हाड अपने 10-12 समर्थकों के साथ पुलिस स्टेशन पहुंचे। उन्होंने पुलिस पर दबाव बनाया कि नितीन देशमुख को हिरासत में न लिया जाए।

सीआरपीएफ जवान ने की महिला एएसआई की हत्या

अहमदाबाद, 20 जुलाई (एजेंसियां)। कभी कभी जिस पर सबसे ज्यादा भरोसा जताया जाता है वही इंसान सबसे बड़ा धोखेबाज साबित हो जाता है। गुजरात के कच्छ जिले में कुछ ऐसा ही हुआ, जहां एक महिला पुलिस अधिकारी की हत्या के मामले ने सनसनी फैला दी है। अनजार थाने में एएसआई पद पर तैनात अरुणा नातू जाडव की हत्या उनके लिव-इन पार्टनर और सीआरपीएफ कॉन्स्टेबल दिलीप डांगाचिया ने ही कर दी। ये घटना शुक्रवार रात की है। दिलचस्प बात यह रही कि आरोपी खुद उसी थाने पहुंचा जहां महिला अधिकारी तैनात थीं और अपना जुर्म कबूल कर लिया। घटना शुक्रवार (18 जुलाई) रात अनजार में स्थित उनके घर की है। पुलिस के अनुसार, रात करीब 10 बजे अरुणा और दिलीप के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा शुरू हुआ। बहस इतनी बढ़ गई कि दिलीप ने गुस्से में आकर अरुणा का गला घोंट दिया और मौके पर ही उसकी जान ले ली। अनजार डिविजन के डिप्टी एसपी मुकेश चौधरी ने बताया कि अरुणा और दिलीप की मुलाकात 2021 में इंस्टाग्राम के माध्यम से हुई थी।

दोनों पिछले कुछ समय से एक साथ रह रहे थे। पुलिस ने यह भी बताया कि यह पूरा मामला सुबह सामने आया जब आरोपी दिलीप स्वयं अनजार थाने पहुंचा और ड्यूटी पर मौजूद अफसर को हत्या की जानकारी दी।

सदन में रमी खेलते पकड़े गए कृषि मंत्री : रोहित पवार ने साधा निशाना

मुंबई, 20 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-एसपी) के विधायक रोहित पवार ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए दावा किया है कि कृषि मंत्री माणिकराव विधानसभा में अपने मोबाइल पर जंगली रमी खेल रहे थे। उन्होंने हैशटैग के साथ कहा, "जंगली रमी पे आओ ना महाराज!" उनका दावा है कि मंत्री रमी इसलिए खेल रहे हैं क्योंकि बीजेपी राज में उनके पास कोई काम ही नहीं बचा है। रोहित पवार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 2 वीडियो के साथ अपने पोस्ट में लिखा, "जंगली रमी पे आओ ना महाराज! सत्ता में मौजूद राष्ट्रवादी गुट बीजेपी से पूछे बिना कुछ भी नहीं कर सकता, इसलिए जब खेती के अनगिनत सवाल लंबित हैं, राज्य में रोजाना 8 किसान खुदकुशी कर रहे हैं, फिर भी कोई काम नहीं होने के कारण कृषि मंत्री को रमी खेलने का समय मिल जाता है।"

'गरीब किसानों की खेती पर भी आओ' उन्होंने आगे कहा, "रास्ता भटक चुके इन मंत्रियों और सरकार को फसल बीमा, कर्जमाफी की मांग करने वाले किसानों की 'कभी गरीब किसानों की खेती पर भी आओ ना महाराज' यह दर्दभरी पुकार कभी सुनाई देगी क्या? कभी गरीब किसानों की खेती पर भी आओ ना महाराज। खेल रोको कर्जमाफी दो।" हालांकि इस वीडियो को लेकर कृषि मंत्री की ओर से कोई बयान नहीं आया है। शरद पवार की पार्टी के विधायक रोहित पवार ने वीडियो पोस्ट कर आरोप लगाया कि फडणवीस सरकार के कृषि मंत्री माणिकराव विधानभवन के अंदर पत्ती खेल रहे थे। वह पहले भी कृषि मंत्री के खिलाफ अपनी आवाज उठाते रहे हैं।

साफ्टवेयर इंजीनियर युवती की ट्रक की टक्कर से मौत

इंदौर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। इंदौर में हुए सड़क हादसे में एक साफ्टवेयर इंजीनियर युवती को अपनी जान गंवाना पड़ी। वह अपने दोस्तों के साथ पार्टी के लिए जा रही थी। तभी तिल्लौर के समीप एक ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोस्त भी घायल हुआ है। हादसे में मृत युवती का नाम आस्था पिता एस सिंह है। वह इंदौर में एक कंपनी में जॉब करती थी।

शाम को जॉब खत्म होने के बाद वह अपने दोस्त के साथ बाइक पर जा रही थी। तभी यह हादसा हो गया। अंधेरे का फायदा उठाकर चालक ट्रक सहित फरार हो गया। लोगों ने दोनो घायलों को एमवाय अस्पताल पहुंचा, लेकिन उपचार के दौरान आस्था की मौत हो गई। बाइक चला रहा रतलाम निवासी जितेंद्र भी गंभीर रुप से घायल है।

सांसद कंगना के बिगड़े बोल, बोलीं- मंडी में आया भारी-भरकम भूकंप

मंडी, 20 जुलाई (एजेंसियां)। अभिनेत्री एवं मंडी की सांसद कंगना रनौत एक बार फिर अपने बयान से चर्चाओं में हैं। दिल्ली में एक एजेंसी को दिए इंटरव्यू में कंगना ने मंडी संसदीय क्षेत्र में आई आपदा को भारी-भरकम भूकंप बता दिया। इससे एक बार फिर वह सोशल मीडिया यूजर्स और कांग्रेस के निशाने पर हैं। इंटरव्यू में कंगना ने संसद के सत्र को लेकर उत्साहित होने की बात कही। पीएम नरेंद्र मोदी की तारीफ भी की। मंडी संसदीय क्षेत्र में आई आपदा को भारी भरकम भूकंप बताते हुए कहा कि इस संबंध में अलग-अलग मंत्रालय से मिलने को लेकर काम किया जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर और विश्वभर में भारत की स्थिति को लेकर भी खुशी जताई। बता दें कि पहले कंगना आपदा के बीच मंडी में न होने को लेकर सोशल मीडिया से लेकर कांग्रेस नेताओं के निशाने पर रहीं।

बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए उमड़ी भीड़

जम्मू, 20 जुलाई (एजेंसियां)। दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर ऊंचाई पर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए चल रही वार्षिक तीर्थयात्रा अपने चरम पर है। रविवार को भगवती नगर आधार शिविर से 900 महिलाओं सहित कुल 4,388 तीर्थयात्रियों का 20वां जत्था बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि इस यात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है और अब तक 2.90 लाख से अधिक तीर्थयात्री बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। यह 38-दिवसीय वार्षिक यात्रा 3 जुलाई को अनंतनाग में नुनवान-पहलगाम और गांदरबल में बालटाल मार्गों से शुरू हुई थी। अधिकारियों के अनुसार, दोनों ही मार्गों पर यात्रा सुचारू रूप से जारी है और उम्मीद है कि रविवार दिन में तीर्थयात्रियों की कुल संख्या तीन लाख का आंकड़ा पार कर जाएगी। आज रवाना हुए जत्थे में 130 साधु और साध्वियां भी शामिल थे। तीर्थयात्रियों का यह समूह कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अलग-अलग काफिलों में पहलगाम और बालटाल के लिए रवाना हुआ। जानकारी के अनुसार, 115 वाहनों के काफिले में 2,815 तीर्थयात्री पहलगाम मार्ग से गए, जबकि 95 वाहनों में सवार 1,573 तीर्थयात्रियों ने बालटाल मार्ग को प्राथमिकता दी।

आधी रात में जहर खाकर खत्म हुआ 5 लोगों का परिवार

अहमदाबाद, 20 जुलाई (एजेंसियां)। एक ही रात में पति-पत्नी और उनके 3 मासूम बच्चों ने इस दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। ये घटना है गुजरात स्थित अहमदाबाद जिले के बावला तालुका स्थित बगोदरा गांव की जहां से ये दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। 19 जुलाई की रात एक ही परिवार के 5 लोगों ने जहरीला पदार्थ खाकर एक साथ आत्महत्या कर ली। मृतक मूल रूप से धोलका के रहने वाले थे और फिलहाल बगोदरा बस स्टेशन के पास किराए के मकान में रह रहे थे। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है लेकिन आत्महत्या की वजह अब तक साफ नहीं हो सकी है। हादसे के बाद से ही मानो पूरे गांव में मातम का महौल छा गया है। मृतकों में 34 वर्षीय विपुल कांजी भाई वाघेला (पिता), उनकी पत्नी 26 वर्षीय सोनल वाघेला, 11 वर्षीय बेटी करिना उर्फ सिमरन, 8 वर्षीय बेटा मयूर और 5 वर्षीय बेटी प्रिंसी शामिल हैं। यह परिवार मूल रूप से धोलका के बारकोटा क्षेत्र के देवीपूजक वास का निवासी था। विपुल वाघेला ऑटो रिक्शा चलाकर परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। प्राथमिक जांच के अनुसार, आत्महत्या की यह घटना 19 जुलाई की रात को हुई।

10.6 किलो का ट्यूमर निकाला

पेट के सभी अंगों को पहुंचने लगा था नुकसान, आठ माह से परेशान थी 65 साल की महिला

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। अस्पताल में डॉक्टरों ने सर्जरी कर 65 साल की महिला के पेट से 10.6 किलो का ट्यूमर निकाला है। इसके कारण महिला पिछले 8 माह से परेशान रही, ट्यूमर पेट के दूसरे अंगों को भी नुकसान पहुंचने लगा। ट्यूमर को पूरी तरह से हटाकर सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई, और डिस्चार्ज होने के बाद, मेडिकल ऑन्कोलॉजी टीम मरीज की निगरानी कर रही है। सफदरजंग अस्पताल में सर्जरी विभाग से डॉ. शिवानी बी. परुथी ने बताया कि टीम ने दिल्ली निवासी 65 साल की महिला के पेट से 10.6 किलोग्राम वजनी गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्ट्रोमल ट्यूमर (जीआईएसटी) को निकाला। इसके लिए, एक अत्यंत जटिल शल्य प्रक्रिया को किया गया। मरीज आठ महीने से इस बीमारी से पीड़ित थी। यह ट्यूमर मरीज के पेट के सभी भागों में फैल गया और बाहरी श्रोणि वाहिकाओं को भी नुकसान पहुंचने लगा। इससे दाहिने हाइड्रोनेफ्रोसिस हो रहा था।

बच्चों के सामने कर दी पत्नी की हत्या, भेष बदलकर छिपा था आरोपी

कामरूप, 20 जुलाई (एजेंसियां)। असम के कामरूप जिले में कुछ दिनों पहले हत्या का एक जघन्य मामला सामने आया था। इस मामले में अब पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपनी ही पत्नी की चाकू घोंप कर हत्या कर दिया था। हैरान की बात है कि बच्चे भी घटना के समय वहीं पर मौजूद थे। आरोपी के बच्चों ने ही बताया कि पिता ने मां की हत्या कर दी है। वहीं अब आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया, जहां से उसे चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। दरअसल, कामरूप जिले में रंगिया के पास की यह पूरी घटना है।

यहां केंदुकोना रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर आरोपी राहुल सिंह की पत्नी का शव 15 दिन पहले उसके मकान से बरामद हुआ था। इस मामले में आरोपी स्टेशन मास्टर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि वह गुवाहाटी की एक इमारत में भेष बदलकर निजी सुरक्षा कर्मी के तौर पर काम कर रहा था। वहां से उसे गिरफ्तार करने के बाद रंगिया लाया गया है। यहां लाए जाने के बाद पुलिस ने उसे स्थानीय कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे चार दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया है

फडणवीस पर किसका इतना दबाव है? मराठी बनाम हिंदी पर सुप्रिया ने घेरा

मुंबई, 20 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक बार फिर से राज्य में त्रिभाषा फॉर्मूले के तहत हिंदी को लागू करने की बात कह दी है। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने अपने हाल ही में दिए एक बयान में कहा था कि त्रिभाषा फार्मूला महाराष्ट्र में 100% लागू होगा। उनका यह बयान तब आया जब भारी विरोध के बाद हिंदी भाषा को राज्य में तीसरी अनिवार्य भाषा बनाने का प्रस्ताव वापस ले लिया गया। अब भाषा विवाद को एक बार फिर से हवा मिल गई है। फडणवीस के हिंदी को लागू करने के बयान पर एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि देवेंद्र फडणवीस पर किसका इतना दबाव है? सुप्रिया सुले ने मीडिया द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए, कहा कि मुझे देवेंद्र फडणवीस की चिंता हो रही है। कौन उनपर दबाव बना रहा है? महाराष्ट्र में ऐसा क्यों कर रहे हैं? गुजरात ने तो ऐसा नहीं किया, न तमिलनाडु, न केरल , न ओडिशा सरकार ने, बहुत सारे ऐसे राज्य हैं जिन्होंने ऐसा नहीं किया। किसका प्रेशर है महाराष्ट्र और देवेंद्र जी पर जो उनको ऐसा करना पड़ रहा है। सुप्रिया सुले ने आगे कहा कि पहली बार इतिहास में ऐसा हो रहा है कि महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री मराठी को कम दिखा रहा है, और हिंदी की बात ज्यादा कर रहा है। मुझे जितना प्यार मराठी से है, उतना ही हिंदी से है, तेलगु से है, कन्नड़ से है। उतना हर भाषा से है। हर भाषा का मान सम्मान होना चाहिए। यह हमारी संस्कृति है

1.90 करोड़ रुपये के गांजा के साथ 4 तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। क्राइम ब्रांच ने चार ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार कर एक अंतरराज्यीय सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। इनके कब्जे से 1.90 करोड़ रुपये मूल्य के 411 किलो गांजा जब्त किया गया है। बरामद गांजा ओडिशा से लाया गया था, जिसकी आपूर्ति दिल्ली, हरियाणा व अन्य राज्यों में ड्रग्स तस्करों को की जानी थी। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल अशोक लीलैंड ट्रक और नेक्सन कार भी जब्त कर ली है।

डीसीपी क्राइम ब्रांच हर्ष इंदौरा के मुताबिक गिरफ्तार किए गए तस्करों के नाम लोकेश भारद्वाज (रेवाड़ी), आशीष खासा (रेवाड़ी), मोइन खान (नूंह), श्रीकांत प्रसाद (गोपालगंज, बिहार) का रहने वाला है। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत क्राइम ब्रांच ड्रग्स तस्करों के खिलाफ लगातार कार्रवाई में जुटी हुई है। इसी कड़ी में क्राइम ब्रांच को पता चला कि लोकेश भारद्वाज द्वारा संचालित एक ड्रग्स सिंडिकेट दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय रूप से अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी कर रहा है। टीम ने एसीपी अजय कुमार व इंस्पेक्टर संदीप यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गोल्फ कोर्स रोड, सेक्टर-19 द्वारका के अशोक लेलैंड और नेक्सन कार को रोक कर पहले तीन आरोपित को गिरफ्तार किया।

एयरफोर्स के हवाई अड्डों पर अब विमान की खिड़कियां बंद करने की जरूरत नहीं होगी

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। देश के डिफेंस हवाई अड्डों पर अब व्यवसायिक एयरलाइंस के यात्रियों को टेकऑफ या लैंड करते वक्त विमान की खिड़कियों को बंद करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। डीजीसीए ने इस संबंध में आदेश जारी कर इस पाबंदी को वापस ले लिया है। ऑपरेशन सिंदूर के समय डीजीसीए ने एक आदेश जारी कर वायुसेना और व्यवसायिक दोनों इस्तेमाल में आने वाले हवाई अड्डों पर सुरक्षा कारणों से विमान की खिड़कियां बंद रखने और हवाई और जमीनी फोटोग्राफी को प्रतिबंधित कर दिया था। अब डीजीसीए ने विमान की खिड़कियां बंद करने का आदेश वापस ले लिया है।

चुनाव से पहले ही बिहार में बीजेपी की जीत पक्की

एसआईआर को लेकर सांसद संजय सिंह का बड़ा दावा

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा का मानसून सत्र सोमवार को शुरू होने वाला है। इससे पहले सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है ताकि संसद की कार्रवाई सुचारू रूप से चले। लेकिन विपक्ष के तेवर तीखे नजर आ रहे हैं। विपक्षी दलों ने साफ कर दिया है कि जिन मुद्दों को वह सदन के बाहर उठाते रहे हैं उन्हें मुद्दों पर सत्ता पक्ष को सदन में घेरने की कोशिश करेंगे। आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि सबसे बड़ा मुद्दा इस वक्त यह है कि जिस तरीके से ट्रंप हर दिन भारत का अपमान कर रहा है

और 'ऑपरेशन सिंदूर' का सीजफायर उसने डिक्लेयर किया, रोज कहता है कि ट्रेड डील के नाम पर सीजफायर कराया। अब वह कह रहा है की 5 जेट गिराए गए। तो मुझे लगता है कि इस पर भारत की सरकार को सदन में आकर के स्पष्टीकरण करना चाहिए हम यह मुद्दा उठाएंगे। संजय सिंह ने आगे कहा कि बुलडोजर चला कर के आपने हमारे लोगों को कुचला है, दिल्ली में उनका रोजगार कुचला है, उनका मकान कुचला है। यूपी, बिहार, पूर्वांचल के लोगों का तो यह मुद्दा भी उठाएंगे।

दूसरा यूपी में जो सरकारी स्कूलों को बंद किया जा रहा है वह भी एक बड़ा मुद्दा है। 5000 स्कूलों को बंद करने का आदेश हो चुका है। 27000 स्कूल बंद होने जा रहे हैं, इसी तरीके से गुजरात का जो प्लेन क्रैश का मुद्दा है वह उठाएंगे और एसआईआर एक बहुत बड़ा मुद्दा है,

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
सोमवार, 21 जुलाई, 2025

सुविचार
"मैं" श्रेष्ठ हूं, यह आत्मविश्वास है, लेकिन सिर्फ "मैं" ही श्रेष्ठ हूं. यह अहंकार है।

मुख्यमंत्री से खेल विद्यालय और क्रिकेट स्टेडियम स्वीकृत करने की अपील

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व उपमुख्यमंत्री और स्टेशन घनपुर विधायक कडियम श्रीहरि और संयुक्त वारंगल जिले के विधायकों रेवुरी प्रकाश रेड्डी, नयिनी राजेंद्र रेड्डी, ममीडाला यशस्विनी रेड्डी और के आर नागराजू के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने जुबली हिल्स स्थित मुख्यमंत्री आवास पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की और संयुक्त वारंगल जिले के विकास पर मुख्यमंत्री के साथ चर्चा की।

इस अवसर पर, उन्होंने राज्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और यंग इंडिया इंटरनेशनल रेजिडेंशियल स्कूल और तेलंगाना स्टेट स्पोर्ट्स स्कूल स्थापित करके खेलों को बढ़ावा देने के उनके प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री को बधाई दी। मुख्यमंत्री को बताया गया कि कई दिग्गज खिलाड़ी हैं जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय खेलों में अविभाजित वारंगल जिले का प्रतिनिधित्व किया है और उनमें से कई को केंद्र सरकार से अर्जुन और द्रोणाचार्य पुरस्कार भी मिले हैं। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि वर्तमान में वारंगल जिले में केवल एक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम है, जो जिला खेल प्राधिकरण के तत्वावधान में विभिन्न खेलों के लिए सेवाएँ प्रदान कर रहा है। कदियम श्रीहरि ने मुख्यमंत्री को बताया कि इस स्टेडियम का उपयोग राज्य और जिला स्तर के छात्र और क्षेत्रीय एथलीट अपने सामान्य प्रशिक्षण के लिए करेंगे। वारंगल महानगर के चौतरफा विस्तार और बढ़ती जनसंख्या का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान स्टेडियम एथलीटों की ज़रूरतों को पूरा करने में सक्षम नहीं होगा।

उन्होंने कहा, "इसके लिए, जुंटा वारंगल जिले में एक तेलंगाना स्पोर्ट्स स्कूल को मंजूरी देना आवश्यक है, जो शैक्षणिक शिक्षा, विशेष खेल प्रशिक्षण, राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों की तैयारी करने वाले छात्रों और एथलीटों पर ध्यान केंद्रित करेगा।

स्पोर्ट्स स्कूल की स्थापना के लिए आवश्यक सरकारी (KUDA) भूमि धर्मसागर मंडल के उन्नीकिचेरला गाँव में एक सर्वेक्षण में स्थित है।" उन्होंने यह भी कहा कि वारंगल, हैदराबाद के बाद तेलंगाना राज्य का दूसरा सबसे बड़ा शहर बनकर तेज़ी से विकसित हो रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि यह उत्तरी तेलंगाना का एक शैक्षणिक केंद्र है, जहाँ एनआईटी, काकतीय विश्वविद्यालय, डॉ. कालोजी नारायण राव स्वास्थ्य विश्वविद्यालय, निजी विश्वविद्यालय, तीन मेडिकल कॉलेज और सरकारी व निजी इंजीनियरिंग कॉलेज जैसे कई शैक्षणिक संस्थान हैं। उन्होंने कहा कि चूँकि क्रिकेट खेल जगत में सबसे महत्वपूर्ण खेल है, इसलिए कई युवा और छात्र क्रिकेट खेलने में रुचि रखते हैं। उन्होंने बताया कि युवाओं और छात्रों की ओर से वारंगल में एक विशेष क्रिकेट स्टेडियम बनाने की माँग की जा रही है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री वारंगल शहर को तेलंगाना की दूसरी राजधानी के रूप में विकसित करने के लिए विशेष ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की पहल पर शहर में भूमिगत जल निकासी, हवाई अड्डा, आंतरिक रिंग रोड, ओआरआर, मेगा टेक्सटाइल पार्क आदि के लिए भारी धनराशि स्वीकृत की जा रही है। उन्होंने कहा कि अगर वारंगल शहर में एक विशेष क्रिकेट स्टेडियम स्वीकृत हो जाता है, तो वारंगल राज्य के लिए एक रत्न बन जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री से वारंगल शहर के लिए जल्द से जल्द एक तेलंगाना स्पोर्ट्स स्कूल और एक विशेष क्रिकेट स्टेडियम स्वीकृत करने की अपील की। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने विधायक कडियम श्रीहरि के नेतृत्व में विधायकों के समूह द्वारा की गई अपील पर सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की।

उन्होंने तुरंत संबंधित विभाग के सचिव को बुलाकर वारंगल शहर में तेलंगाना स्पोर्ट्स स्कूल और क्रिकेट स्टेडियम की स्थापना के प्रस्तावों की जाँच करने और इसके लिए आवश्यक प्रक्रियाएँ तैयार करने का आदेश दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे वारंगल शहर के विकास के लिए हर संभव सहायता प्रदान करेंगे और शीघ्र ही एक स्पोर्ट्स स्कूल और क्रिकेट स्टेडियम को मंजूरी देने के लिए कदम उठाएँगे। इसके लिए विधायकों के समूह ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का विशेष आभार व्यक्त किया।

आसरा पेंशनभोगियों को जल्द ही चेहरे की पहचान के माध्यम से मिलेगा भुगतान

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। चेहरे की पहचान करने वाली तकनीक जल्द ही तेलंगाना भर में आसरा पेंशन योजना के लाभार्थियों को उनके भुगतान प्राप्त करने में सुविधा प्रदान करेगी। तेलंगाना डाक विभाग डाकघरों के माध्यम से 40 लाख से अधिक आसरा लाभार्थियों को पेंशन भुगतान वितरित करने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक का उपयोग करके एक नई पहल शुरू करने के लिए तैयार है। अब तक डाक विभाग लाभार्थियों को उनके आधार कार्ड और अंगूठे के निशान का उपयोग करके बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के माध्यम से पेंशन वितरित करता रहा है।

बीट पोस्टमैन से प्राप्त फीडबैक के आधार पर यह पाया गया कि 60 से 80 वर्ष की आयु के अधिकांश बुजुर्ग लोगों को अपनी अंगुलियों पर लकीरें गायब होने के कारण बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण प्रक्रिया में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। चूंकि इसके कारण लाभार्थियों को उनकी मासिक पेंशन का भुगतान नहीं मिल पा रहा था, इसलिए डाक अधिकारियों ने भुगतान प्रक्रिया को सरल बनाने, पेंशनभोगियों की सटीक पहचान सुनिश्चित करने और धोखाधड़ी वाले दावों को रोकने के लिए चेहरे की पहचान का उपयोग करने का निर्णय लिया।

अधिकारियों ने बताया, 'चेहरे की पहचान के ज़रिए मासिक पेंशन देने का प्रयोग जारी है। विभाग इस पहल को संभवतः अगस्त से तेलंगाना के 4,986 शाखा डाकघरों, 685 उप-डाकघरों और 32 प्रधान डाकघरों में शुरू करने की योजना बना रहा है।'

मुख्यमंत्री रेवंत ने राहुल सिप्लिगुंज के लिए एक करोड़ रुपये के नकद इनाम की घोषणा की

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को पार्श्व गायक राहुल सिप्लिगुंज के लिए 1 करोड़ रुपये के नकद इनाम की घोषणा की। यह घोषणा हैदराबाद में बोनालु उत्सव समारोह के दौरान की गई, जिससे गायक के प्रति की गई प्रतिबद्धता पूरी हुई। राहुल की प्रेरणादायक यात्रा पुराने शहर से शुरू हुई और फिल्म आरआरआर के गीत "नटू नटू" से उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली, यहाँ तक कि ऑस्कर में भी जगह मिली। मुख्यमंत्री ने उन्हें तेलंगाना के युवाओं के लिए एक पथप्रदर्शक बताया और उनकी कड़ी मेहनत की उपलब्धियों पर ज़ोर दिया। पिछले चुनावों से पहले एक कार्यक्रम के दौरान, तत्कालीन पीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने राहुल सिप्लिगुंज को 10 लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने का वादा किया था और कहा था कि कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने पर वह 1 करोड़ रुपये का पुरस्कार देंगे। हाल ही में हुए गद्दर पुरस्कारों में, मुख्यमंत्री ने राहुल सिप्लिगुंज का नाम भी लिया और संकेत दिया कि सरकार जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा करेगी। परिणामस्वरूप, ऐतिहासिक शहर में बोनालु उत्सव के दौरान राहुल के लिए नकद पुरस्कार की घोषणा की गई।

फिल्म अभिनेता दुलकर सलमान ने मुख्यमंत्री रेवंत से मुलाकात की

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। औमलयालम स्टार दुलकर सलमान ने रविवार को जुबली हिल्स स्थित मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के आवास पर शिष्टाचार भेंट की। उनके साथ फिल्म निर्माता स्वप्न दत्त और कई अन्य लोग भी थे। इस दौरान, मुख्यमंत्री ने दुलकर सलमान को सम्मान स्वरूप एक शॉल भेंट की। दुलकर ने हाल ही में अपनी फिल्म "लकी भास्कर" के कारण तेलुगु दर्शकों के बीच लोकप्रियता हासिल की है, जिसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने "महानती" और "सीताराम" जैसी हिट फिल्मों से भी तेलुगु दर्शकों का दिल जीता है। वर्तमान में, दुलकर 1950 के दशक के मद्रास की पृष्ठभूमि पर आधारित सेल्वमणि सेल्वराज की फिल्म "कांथा" में मुख्य अभिनेता हैं। फिल्म का निर्माण राणा दग्गुबाती, खुद दुलकर सलमान, प्रशांत पोटलुरी और जोम वर्गीस द्वारा किया जा रहा है।

बोनालु उत्सव के मौके पर श्री भाग्यलक्ष्मी मंदिर, चारमीनार, हैदराबाद में तेलंगाना डिप्टी सीएम मल्लू भट्टी विक्रमार्क , परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर आदि ने दर्शन पूजन किया।

हिंदी थोपना बंद होना चाहिए : केटीआर

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने आसन्न परिसीमन प्रक्रिया पर चिंता जताते हुए आगाह किया कि भारत में परिवार नियोजन के प्रयासों में अग्रणी रहे दक्षिणी राज्यों को संसदीय प्रतिनिधित्व में भारी नुकसान का खतरा है। उन्होंने तर्क दिया कि अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि वाले राज्यों को पुरस्कृत करना और जनसंख्या नियंत्रण लागू करने वालों को दंडित करना, सहकारी संघवाद के सिद्धांतों के विरुद्ध है। रविवार को जयपुर में 'भारतीय राजनीति में उत्तर-दक्षिण विभाजन' विषय पर नौवें टॉक जर्नलिज्म सम्मेलन में भाग लेते हुए रामा राव ने कहा कि प्रभावी परिवार नियोजन के कारण राष्ट्रीय जनसंख्या में दक्षिण भारत का हिस्सा 1948 में 26 प्रतिशत से घटकर 19 प्रतिशत हो गया है, जबकि उत्तर प्रदेश जैसे उत्तर भारतीय राज्यों की जनसंख्या इस अवधि के दौरान 239 प्रतिशत बढ़ी है।

उन्होंने पूछा, 'क्या यह उचित है कि केरल, जिसने राष्ट्रीय कल्याण के लिए जनसंख्या नियंत्रण को अपनाया था, अब सीटें खो दे, जबकि उत्तर प्रदेश, जो इस संबंध में विफल रहा, केंद्र में अधिक प्रभाव प्राप्त कर ले?' उन्होंने चेतावनी दी कि उत्तरी राज्यों, खासकर उत्तर प्रदेश, में सत्ता का अत्यधिक संकेंद्रण संघीय ढांचे पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। उन्होंने कहा, 'अगर प्रधानमंत्री का फैसला सिर्फ एक राज्य के आंकड़ों के आधार पर किया जाएगा, तो दक्षिणी राज्यों की आकांक्षाओं को नज़रअंदाज़ कर दिया जाएगा।' उन्होंने मांग की कि मौजूदा संसदीय सीटों को स्थिर रखा जाए और राज्य विधानसभाओं को ज़्यादा प्रतिनिधित्व दिया जाए। भाजपा नीत केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए पूर्व मंत्री ने कहा कि आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम के तहत तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में विधायकों की सीटें बढ़ाने का वादा अभी तक पूरा नहीं हुआ है। हालाँकि, राजनीतिक सुविधा के लिए जम्मू-कश्मीर और असम में सीटें बढ़ा दी गईं । उन्होंने ज़ोर देकर कहा, 'हमें भाजपा सरकार पर भरोसा नहीं है कि वह निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण में निष्पक्ष होगी।'

रामा राव ने हिंदी थोपने के प्रयासों को भी गलत ठहराया और इसे 'पाशविक शक्ति का अहंकार' बताया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि भारत की एकता उसकी विविधता में निहित है। उन्होंने कहा कि हिंदी कोई राष्ट्रीय भाषा नहीं, बल्कि 22 आधिकारिक भाषाओं में से एक है। उन्होंने कहा, 'केवल भारतीयता ही हमें बांध सकती है। हर 250 किलोमीटर पर भाषा, खान-पान और बोलियाँ बदल जाती हैं; हिंदी को जबरन राष्ट्रीय भाषा नहीं बनाया जा सकता।' उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि भारत को किसी राष्ट्रीय भाषा की आवश्यकता नहीं है और किसी भी भाषा को सीखने का विकल्प लोगों पर छोड़ देना चाहिए। हालाँकि, महाराष्ट्र में बाहरी लोगों द्वारा मराठी सीखने की माँग पर एक सवाल का जवाब देते हुए, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि

रेवंत रेड्डी ध्यान भटकाने वाली राजनीति कर रहे हैं: वेंकटरमण रेड्डी

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के नेता और पूर्व विधायक गांद्रा वेंकटरमण रेड्डी ने आज मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से पूछा कि वह कैसे दावा कर सकते हैं कि वह अगले दस साल तक राज्य के मुख्यमंत्री रहेंगे। उन्होंने सुझाव दिया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को आधे-अधूरे मन से खेलना बंद कर देना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि यूरिया की कमी के कारण किसानों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और राज्य सरकार उनकी समस्याओं का समाधान करने के बजाय मूकदर्शक की भूमिका निभा रही है। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ध्यान भटकाने वाली राजनीति कर रहे हैं और उन्होंने आलोचना की कि रेवंत रेड्डी किसी भी बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर और बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर का नाम लिए बिना नहीं बोलते। आज यहां तेलंगाना भवन में मीडिया से बात करते हुए, गांद्रा वेंकटरमण रेड्डी ने दावा किया कि भूपालपल्ली विधानसभा क्षेत्र के मोगुल्लापल्ली में किसान खाद के लिए सड़कों पर उतर आए। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा, "हम ऐसी स्थिति में आ गए हैं जहाँ हमें किसानों की खातिर सड़क पर उतरना पड़ रहा है। कांग्रेस के नेता किसानों को धोखा देकर सत्ता में आए हैं। वारंगल किसान घोषणापत्र लागू नहीं किया जा रहा है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ध्यान भटकाने वाली राजनीति कर रहे हैं। रेवंत रेड्डी स्कूली बच्चों की सभा में भी केसीआर का नाम लिए बिना नहीं बोलते। रेवंत रेड्डी को प्रशासन का कोई अनुभव नहीं है।"

जन समस्याओं के लिए जेल जाने को तैयार: विधायक कृष्ण राव

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कुक्टपल्ली के विधायक माधवराम कृष्ण राव ने आज कहा कि वे जन समस्याओं की लड़ाई में जेल जाने को तैयार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी 18 महीने से सत्ता में है, फिर भी उसने राज्य के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कांग्रेस नेताओं की कड़ी आलोचना की कि वे हर सुबह बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर और पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर को कोसना अपना काम बना चुके हैं। विधायक माधवराम इस बात से नाराज़ थे कि कांग्रेस नेता न केवल बीआरएस पार्टी के नेताओं को व्यक्तिगत रूप से कोस रहे हैं, बल्कि उन्हें शर्मिंदा करने के लिए फ़ोन टैपिंग, फॉर्मूला ई-कार रेसिंग और कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के मामलों में भी दिन बिता रहे हैं। कुक्टपल्ली में बोनालु उत्सव के अवसर पर बोलते हुए, विधायक माधवराम कृष्ण राव ने याद दिलाया कि पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर ने बोनालु उत्सव के अवसर पर चेक देना शुरू किया था और कहा कि कांग्रेस नेताओं को यह याद रखना चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, "कांग्रेस नेता न केवल तेलंगाना की जनता को धोखा दे रहे हैं, बल्कि शासन भी नहीं कर रहे हैं। कांग्रेस नेता व्यक्तिगत आलोचना और हमले करके लोगों को परेशान कर रहे हैं। अगर हमारे धैर्य की परीक्षा ली गई, तो उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।" उन्होंने कहा कि वे मांग कर रहे हैं कि कांग्रेस सरकार जनता से किए गए वादों को पूरा करे। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के कार्यकाल में स्वीकृत फ़्लाईओवर, पुल और एसटीपी पूर्व मंत्री केटीआर के नेतृत्व में शुरू हुए थे और आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता अपने द्वारा किए गए विकास कार्यों का श्रेय ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके निर्वाचन क्षेत्र में कुकटपल्ली हाउसिंग बोर्ड के करोड़ों रुपये के प्लॉट बिक्री के लिए रखे जा रहे हैं और कहा कि जब केसीआर मुख्यमंत्री थे, तो उनके निर्वाचन क्षेत्र में हाउसिंग बोर्ड का एक भी प्लॉट नहीं बिका। उन्होंने आगे कहा, "जब कांग्रेस पार्टी सत्ता में थी, तब उन्होंने हाउसिंग बोर्ड के प्लॉट 3,000 करोड़ रुपये में बेचे थे। अब, वे पैसे के लिए हजारों करोड़ रुपये की जमीन बेच रहे हैं।"

मैं किसी भी राजनीतिक दल में शामिल नहीं होऊँगा: राजा सिंह

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल विधानसभा क्षेत्र से निलंबित भाजपा विधायक राजा सिंह ने आज स्पष्ट किया कि वह किसी भी राजनीतिक दल में शामिल नहीं होंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में कभी शामिल नहीं होंगे, जिसका उनके प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दल एआईएमआईएम के साथ गठबंधन है। उन्होंने कहा कि वह भाजपा आलाकमान के किसी भी फैसले का पालन करेंगे और अगर भाजपा आलाकमान उन्हें विधायक पद से इस्तीफा देने के लिए कहता है, तो वह ऐसा करेंगे। राजा सिंह ने कहा कि गोशामहल विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव होने पर उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। विधायक राजा सिंह ने आज सुबह लाल दरवाजा सिंह वाहनी अम्मावरी मंदिर में दर्शन किए और अपनी मन्नतें पूरी

कीं। इस अवसर पर मंदिर प्रशासकों ने उनका अभिनंदन किया। उन्होंने तेलुगु लोगों को बोनालु उत्सव की शुभकामनाएं दीं। बाद में, राजा सिंह ने मीडिया से बात की... 'देवी के दर्शन के बाद, मैंने एक राज्य मंत्री से बात की। उन्होंने एक आदर्श गोशाला बनाने में मेरा सहयोग माँगा। कोई भी नेता किसी भी पार्टी का हो, सबका लक्ष्य एक ही होता है। जनता का भला करना। पिछली सरकारों ने सिंहवाहिनी महाकाली मंदिर के भव्य निर्माण का राजनीतिकरण किया था। यहाँ तक कि कांग्रेस सरकार भी चाहती है कि मंदिर भव्य बने। मैं चाहता हूँ कि कांग्रेस सरकार इसे भव्य बनाए।' उन्होंने कहा कि कुछ लोग बोनालू उत्सव के बारे में झूठा प्रचार कर रहे हैं कि इसका मतलब शराब पीना है। उन्होंने दावा किया कि बोनालू की संस्कृति को नष्ट करने की लंबे समय से साजिश चल रही थी। ज्ञातव्य है कि राजा सिंह, जो पिछले कुछ समय से पार्टी नेतृत्व से बेहद नाखुश थे, ने पिछले महीने 30 जून को भाजपा से इस्तीफा दे दिया।

बीआरएस सड़कों पर उतरेगी

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व विधायक गंद्रा वेंकटरमण रेड्डी ने यूरिया और उर्वरकों की भारी कमी के कारण किसानों की परेशानी पर राज्य सरकार को आगाह किया। उन्होंने भूपालपल्ली निर्वाचन क्षेत्र के मोगुल्लापल्ली में हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शनों की ओर इशारा करते हुए कहा कि बीआरएस किसानों के समर्थन में सड़कों पर उतरने को मजबूर होगी। रविवार को तेलंगाना भवन में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए वेंकटरमण रेड्डी ने कहा कि अनियमित मानसून के बावजूद कांग्रेस उर्वरक और यूरिया के लिए किसानों के संघर्ष पर मूकदर्शक बनी हुई है।

उन्होंने कहा, 'कांग्रेस किसानों से झूठे वादे करके सत्ता में आई और वारंगल किसान घोषणापत्र को लागू करने में विफल रही। उन्हें पूरा करने के बजाय, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी शासन में अनुभवहीनता के कारण ध्यान भटकाने वाली राजनीति कर रहे हैं।'

उन्होंने कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव के इस दावे की खिल्ली उड़ाई कि किसानों को उर्वरक की आपूर्ति केंद्र सरकार की आपूर्ति पर निर्भर करती है, जो राज्यों से जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए कह रही है। उन्होंने कहा, केंद्र और राज्य सरकारें, दोनों ही उर्वरकों की कमी को दूर करने के बजाय, किसानों को बेसहारा छोड़ रही हैं। उन्होंने लोगों को याद दिलाया कि कांग्रेस के विधायक भी लंबित वादों को लेकर मुख्यमंत्री और राज्य की जनता से सवाल कर रहे हैं।

बिना अनुमति काट डाले 26 हरे पेड़, वन विभाग ने दर्ज किया केस

गोरखपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। तिवारीपुर के सिधारीपुर में शनिवार को बिना अनुमति 26 हरे पेड़ काटे जाने का मामला सामने आया है। सभी पेड़ एक व्यक्ति की भूमि पर लगे थे। स्थानीय लोगों की शिकायत पर पहुंची वन विभाग की टीम ने भूस्वामी पर वन अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराया है। वन विभाग के एसडीओ डा। हरेंद्र सिंह ने बताया कि पेड़ काटने के लिए वन विभाग से अनुमति लेना जरूरी होता है। भूस्वामी ने यह प्रक्रिया पूरी नहीं की थी। मौके पर पहुंची टीम को आम, जामुन और सागौन के 26 पेड़ों की ठूंठ मिलीं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस कटाई को लेकर उन्होंने पहले ही आपत्ति जताई थी लेकिन समय रहते वन विभाग ने हस्तक्षेप नहीं किया। राष्ट्रीय पर्यावरण सेना के मंडल अध्यक्ष मदन राजभर ने कहा कि यह सिर्फ एक दिन की बात नहीं है।

'फर्स्ट आएं या थर्ड, सीएम तो नीतीश कुमार ही बनेंगे'

बिहार में चुनाव से पहले जेडीयू मंत्री का बड़ा ऐलान

पटना, 20 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले एनडीए में भी घमासान मचा हुआ है। नेताओं के बयान लगातार सियासी सरगर्मियां बढ़ा रहे हैं। सीएम पद को लेकर महागठबंधन में भी खींचतान की स्थिति है। इस बीच एनडीए सरकार में जेडीयू कोटे से मंत्री महेश्वर हजारी ने कहा कि चुनाव में जेडीयू फर्स्ट डिवीजन आए या थर्ड, सीएम तो नीतीश कुमार ही बनेंगे। चाहे जैसे भी बनें। इसको लेकर किसी को संकोच नहीं होना चाहिए। बता दें कि जब से नीतीश ने एनडीए में वापसी की है तब से ही यह सवाल लगातार उठ रहा है कि क्या नीतीश कुमार 2025 में चुनाव के बाद सीएम बनेंगे। इसमें बीजेपी की ओर से अभी स्थिति स्पष्ट नहीं हुई है। समय-समय पर बीजेपी में कई नेताओं के बयान ऐसे आए हैं जिससे नीतीश और उनकी पार्टी को लगा कि दाल में कुछ तो काला है।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बजट सत्र के दौरान विधानसभा के बाहर कहा कि चुनाव हम नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ेंगे लेकिन सीएम का फैसला चुनाव के बाद होगा। इसके बाद शाम होते-होते उन्होंने अपना बयान बदल दिया था। बाद में उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद नीतीश कुमार ही सीएम बनेंगे।

इससे पहले एक कॉन्क्लेव में जब गृहमंत्री अमित शाह से सीएम फेस को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में हम चुनाव लड़ेंगे लेकिन चुनाव के बाद बीजेपी का पार्लियामेंट बोर्ड सीएम फेस तय करेगा। उनके इस बयान के बाद सीएम नीतीश कुमार की चिंताएं बढ़ गई। क्योंकि बीजेपी में अमित शाह वरिष्ठ नेता हैं। ऐसे में उनका बयान अपने आप में मायने रखता है। इसके बाद कई मौकों पर बीजेपी के बड़े नेताओं ने कहा कि सीएम तो नीतीश कुमार ही बनेंगे लेकिन नीतीश कुमार अभी भी असंतुष्ट हैं।

कुछ समय पहले बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बिहार का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने नीतीश कुमार से मुलाकात की थी। तब उन्होंने भी नीतीश की दावेदारी पर मुहर लगाई थी।

इसके अलावा पिछले दिनों राजनाथ सिंह ने बिहार में बीजेपी की बड़ी बैठक को संबोधित किया था उन्होंने भी बतौर सीएम नीतीश का नाम ही लिया था। ऐसे में सवाल यह है कि नीतीश कुमार चिंतित क्यों हैं? सीएम नीतीश कुमार हाल ही में हुए महाराष्ट्र प्रकरण के बाद भी काफी चिंतित है। दरअसल चुनाव से पहले यह तय नहीं हुआ कि सीएम कौन बनेगा? ऐसे में एनडीए की जीत के बाद महाराष्ट्र में शिंदे और बीजेपी में सीएम पद को लेकर काफी तनातनी की स्थिति रही।

ब्रेनवॉश से फंडिंग मैनेजमेंट सब तय

गर्ल्स हॉस्टल में तो पहले ही चल रही थी 'द केरल स्टोरी'

आगरा, 20 जुलाई (एजेंसियां)। चार देशों से फंडिंग प्राप्त करने वाले अवैध मतांतरण गिरोह के सदस्यों को पुलिस कड़ी सुरक्षा में शनिवार शाम को सीजेएम कोर्ट लेकर पहुंची।पुलिस ने गैंग के बारे में पूरे साक्ष्य अदालत में प्रस्तुत किए। इसके बाद अदालत ने सभी को दस दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड पर दे दिया है। आरोपितों की पेशी से पहले पुलिस ने दीवानी को छावनी बना दिया था। पुलिस के साथ ही विशेष सुरक्षा बल ने भी सुरक्षा घेरा बनाया था। अवैध मतांतरण गिरोह से जुड़ी महिला समेत 10 आरोपितों को पुलिस शाम साढ़े चार बजे गेट नंबर चार से लेकर दीवानी में पहुंची।

वहां पहले से ही कई चार एसीपी स्तर के अधिकारी पुलिस फोर्स के साथ सुरक्षा घेरा बनाए थे। पुलिस को देखकर दीवानी में आसपास बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। पुलिस अपनी गाड़ी से सीधे सीजेएम कोर्ट के गेट पर पहुंची।सभी आरोपितों के चेहरे ढंके हुए थे। पुलिस ने रस्सी की मदद से दोनों ओर सुरक्षा घेरा बना लिया। पुलिस ने आसपास किसी को नहीं आने दिया। सुरक्षा घेरे में सभी आरोपितों को सीजेएम कोर्ट में पेश किया।पुलिस ने कोर्ट में नेटवर्क के संबंध में पूरी जानकारी दी। बताया कि गिरोह के सदस्यों को छह राज्यों में दबिश देकर पकड़ा है। विदेशों से फंडिंग हो रही है।

राजद को भी 'हर कीमत पर चाहिए केवल भाजपा नीतीश सरकार'

राजद का सोशल मीडिया पोस्ट वायरल

पटना, 20 जुलाई (एजेंसियां)। रविवार सुबह करीब 11:00 राष्ट्रीय जनता दल के फेसबुक पेज पर एक कविता का वीडियो शेयर किया गया। कविता के वीडियो के कवर पेज पर तेजस्वी सरकार की बात थी, लेकिन ऊपर कंटेंट में लिखा था- 'मजाक बनकर रह गया है बिहार! निकम्मी बीजेपी नीतीश सरकार! बिहार की दरगाह हर कीमत पर चाहिए केवल भाजपा नीतीश सरकार!' समाचार लिखे जाने तक इसे बदला नहीं गया और इसका स्क्रीनशॉट भाजपा वाले भी अब वायरल कर रहे हैं। महज 42 मिनट में इसे 40 बार शेयर किया गया था।

शेयर करने वालों में ज्यादातर लोग भारतीय जनता पार्टी के हैं। इतने ही समय में लगभग 2900 लोगों ने इस पोस्ट देखा था। लगभग 100 लोगों का कमेंट आ चुका था, जिसमें राजद के साथ सत्ताधारी दालों के भी समर्थक थे। निश्चित तौर पर यह राजद की सोशल मीडिया टीम की बड़ी गलती है, क्योंकि 'हर कीमत पर चाहिए केवल भाजपा नीतीश सरकार!' के पहले की पंक्ति में इस सरकार को निकम्मी बताया गया था और वीडियो के जरिए भी यही बताने का प्रयास किया गया था।

करणी सेना के नेता की पोस्ट से मचा बवाल

सपा सांसद इकरा हसन के खिलाफ की आपत्तिजनक टिप्पणी

मुरादाबाद, 20 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में करणी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष योगेंद्र सिंह राणा के फेसबुक पेज पर हुए एक पोस्ट ने राजनीतिक माहौल को तनावपूर्ण बना दिया है। इस पोस्ट में कैराना की सपा सांसद इकरा हसन के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी की गई है। इस टिप्पणी को सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक दृष्टि से बेहद आपत्तिजनक माना जा रहा है। फेसबुक पर साझा की गई इस पोस्ट में सपा सांसद के खिलाफ हुई टिप्पणी को लेकर सपा में खासी नाराजगी देखी जा रही है। सपा के जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव ने कहा कि सार्वजनिक मंच पर एक निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधि का यह अपमान है।

इस टिप्पणी को लेकर सपा अपना विरोध जताएगी और संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग करेगी । सोशल मीडिया पर यह पोस्ट तेजी के साथ वायरल हुई, तीखी

प्रतिक्रियाएं आने लगीं तो इस पोस्ट को पेज से डिलीट कर दिया गया। इस पोस्ट पर लोगों ने इस टिप्पणी को महिला विरोधी और सामाजिक सद्भाव को चोट पहुंचाने वाला बताया।

वहीं दूसरी ओर योगेंद्र सिंह राणा से जब इस संदर्भ में जानकारी लेने का प्रयास किया गया तो उनसे कोई संपर्क नहीं हो सका। जिस फेसबुक पेज पर यह पोस्ट किया गया है उस पर योगेंद्र सिंह राणा के ही अन्य पोस्ट मौजूद हैं। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह का कहना है कि इस संदर्भ में कोई भी लिखित शिकायत नहीं प्राप्त हुई है। अगर कोई शिकायत आती है, तो मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी। वायरल वीडियो में करणी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष योगेंद्र सिंह राणा ने सपा सांसद इकरा हसन, एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी और उनके भाई को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की है, जिससे राजनीतिक माहौल गर्म हो सकता है। समाजवादी पार्टी के नेता खुलकर सपा सांसद इकरा हसन के समर्थन में आ गए हैं। सपा नेताओं ने पुलिस में करणी सेना के नेता के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

तेजस्वी के 'बिहार तालिबान' वाले बयान पर मांझी का पलटवार

गरमाई बिहार की सियासत!

पटना, 20 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने आपराधिक घटनाओं को लेकर एक पोस्ट किया और कहा कि बीजेपी के लोगों ने बिहार को तालिबान बना दिया है। इस पर अब रविवार को केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव इसी चीज को जानते हैं और इसी में पनपे हैं, इस लिए इस तरह का बयान देते हैं। जीतन राम मांझी ने कहा कि बिहार में जो घटना होती है, उस पर त्वरित कार्रवाई होती है। पिछले 4 महीने से यह घटनाएं लगातार क्यों हो रही हैं? क्योंकि चुनाव हैं। इसके पीछे राजनीतिक कारण भी है। वे ऐसे बयान देकर बिहार की जनता को भ्रमित करना चाहते हैं, लेकिन बिहार की जनता बरगलाने वाली नहीं है। जनता उन्हें समझती है और आने वाले चुनाव में एनडीए की सरकार बनेगी। दरअसल तेजस्वी यादव ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया था। उसमें लिखा था, बीजेपी ने बिहार को बनाया तालिबान! गया में डॉक्टर को मारी गोली, पटना में दो गुटों में खुली गोलीबारी, पटना में महिला को मारी गोली, रोहतास में व्यवसायी की हत्या, मोदी-नीतीश भाजपाई सरकार बेबस, डीके टैक्स संरक्षित गुंडे अपराधी बेधड़क!

बता दें कि बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर तेजस्वी यादव लगातार एनडीए सरकार पर हमलावर हैं। चुनावी साल में उन्होंने इसे बड़ा मुद्दा बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। हर मंच से वो क्राइम के मुद्दे को जोरदार तरीके से उठा रहे हैं, जिसका जवाब देते सरकार को नहीं बन रहा है। हालांकि एनडीए नेता ये जरूर कहते हैं कि जो भी अपराधी हैं उन पर त्वरित कार्रवाई हो रही है, पकड़े जा रहें, आरजेडी के शासन में क्या होता था, ये सब जानते हैं। स्ता पक्ष के लोगों का कहना है कि जो भी घटनाएं हो रही हैं, उसके लिए आरजेडी ही जिम्मेदार है।

भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच का सपा सांसद ने किया समर्थन कहा- 'दोस्ती-दुश्मनी अपनी जगह, खेल अपनी जगह'

लखनऊ, 20 जुलाई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत पाकिस्तान के बीच खेले जा रहे क्रिकेट मैच का समाजवादी पार्टी की सांसद रुचि वीरा ने समर्थन किया है। सपा सांसद ने कहा दोस्ती दुश्मनी अपनी जगह है, खेल अपनी जगह है। खेल और साहित्य को सीमाओं में बांध कर नहीं रखा जा सकता। इसे पहलगाम घटना से जोड़ कर नहीं देखना चाहिए। सपा सांसद ने कहा कि खिलाड़ियों को इन सब चक्करों में नहीं पड़ना चाहिए। अगर पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने उस समय कोई बयान दिए थे तो वह गलत हैं। अगर किसी खिलाड़ी ने भारत के खिलाफ जहर उगला था तो ये बात उसे चयन करने वाले देखें मैं मैच के न समर्थन में हूं न विरोध में हूं। मैच अलग चीज है और विवादित बयान अलग चीज है।

वहीं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के जीजा रॉबर्ट वाड्रा पर ईडी की कार्रवाई पर सपा सांसद ने कहा कि मौजूदा सरकार केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है और जो नेता बीजेपी में

चला जाता है वह वाशिंग मशीन में धुल जाता है। अगर कोई सच्चाई या अपनी बात कहता है तो तमाम एजेंसियां ईडी और सीबीआई उसके पीछे लगा दी जाती हैं।

करणी सेना के नेता के सपा सांसद इकरा हसन पर दिए गए अभद्र बयान को सपा सांसद रुचि वीरा ने अनुचित नाकाबिले बर्दाश्त बताया और कहा कि उनके ऊपर कार्रवाई होनी चाहिए। मुख्यमंत्री को इस पर सख्त से सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। हम इस मुद्दे को संसद में उठाएंगे मैं भी एक महिला हूँ मैं इसकी निंदा करती हूँ और सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग करती हूं।

वहीं कांवड़ और मोहर्रम को लेकर दिए गए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान पर उन्होंने कहा कि एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को ऐसे बयान नहीं देने चाहिए ये देश सभी धर्मों के मानने वालों से जुड़ा हुआ एक गुलदस्ता है।

सपा सांसद ने कहा सीएम योगी को इस तरह का वक्तव्य नहीं देना चाहिए। किसी को किसी दूसरे के धर्म के बारे में गलत टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है और जो सबका साथ सब का विकास की बात करते हैं उन्हें तो खास तौर पर किसी एक धर्म के लोगों को टारगेट नहीं करना चाहिए। सपा सांसद ने कहा किसी को आहत करने वाले बयान नहीं देने चाहिए।

वाराणसी में रिश्वतखोर एई-जेई समेत तीन कर्मी पकड़े

एंटी करप्शन टीम ने मारा छापा, टीनशेड नहीं हटाने को मांगे थे 25 हजार

वाराणसी, 20 जुलाई (एजेंसियां)। वाराणसी में लगातार सवालों के घेरे में चल रही वाराणसी विकास प्राधिकरण के दो अधिकारी समेत एक कर्मचारी शनिवार को रिश्वत लेते दबोचे गए। तीनों कर्मचारियों ने अनधिकृत भोजनालय को नहीं तोड़ने के लिए 25 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी जिसे लेने के दौरान एंटी करप्शन की टीम ने दबोच लिया। उनके पास रिश्वत का पैसा बरामद हुआ। जोनल के सहायक अभियंता गौरव प्रकाश सिंह, जेई अशोक कुमार यादव और कर्मचारी मोहम्मद अनस को गिरफ्तार कर रामनगर थाने पर ले जाया गया। जहां पुलिस ने पूछताछ की तो सारा मामला खुल गया। तीनों पिछले दो महीने से ढाबे के टीन शेड को नहीं तोड़ने के लिए रुपए मांग रहे थे। कई बार वहां जाकर खा-पीकर लौट आए और कार्रवाई की धमकी दे रहे थे। रामनगर के रहने वाले अजय कुमार गुप्ता की शिकायत पर एंटी करप्शन की ट्रैप टीम ने जाल बिछाया और तीनों की गिरफ्तारी की कार्रवाई की।

'प्रशासन को भी शांत रहना चाहिए', कांवड़ियों के चालान काटने पर राकेश टिकैत ने दिया बयान

मुजफ्फरनगर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने कांवड़ यात्रा के दौरान प्रशासनिक कार्रवाई पर कड़ा एतराज जताया है। उन्होंने कहा कि एक तरफ सरकार धार्मिक आयोजनों को बढ़ावा देने की बात करती है। दूसरी ओर कांवड़ यात्रियों पर चालान काटे जा रहे हैं, जिससे आम जनता में डर का माहौल बन रहा है, प्रशासन को भी शांत रहना चाहिए। कांवड़ यात्रा में कांवड़ियों को जो सुविधाएं मिलनी चाहिए, वो नहीं मिल रही हैं। पुलिस-प्रशासन चालान काटने में लगा हुआ है।

हरिद्वार से शामली तक लाइन लगी हुई है चालान की। सोचिए, एक कांवड़ियां कितनी मेहनत करके आता है, कितना खर्च करता है, अपनी मोटरसाइकिल से आता है फिर भी चालान काटा जा रहा है। हमने कहा कि यह यात्रा शांति से चल रही है, तो प्रशासन को भी शांत रहना चाहिए। मुख्यमंत्री पुष्पवर्षा कर रहे हैं, और प्रशासन चालान पर चालान काट रहा है। ये दोनों बातें एक साथ कैसे चल सकती हैं? अगर सरकार चाहती है कि ये यात्रा शांतिपूर्वक निकले, तो अधिकारियों को भी वही करना चाहिए। क्यों वे जबरदस्ती अपने ऊपर विवाद मोल ले रहे हैं? कुछ बड़े चैनल दिखाते नहीं हैं कि बाहर डीजे बंद हैं। पिछली बार डीजे पर कंपटीशन हुआ, आपस में झगड़े हुए, गोली चली ये सब नहीं होना चाहिए।

यात्रा शांति से होनी चाहिए। दूसरा सबसे बड़ा मुद्दा है भारी वजन वाली कांवड़ इनका कोई मापदंड नहीं है कोई 50 किलो लेकर चल रहा है, कोई 80, कोई 131 किलो तक। एक कांवड़ हमें मिली जो 131 किलो की थी। उसमें कलश, लाठी, संरचना सब जोड़कर वजन 150 किलो तक पहुंच गया। अब सोचिए, कोई व्यक्ति 150 किलो लेकर चलेगा तो कैसे चलेगा? फिर महीनों तक अस्पताल में भर्ती रहता है। यह कोई वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता नहीं है।

इस पर एक नियम बनना चाहिए कि कोई भी अपने शरीर के वजन का अधिकतम 10-15% ही वजन ले जा सकता है। नहीं तो बच्चों की सेहत पर भारी असर पड़ेगा। कई युवा दो गुना वजन लेकर चल रहे हैं ये चिंता का विषय है। हर कोई अपनी श्रद्धा और भावना से कांवड़ लेकर आता है। किसी ने हमारे नाम से, किसी ने अटल बिहारी वाजपेयी जी के नाम से कांवड़ लाई थी। हर व्यक्ति की अपनी आस्था है, मन्नतें हैं, लेकिन ये भी ध्यान रखना चाहिए कि सुरक्षा और स्वास्थ्य भी जरूरी है।

'राहुल गांधी को पाकिस्तान की चिंता ज्यादा', किस बात पर भड़क गए डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य?

लखनऊ, 20 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) नेता केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधा है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने अपने बयान में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को लोकसभा में विपक्ष के हल्के नेता बताते हुए आरोप लगाया कि उन्हें भारत की चिंता से ज्यादा पाकिस्तान की फिक्र रहती है। इसके साथ ही डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की नीतियों पर भी सवाल उठाए हैं। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पर पोस्ट कर राहुल गांधी के 5 जहाजों का सच क्या है उस पोस्ट पर निशाना साधा है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा- ₹लोकसभा में विपक्ष के हल्के नेता राहुल गांधी को भारत की चिंता कम, पाकिस्तान की फिक्र ज्यादा रहती है। तभी ऑपरेशन सिंदूर की मार से पाकिस्तान से ज्यादा तो गांधी परिवार कराह रहा है।

सीएम योगी ने कांवड़ियों पर बरसाए फूल, दूधेश्वरनाथ मंदिर में की पूजा

लखनऊ, 20 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्राी योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कांवड़ियों पर फूल बरसाए। फूल बरसाने से पहले उन्होंने गाजियाबाद के दूधेश्वरनाथ मंदिर में पूजा भी की। इस दौरान उन्होंने हरिद्वार से गंगाजल लाने वालों का स्वागत करते हुए कहा कि कावड़ यात्रा में युवा हैं, बच्चे हैं, सब आस्था के साथ आगे बढ़ रहे हैं। इनका अभिनन्दन होना चाहिए। सीएम का कावंड़ियों पर फूल बरसाते हुए वीडियो भी सामने आया है। सीएम योगी ने मंच से कांवड़ियों पर फूल बरसाए। उन्होंने इससे पहले महाकुंभ जा रहे श्रद्धालुओं पर भी फूल बरसाए थे।

महाकुंभ का आयोजन इस साल की शुरुआत में यूपी के प्रयागराज में हुआ था। इस साल कांवड़ यात्रा की शुरुआत 11 जुलाई 2025 से हुई और यह यात्रा 23 जुलाई 2025 को सावन शिवरात्रि के दिन समाप्त होगी। इस दौरान शिव भक्त हरिद्वार, गौमुख, गंगोत्री आदि स्थानों से गंगाजल लेकर

अपने स्थानीय शिव मंदिरों में जलाभिषेक करते हैं।

बागपत जिला प्रशासन ने भी बरसाए फूल

बागपत में भी जिला प्रशासन ने कांवड़ियों पर फूल बरसाए हैं। इसका वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि हेलीकॉप्टर की मदद से गुलाब के फूल की पंखुड़ियां कांवड़ लेकर जा रहे लोगों पर बरसाई जा रही हैं। हालांकि, श्रद्धालुओं पर फल बरसाने का यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले यूपी सरकार ने कुंभ मेले में शामिल लोगों पर भी फूल बरसाए थे। पिछले साल भी कांवड़ियों पर फूल बरसाए गए थे। यूपी के कोंच में हज जा रहे जायरीनों पर भी हिंदू समाज के लोगों ने फूल बरसाए थे और कौमी एकता का संदेश दिया था।

पुलिस अधिकारियों ने दबाए कांवड़ियों के पैर

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में एक महिला पुलिस अधिकारी ने कांवड़ यात्रा पर निकले लोगों के पैर दबाए थे। इसका वीडियो भी सामने आया था। महिला पुलिस अफसर ऋषिका सिंह ने बाकायदा टेंट में बैठकर कांवड़ियों के पैर दबाएं और उनके दर्द को कम करने के लिए मरहम लगाई और दवाएं दी। यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने एक्स पर यह वीडियो शेयर करते हुए लिखा था, 'सेवा का भाव अच्छा है अगर उसके पीछे का भाव अच्छा है।'

सराय ख्वाजा में डीजे बजाने पर विवाद

सराय ख्वाजा इलाके में कांवड़ यात्रा के दौरान डीजे बजाने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया था। कांवड़िये डीजे बजाते हुए कांवड़ यात्रा निकाल रहे थे। इसी दौरान जुमे की नमाज भी हो रही थी। इसी बात को लेकर दोनों पक्ष आमने सामने आ गए। कांवड़ियों का आरोप है कि उनके साथ मारपीट की गई और जबरदस्ती डीजे बंद करवा दिया गया। फिलहाल पुलिस ने दूसरे समुदाय के तीन लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पतियों को अब डर लगता है

घर में प्रेमी के साथ पकड़ी गई पत्नी, पति ने पानी मांगा तो मिला दिया जहर

फतेहपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। देशभर से महिलाओं के संगीन अपराध के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। कभी नीले ड्रम तो कभी खाई से पतियों का शव मिल रहा है। इस बीच, उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले से भी एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। एक पत्नी ने अपने पति को जहर देकर मारने की कोशिश की। हालांकि, समय रहते इलाज मिलने से पति की जान बच गई। यह घटना राधानगर थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार, रितिक यादव और सुशीला यादव की शादी दो साल पहले हुई थी। दोनों राधानगर पावर हाउस के पास किराए के मकान में रहते थे। रितिक कानपुर में लोडर चालक का काम करता है। सुशीला के आग्रह पर रितिक उसे कानपुर ले जाकर रहने लगा। 16 जुलाई को रितिक जब अचानक घर लौटा, तो उसने अपनी पत्नी सुशीला को किसी अन्य पुरुष के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देखा। इसके बाद रितिक बिना कुछ कहे सुशीला को लेकर 17 जुलाई को वापस फ़तेहपुर आ गया। 18 जुलाई को जब रितिक ने पानी मांगा, तो सुशीला ने गुस्से में पानी में जहरीला पदार्थ मिलाकर उसे दे दिया। पानी पीने के बाद रितिक की हालत बिगड़ गई। पड़ोसियों ने तुरंत रितिक की मां रजनी यादव को इसकी सूचना दी। रजनी यादव मौके पर पहुंचीं और अपने बेटे को निजी अस्पताल ले गईं, जहां समय पर इलाज मिलने से रितिक की जान बच गई। घटना के बाद से आरोपी पत्नी सुशीला फरार है। रितिक की मां रजनी यादव ने राधानगर थाना प्रभारी को शिकायत दी है। हालांकि, शिकायत दिए जाने के बावजूद पुलिस ने अभी तक न तो मुकदमा दर्ज किया है और न ही आरोपी पत्नी को गिरफ्तार किया है।

इस्राइल में सड़कों पर उतरी भीड़

गाजा से बंधकों की वापसी के लिए ट्रंप से हस्तक्षेप करने की मांग

तेल अबीव, 20 जुलाई (एजेंसियां)। इस्राइल-हमास के बीच गाजा में करीब डेढ़ साल से चल रहे युद्ध को रोकने की मांग उठ रही है। समझौते की मांग को लेकर इस्राइल की जनता सड़कों पर उतर आई है। लोगों ने युद्ध विराम को लेकर समझौता करने की मांग की। लोगों ने कहा कि युद्ध समाप्त किया जाए और गाजा में बंद सभी 50 जीवित और मृत बंदियों को वापस लाया जा सके। साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को समझौते कराने के लिए हस्तक्षेप करना चाहिए। प्रदर्शनकारी हाथों में बैनर लिए हुए थे, जिस पर लिखा था कि ट्रंप को बड़ा समझौता कराना चाहिए। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका लगातार प्रयास कर रहा है कि गाजा में संघर्ष को खत्म करने के लिए सभी संबंधित पक्षों को एक टेबल पर लाया जा सके। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो यह संघर्ष और जटिल हो सकता है और इसका असर पूरे पश्चिम एशिया पर पड़ेगा। अमेरिका यह भी सुनिश्चित करना चाहता है कि गाजा में मानवीय संकट न बढ़े।

गाजा में इस्राइल और हमास के बीच जारी संघर्ष को लेकर दोहा में युद्ध विराम वार्ता चल रही है। हमास के प्रवक्ता ने शुक्रवार को कहा कि समूह अंतरिम युद्धविराम पर विचार नहीं करेगा। हमास के इज़्ज़ुद्दीन अल-क़स्साम ब्रिगेड के प्रवक्ता अबू उबैदा ने कहा कि हम चल रही वार्ता पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और आशा करते हैं कि इसमें एक मजबूत समझौता होगा, जो हमारे लोगों के खिलाफ युद्ध की समाप्ति, कब्जा करने वाली सेनाओं की वापसी और हमारे लोगों को राहत की गारंटी देगा।

जिस देश के पास है सबसे ज्यादा परमाणु बम बनाने वाला यूरेनियम

वो खुद क्यों हथियार नहीं बना पा रहा?

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया की बड़ी ताकतें इन दिनों दो चीजों को लेकर सबसे ज्यादा फिक्रमंद हैं- परमाणु हथियार और उसका सबसे अहम कच्चा माल, यूरेनियम। हालिया ईरान-इजराइल टकराव इसकी ताजा मिसाल है। 12 दिन तक चली इस जंग में इजराइल ने ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों को निशाना बनाया, क्योंकि उसे डर था कि ईरान परमाणु बम बनाने के बेहद करीब पहुंच चुका है। इस हमले के पीछे सिर्फ इजराइल की सुरक्षा नहीं, एक बड़ी सच्चाई छिपी थी। वो ये कि दुनिया जानती है कि जिसके पास यूरेनियम है, वही न्यूक्लियर ताकत बन सकता है। यूरेनियम, यानी वो धातु जिससे एक तरफ बिजली पैदा होती है, तो दूसरी तरफ वो बटन भी बनता है, जो पूरे शहर को चंद सेकंड में राख कर सकता है। अब जरा सोचिए, अगर किसी देश के पास दुनिया का सबसे बड़ा यूरेनियम भंडार हो, तो क्या वो खुद इसका इस्तेमाल नहीं करेगा? पर एक देश है जहां मामला एकदम उल्टा है। इस देश का नाम है ऑस्ट्रेलिया। ऑस्ट्रेलिया के पास दुनिया का सबसे ज्यादा यूरेनियम है, लेकिन न तो वहां कोई न्यूक्लियर पावर प्लांट है, न कोई परमाणु बम। ये वही देश है जो बाकी देशों को यूरेनियम बेचता है, पर खुद उससे न बिजली बनाता है, न हथियार। आखिर क्यों? आइए जानते हैं

दुनिया का सबसे बड़ा यूरेनियम भंडार

ऑस्ट्रेलिया के पास 1.68 मिलियन टन यूरेनियम है यानी जितना यूरेनियम पूरी दुनिया में है, उसका लगभग एक-तिहाई। फिर भी न तो वहां एक भी न्यूक्लियर पावर प्लांट है, न कोई परमाणु हथियार। सिर्फ इतना ही नहीं, ऑस्ट्रेलिया अपनी इस कीमती धातु को खुद इस्तेमाल नहीं करता, बल्कि 17% ऊर्जा निर्यात इसी यूरेनियम से करता है। यानी दूसरों को बेचता है।

कौन-कौन सी खानें हैं यूरेनियम की?

ऑस्ट्रेलिया में तीन बड़ी जगहों से यूरेनियम निकाला जाता है- ओलंपिक डैम, हनीमून और बेवर्ली-फोर माइल ।इनमें से फिलहाल ही चल रहे हैं। बाकी या तो बंद हो चुके हैं या फिर मेंटेनेंस मोड में हैं। 2022 में ऑस्ट्रेलिया ने 4,553 टन यूरेनियम का उत्पादन किया, जो कि दुनिया भर के कुल यूरेनियम उत्पादन का 8% है। वो दुनिया का चौथा सबसे बड़ा उत्पादक देश है।

तो ऑस्ट्रेलिया न्यूक्लियर पावर से दूर क्यों है?

इसकी वजह ऑस्ट्रेलिया का एंटी-न्यूक्लियर मूवमेंट है। 1970 के दशक से वहां आम लोग, एनवायरमेंटल ग्रुप्स और एक्टिविस्ट लगातार परमाणु ऊर्जा और हथियारों का विरोध करते आए हैं। खासकर इसलिए भी क्योंकि देश पहले से ही कोयले पर बहुत ज्यादा निर्भर है। 1972 में फ्रांस के परमाणु परीक्षण और फिर 1976-77 में ऑस्ट्रेलिया के अपने यूरेनियम खनन पर बवाल मचा। यूरेनियम खनन के खिलाफ आंदोलन और परमाणु ऊर्जा के खिलाफ अभियान जैसे संगठनों ने जमकर विरोध किया। सरकारें बदलीं, पॉलिसियां बदलीं, लेकिन जनता की सोच वही रही कि परमाणु नहीं चाहिए।

और बाकी दुनिया?

दुनिया में आज जिन देशों के पास न्यूक्लियर हथियार हैं, उनमें शामिल हैं अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस, ब्रिटेन, भारत, पाकिस्तान, इजराइल और उत्तर कोरिया। इन सभी देशों ने अपने-अपने तरीके से यूरेनियम को हथियारों में बदला है। लेकिन ऑस्ट्रेलिया? वो इस लिस्ट में नहीं है जबकि उसके पास सबसे ज्यादा कच्चा माल है।

शेख हसीना की मेहनत पर यूनुस ने एक साल में फेरा पानी

चरमरा गई बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था

ढाका, 20 जुलाई (एजेंसियां)। शेख हसीना के कार्यकाल के 15 साल बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था के लिए सुनहरे साल रहे हैं। लंबे समय तक बांग्लादेश को दक्षिण एशिया में आर्थिक प्रगति का एक शानदार उदाहरण माना जाता रहा है। इसने रेडीमेड गारमेंट क्षेत्र, धन प्रेषण, गरीबी उन्मूलन, मानव संसाधन विकास और बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में कई कामयाबी हासिल की और दुनिया में अपनी पहचान बनाई। हालांकि अब हालात बदलते दिखाई दे रहे हैं, हाल ही में जारी दो महत्वपूर्ण रिपोर्टों में कहा गया है कि अर्थव्यवस्था में पनप रहे गहरे संकट को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। विश्व बैंक के 'ग्लोबल फिन्डेक्स 2025' और राष्ट्रीय राजस्व बोर्ड (एनबीआर) के नए आकड़ों के मुताबिक, बांग्लादेश का वित्तीय समावेशन और राजस्व संग्रह चरमरा गया है। यह देश की समग्र आर्थिक स्थिरता और सतत विकास के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है।

यूनस सरकार को अभी पूरा एक साल भी नहीं हुआ और बांग्लादेश से ऐसी रिपोर्ट्स सामने आ रही है। कानून व्यवस्था के बुरे हाल के साथ-साथ अर्थव्यवस्था का भी बुरा हाल हो गया है। जबकि यूनुस ने चीन और पाकिस्तान से रिश्ते बना अपनी नई पॉलिसी के तहत बांग्लादेश को नई मजबूती देने की कोशिश की है, पर वह नाकाम होती दिख रही है। विश्व बैंक की नई 'ग्लोबल फिन्डेक्स रिपोर्ट' कहती है कि 2024 में बांग्लादेश की 15 साल और उससे ज्यादा उम्र की सिर्फ 43 फीसद आबादी के पास बैंक या मोबाइल मनी खाता है, जो 2021 में 53 फीसद से कम है। यानी, तीन सालों की अवधि में वित्तीय समावेशन दर में 10 अंकों की गिरावट आई है। बता दें कि वैश्विक वित्तीय समावेशन में बढ़ोतरी देखने मिली है। 141 देशों में से ज्यादातर में औसत बैंक खाता एंट्री दर 74 फीसद से बढ़कर 79 फीसद हो गई है। दक्षिण एशिया में बांग्लादेश की स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर है।

भारत की बैंक समावेशन दर 89 फीसद है और श्रीलंका की 80 फीसद से ऊपर। बांग्लादेश इस लिस्ट में सिर्फ पाकिस्तान से आगे है। विश्व बैंक ने यह भी बताया कि मोबाइल वित्तीय सेवाओं (एमएफएस) या मोबाइल मनी खाताधारकों की दर में भी गिरावट आई है। यह 2021 में 29 फीसद से घटकर 2024 में 20 फीसद हो गई। बैंकों या वित्तीय संस्थानों में खाताधारकों की दर भी 24 फीसद से घटकर 23 फीसद हो गई है।

कोरबा में अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की मौत

कोरबा, 20 जुलाई (एजेंसियां)। कोरबा जिले में दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। पहला हादसा कोरबा-चांपा मार्ग पर हुआ, जिसमें एक अधिवक्ता की मौत हो गई। वहीं, दूसरा हादसा बांकी मोंगरा थाना इलाके में हुआ। यहां राखड़ से भरे वाहन ने एक शख्स को इतनी बुरी तरह कुचल दिया। हादसे में उसका सिर धड़ से अलग हो गया। कोरबा-चांपा मार्ग पर ग्राम उरगा से करीब 200 मीटर आगे हुए एक सड़क हादसे में अधिवक्ता नरेंद्र जायसवाल की मौत हो गई। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर वे सड़क पर गिर पड़े और उनके सिर के ऊपर से वाहन का पहिया गुजर गया। घटना स्थल पर ही उनकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, अधिवक्ता नरेंद्र जायसवाल (57) उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम अंजोरीपाली भैसमा के निवासी थे। वह हर दिन अंजोरीपाली से जिला न्यायालय कोरबा आना-जाना किया करते थे। शनिवार को भी न्यायालय में कामकाज निपटा कर रात 10 बजे घर लौट रहे थे कि रास्ते में अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए।

डेल्टा एयरलाइंस की उड़ती फ्लाइट डीएल-446 के इंजन में लगी आग, लॉस एंजिलिस में आपात लैंडिंग

लॉस एंजिल्स, 20 जुलाई (एजेंसियां)। डेल्टा एयरलाइंस की फ्लाइट डीएल-446 के इंजन में उड़ान भरते समय अचानक आग लग गई। इससे यात्रियों में अफरातफरी मच गई। आरटी की खबर के अनुसार यह उड़ान लॉस एंजिलिस इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एल एक्स) से अटलांटा के लिए रवाना हुई थी। मगर सभी यात्रियों की जान उस समय खतरे में आ गई जब उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद इसके बाएं इंजन में आग लग गई। यह विमान बोइंग 767-400 था, जिसका पंजीकरण नंबर एन836एमएच है। जैसे ही विमान ने ऊंचाई पकड़ी। उसी दौरान ग्राउंड पर मौजूद लोगों ने इंजन से निकलती लपटों को देखा और उसे कैमरे में रिकॉर्ड कर लिया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो में इंजन से जोरदार चिंगारियां और आग की लपटें साफ़ देखी जा सकती हैं। आग लगते ही विमान की लॉस एंजिलिस एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। आग की सूचना मिलते ही पायलट ने तुरंत 'मई दिवस' घोषित किया और एयर ट्रैफिक कंट्रोल को सूचित कर दिया। विमान को सुरक्षित रूप से मोड़कर वापसी की प्रक्रिया शुरू की गई।

नियंत्रित तरीके से उड़ान का रुख बदला गया। ताकि आपात लैंडिंग के लिए आवश्यक तैयारी की जा सके। इसके बाद विमान ने सावधानीपूर्वक रनवे पर लैंडिंग की, जिसके बाद आपातकालीन फायर एंड रेस्क्यू टीम ने तुरंत इंजन की आग को बुझा दिया। इस प्रकार पायलट की सतर्कता से विमान में सवार सभी 226 यात्रियों और 9 क्रू सदस्यों की जान बच गई। किसी को कोई चोट नहीं आई।

घटना की जांच शुरू

विमान के इंजन में आग कैसे लगी, इस बारे में अभी कोई कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। इसका पता लगाने के लिए फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने घटना की जांच शुरू कर दी है। यह डेल्टा एयरलाइंस के लिए इस वर्ष की दूसरी ऐसी घटना है, जिसमें इंजन की तकनीकी खराबी सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार विमान लगभग 25 साल पुराना है और इसमें दो जीईसीएफ6 इंजन लगे हैं। कुछ यात्रियों ने बताया कि पायलट ने लैंडिंग से पहले सूचित किया था कि फायर क्रू इंजन की आग पर नियंत्रण पा चुके हैं। एक वायरल वीडियो में एक यात्री की प्रतिक्रिया सुनाई देती हैः "ओह, वो देखो। वाह!!" लैंडिंग के बाद विमान को टैक्सी (टोचन) करके जांच के लिए अलग स्थान पर खड़ा कर दिया गया।

वियतनाम में तूफान का कहर, पर्यटकों से भरी नाव पलटी, 34 लोगों की मौत

हनोई, 20 जुलाई (एजेंसियां)। वियतनाम में पर्यटन स्थलों की सैर के दौरान अचानक आए तूफान के कारण पर्यटकों की एक नौका पलट गई, जिसमें 34 लोगों की मौत हो गई। खबरों के अनुसार, वंडर सी नाव 48 यात्रियों और चालक दल के पांच सदस्यों को लेकर प्रमुख पर्यटन स्थल हा लॉन्ग बे की यात्रा पर थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बचावकर्मियों ने 11 लोगों को बचा लिया और नाव पलटने वाली जगह से शवों को बरामद किया। रिपोर्ट के अनुसार, तेज हवाओं के कारण नाव पलट गई। बचाए गए लोगों में 14 साल का एक लड़का भी शामिल था, जिसे पलटी हुई नाव में फंसने के चार घंटे बाद बचा लिया गया। रिपोर्ट ने बताया कि अधिकतर यात्री देश की राजधानी हनोई से आए पर्यटक थे, जिनमें लगभग 20 बच्चे भी शामिल थे। एक तूफान भी इस क्षेत्र की ओर बढ़ रहा है। राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, तूफान विफा के अगले हफ्ते वियतनाम के उत्तरी क्षेत्र, जिसमें हा लॉन्ग बे का तट भी शामिल है, से टकराने की आशंका है।

रेस्क्यू टीम ने 11 लोगों को बचा लिया है। पहले कहा गया था कि 12 लोगों को बचाया गया है, लेकिन बाद में इस आंकड़े को संशोधित कर 11 कर दिया गया। कई मीडिया रिपोर्ट्स में 23 लोगों के लापता होने की भी खबरें हैं। सभी मृतकों की लाशें घटनास्थल से ही बरामद हुईं। बचे हुए लोगों में से एक 14 साल का लड़का भी शामिल है। उसे पलटी हुई नाव के भीतर फंसे रहने के चार घंटे बाद बचाया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ज्यादातर पर्यटक राजधानी हनोई के रहने वाले थे। इसमें से करीब 20 बच्चे थे। वहीं वियतनाम के मौसम विभाग ने उष्णकटिबंधीय तूफान की चेतावनी भी जारी की है, जो लगातार क्षेत्र की ओर बढ़ रहा है। मौसम विभाग ने कहा है कि तूफान विफा अगले हफ्ते हा लॉन्ग बे के तट सहित वियतनाम के उत्तरी क्षेत्र से टकराएगा।

हेमंत सोरेन सरकार के इस प्लान से रांची को मिलेगी जाम से निजात, दी बड़ी सौगात

रांची, 20 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी रांची की जाम की समस्या को देखते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शहरवासियों को बड़ी सौगात दी है। उन्होंने अरगोड़ा चौक से कटहल मोड़ होते हुए चापू टोली तक एलिवेटेड फ्लाईओवर, करमटोली से मोराबादी होते हुए साइंस सिटी तक फ्लाईओवर और रांची रेलवे स्टेशन से बिरसा मुंडा एयरपोर्ट तक वैकल्पिक फोरलेन सड़क निर्माण की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। साथ ही रिंग रोड तक फोरलेन विस्तार की भी योजना को हरी झंडी मिल गई है। इन परियोजनाओं के तहत राजधानी की प्रमुख सड़कों को बेहतर बनाया जाएगा, जिससे न सिर्फ जाम की समस्या कम होगी, बल्कि यात्रा समय में भी कमी आएगी। खासकर पिक ऑवर यानी व्यस्त समय में घंटों फंसे रहने की परेशानी से आम लोगों को राहत मिलेगी। अरगोड़ा चौक-कटहल मोड़-चापू टोली के बीच बनने वाला एलिवेटेड फ्लाईओवर रांची के मध्य और दक्षिणी हिस्सों को जोड़ने का काम करेगा।

इस रूट पर ट्रैफिक का दबाव काफी अधिक होता है, जहां रोजाना हजारों वाहन गुजरते हैं। एलिवेटेड फ्लाईओवर से नीचे की सड़कों पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा और लोग बिना रुके आसानी से एक छोर से दूसरे छोर तक पहुंच सकेंगे। मोराबादी और साइंस सिटी जैसे इलाके जहां बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और आम नागरिक आते-जाते हैं, वहां अकसर ट्रैफिक की भारी समस्या होती है। करमटोली से साइंस सिटी तक फ्लाईओवर बनने से यह क्षेत्र सीधे फ्लाईओवर से जुड़ जाएगा और लोगों को जाम से राहत मिलेगी। रेलवे स्टेशन से एयरपोर्ट तक की मौजूदा सड़कें अक्सर व्यस्त रहती हैं। वैकल्पिक फोरलेन सड़क बनने से एयरपोर्ट जाने वाले यात्रियों को तेज और सुरक्षित रास्ता मिलेगा।

इससे शहर के दोनों प्रमुख ट्रांजिट प्वाइंट, रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट के बीच यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा। शहर की सीमा पर बने रिंग रोड को फोरलेन में विस्तारित करने से बाहर से आने वाले भारी वाहनों को शहर में प्रवेश करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, जिससे आंतरिक सड़कों का भार कम होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सभी परियोजनाओं का उद्देश्य रांची की यातायात व्यवस्था को सुगम, सुरक्षित और भविष्य के लिए सक्षम बनाना है। आने वाले वर्षों में राजधानी रांची को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में यह एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

पाकिस्तान में जलप्रलय, लगातार बारिश से 200 से ज्यादा लोगों की मौत और 560 घायल

इस्लामाबाद, 20 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में मानसून की बारिश ने भारी तबाही मचाई है। जून के आखिरी में मानसून की शुरुआत के बाद से 200 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है, जिसमें 100 बच्चे भी शामिल हैं। पाकिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के हवाले से दी है। पाकिस्तान के पंजाब में 123 मौतें, खैबर पख्तूनख्वा में 40, सिंध में 21, बलूचिस्तान में 16, इस्लामाबाद में 1 और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में 1 मौत हुई। हालांकि मौत के कारण अलग-अलग थे, लकिन बताया गया कि मकान ढहने से कम से कम 118 लोग, अचानक आई बाढ़ की वजह से 30 लोग मारे गए। इसके अलावा डूबने, बिजली गिरने और भूस्खलन की वजह से भी कई लोगों की मौत हुई।

भारी बारिश की वजह से 560 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं, जिसमें 182 बच्चे भी शामिल हैं। रावलपिंडी में आई अचानक बाढ़ ने घरों, सड़कों और बाजारों को अपनी चपेट में ले लिया और पूरे मोहल्ले जलमग्न हो गए। जल स्तर खतरनाक रूप से बढ़ गया। कुछ इलाकों में तो पानी छतों से ऊपर पहुंच गया, जिसकी वजह से लोगों को अपना घर छोड़क भागना पड़ा।

फैसलाबाद में भी भारी नुकसान हुआ है। यहां सिर्फ दो दिनों की घटनाओं में 11 लोगों की मौत हो गई और 60 लोग घायल हुए। ज्यादातर मौतें मकान ढहने की वजह से हुईं। चकवाल में बारिश के बाद कम से कम 32 सड़कें बह गईं। अगर यूएन न्यूज की हालिया रिपोर्ट की मानें तो पाकिस्तान में अभी और तबाही होनी बाकी है क्योंकि खैबर पख्तूनख्वा और गिलगित बाल्टिस्तान इलाकों में ग्लेशियर झील के फटने से बाढ़ आने की भी आशंका है।

पाक को फिर सताने लगा भारत के एयरस्ट्राइक का डर

23 जुलाई तक बंद कर दिया एयर स्पेस क्या पाक आर्मी कर रही एक्सरसाइज?

इस्लामाबाद, 20 जुलाई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले में शामिल लश्कर-ए-तैयबा के फ्रंट संगठन प्रतिरोध मोर्चा (टीआरएफ) पर अमेरिका द्वारा प्रतिबंध लगाए जाने के बाद पाकिस्तान में हलचल तेज हो गई है। भारत की संभावित एयर स्ट्राइक को लेकर पाकिस्तान सतर्क नजर आ रहा है। यही वजह है कि उसने अपनी एयरस्पेस में एक हफ्ते के लिए नोटम जारी कर दिया है। पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों के मुताबिक, 16 से 23 जुलाई तक सेंट्रल सेक्टर की एयरस्पेस पूरी तरह बंद रहेगी। वहीं 22 और 23 जुलाई को दक्षिणी पाकिस्तान की हवाई सीमा भी बंद की गई है। हालांकि आधिकारिक तौर पर इसे मिलिट्री एक्सरसाइज या मिसाइल परीक्षण बताया गया है। सूत्रों के मुताबिक, हाल ही में चीनी कार्गो विमानों की पाकिस्तान में आवाजाही देखी गई थी। इससे यह आशंका और मजबूत हो गई है कि चीन ने पाकिस्तान को नई सैन्य तकनीक, हथियार और एयर डिफेंस सिस्टम मुहैया कराए हैं।

पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाकिस्तान के रिश्तों में और तनाव आ गया है। पहलगाम में पर्यटकों पर हुए हमले में पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन टीआरएफ की संलिप्तता ने भारत को सख्त रुख अपनाने पर मजबूर किया। जवाबी कार्रवाई में ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने सीमापार आतंकियों के ठिकानों को निशाना बनाया। इस घटनाक्रम के बाद पाकिस्तान ने अपनी एयरस्पेस भारत के लिए बंद कर दी और सैन्य गतिविधियां तेज कर दी हैं। दोनों देशों के बीच संवाद लगभग ठप है और सीमा पर सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है, जिससे हालात और गंभीर हो गए हैं।

'द रेजिस्टेंस फ्रंट' पर अमेरिका ने लगाया प्रतिबंध

पहलगाम आतंकी हमले में शामिल लश्कर-ए-तैयबा के फ्रंट संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगा दिया है। यह संगठन लश्कर की ही एक छिपी हुई शाखा है, जो जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता रहा है। अमेरिका के विदेश विभाग ने टीआरएफ को ग्लोबल टेरर ऑर्गनाइजेशन घोषित कर इसकी संपत्तियां जब्त करने और अमेरिकी नागरिकों के साथ किसी भी लेनदेन पर रोक लगाने का फैसला किया है। यह कदम ऐसे समय आया है जब भारत टीआरएफ की भूमिका को लेकर लगातार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सबूत देता रहा है। इससे पाकिस्तान पर कूटनीतिक दबाव और बढ़ेगा।

खुद दी मौत को दावत? मेटल चेन पहन एमआरआई रूम में घुसा शख्स, मशीन ने खींचकर तोड़ दी हड्डी पसली

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में 61 साल के शख्स की उस वक्त दर्दनाक मौत हो गई, जब स्कैनिंग के दौरान एमआरआई रूम में घुस गया। इस शख्स ने गले में मोटी सी मेटल की चेन पहनी हुई थी, जिसकी वजह से मशीन ने उसे अंदर की ओर खींच लिया। गंभीर चोट आने की वजह से शख्स की मौत हो गई। नासाउ काउंटी पुलिस विभाग के मुताबिक, यह घटना न्यूयॉर्क के वेस्टबरी स्थित एक मेडिकल बिल्डिंग में घटी। पुलिस ने बयान में कहा कि यह व्यक्ति स्कैनिंग के दौरान एमआरआई रूम में घुस गया था। पुलिस ने कहा, पीड़ित ने गले में मोटी मेटल की चेन पहनी हुई थी, जिसकी वजह से वो मशीन की चपेट में आ गया। शख्स की पहचान कीथ मैकएलिस्टर के रूप में हुई। दरअसल, एमआरआई मशीनें डिटेल इमेज बनाने के लिए एक प्रबल चुंबकीय क्षेत्र का इस्तेमाल करती हैं। स्कैनिंग से पहले मरीजों को सलाह दी जाती है कि वे गहने या फिर कोई भी मेटल की चीज उतार कर ही एमआरआई रूमें प्रवेश करें।

13 लाख अफगानियों पर आफत के बादल! पाकिस्तान ने ले लिया इतना बड़ा फैसला

इस्लामाबाद, 20 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान सरकार ने अफगान शरणार्थियों को लेकर एक बड़ा फैसला लिया है। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी का कहना है कि सरकार अफगान शरणार्थियों के पंजीकरण प्रमाण (पीओआर) की अवधि को नहीं बढ़ाएगी। यह जानकारी शनिवार को एक मीडिया रिपोर्ट के जरिए दी। मंत्री नकवी ने कहा कि जिन अफगान शरणार्थियों को अब पाकिस्तान से निर्वासित किया जा रहा है, उन्हें वापस से पाकिस्तान में प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी। उन्हें काली सूची में डाल दिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह एक व्यापक राष्ट्रीय नीतिगत बदलाव का हिस्सा है। जानकारी के अनुसार, वर्तमान समय में पाकिस्तान में 13 लाख से भी ज्यादा अफगान शरणार्थी हैं, जिनके पास संयुक्त शरणार्थी उच्चायोग और पाकिस्तान सरकार की तरफ से जारी किए गए पीओआर कार्ड हैं। ये कार्ड उन्हें पाकिस्तान में रहने के लिए अस्थायी कानूनी दर्जा प्रदान करते हैं। इन कार्ड की अवधि 30 जून को समाप्त हो गई है, जिसकी वजह से यह अफगान शरणार्थियों के लिए एक चिंता का विषय बना हुआ है।

2023 में शुरू किया गया था अभियान

पाकिस्तान ने 2023 में सभी अवैध विदेशियों को देश से निष्कासित करने के लिए एक अभियान शुरू किया था। लेकिन उनका पूरा ध्यान अफगान शरणार्थियों को देश से निकालने पर टिक गया है। अधिकारियों ने बताया की अब तक 11 लाख से भी अधिक विदेशी शरणार्थियों को देश से निष्कासित किया जा चुका है, जिसमें से 8 लाख से भी अधिक केवल अफगान शरणार्थी हैं।

प्रूफ ऑफ रजिस्ट्रेशन (पीओआर) कार्ड एक तरह का पहचान दस्तावेज है जो पाकिस्तान में रहने वाले अफगान शरणार्थियों को दिया जाता है। यह कार्ड अफगान शरणार्थियों को पाकिस्तान में रहने के लिए कानूनी मान्यता देता है। इसकी मदद से अफगान शरणार्थियों को पाकिस्तान सरकार की तरफ से दी जाने वाली सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं दी जाती हैं। इस कार्ड की एक सीमा अवधि होती है। इस अवधि के पूरा होने पर कार्ड को रिन्यू करवाया जाता है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 21 जुलाई - 2025

बिहार में अपराधों की बहार है

बिहार में विधानसभा चुनाव की तारीख ज्यों-ज्यों नजदीक आती जा रही है त्यों-त्यों अपराधों की बहार भी आती जा रही है। सुशासन बाबू के शासन में बेकाबू अपराधी आए दिन हत्या व राहजनी कर दहशत फैला रहे हैं। हद तो तब हो गई जब राजधानी पटना के एक सबसे बड़े प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती गैंगस्टर की दिनदहाड़े 5 शूटर्स ने हत्या कर दी। इस वारदात को जिसने भी सुना वही सन्न रह गया। हर जुबान पर बस एक ही बात कि बिहार में कानून-व्यवस्था का डर खत्म हो चुका है। पिछले एक पखवाड़े में एक के बाद एक आपराधिक घटनाओं ने नीतीश कुमार सरकार के सामने कड़ी चुनौती पेश की है। यह सब तब हो रहा है जब होम मिनिस्ट्री भी नीतीश कुमार के ही पास है। इसलिए विपक्ष का सीधे उन पर ही अंगुली उठाना लाजमी है। बहरहाल, पारस फाइव स्टार हॉस्पिटल में जिसकी हत्या हुई, वह खुद हत्या के मामले में जेल में बंद था। हत्या के समय पर पैरोल पर बाहर आया हुआ था। खबरों के मुताबिक, इस वारदात में विरोधी गैंग के शामिल होने की आशंका व्यक्त की गई थी, जो सच साबित हुई। हत्या के सभी आरोपी कोलकाता से गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इस हत्या से एक बात तो सिद्ध हो गई है कि राज्य में संगठित अपराध फिर सिर उठाने लगा है। इसी महीने, 4 जुलाई को बिहार के बड़े व्यवसायी गोपाल खेमका की भी हत्या हुई थी। पुलिस जांच में पाया गया है कि उक्त हत्या भी भाड़े के शूटर्स ने किया था। दिलचस्प बात तो यह है कि नेशनल क्राइम रेकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों में अपराध के आंकड़े अन्य राज्यों के मुकाबले बिहार में काफी कम है। लेकिन जमीनी हकीकत साबित कर रहे हैं कि आंकड़ों की कहानी में सच्चाई दूर-दूर तक नहीं है। राज्य में ये अपराध तब हो रहे हैं, जब पूरा फोकस क्राइम कंट्रोल पर है। खेमका हत्याकांड के कुछ दिनों बाद ही पटना में बीजेपी नेता विक्रम झा की भी हत्या कर दी गई थी। इसके बाद एक वकील और शिक्षक को निशाना बनाया गया। यह सिलसिला कहां जा कर रुकेगा कहा नहीं जा सकता। बिहार पुलिस भी मान रही है कि हाल के दिनों में हत्याएं बढ़ी हैं। हालांकि एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी जो कारण गिनाते हैं, उन पर भरोसा करना मुश्किल है। उनके हिसाब से जून में ज्यादा वारदात होती हैं, क्योंकि मॉनसून आने के पहले तक किसान खाली बैठे रहते हैं। अधिकारियों की बहानेबाजी से आखिर क्राइम कंट्रोल कैसे कम होगा। एक बहाना यह भी मिल जाता है कि चुनावी साल की वजह से राजनीतिक दलों और मीडिया का फोकस इधर ज्यादा हो जाता है। जिससे इस तरह की घटनाएँ उजागर कर दी जाती हैं। देखा जाए तो बिहार में लॉ एंड ऑर्डर के मुद्दे के साथ हमेशा राजनीति का पहलू जुड़ा रहा है। राज्य के लोगों के जेहन में कई बुरी यादें हैं और राजनीतिक खेल में यह कोशिश होती है कि वे यादें कभी कमजोर न पड़ें। अभी तक इसका फायदा सीएम नीतीश कुमार को मिलता रहा है। नीतीश और बीजेपी ने हमेशा लालू-राबड़ी यादव के कार्यकाल को हमेशा 'जंगलराज' के तौर पर पेश कर चुनावी फायदा उठाया है। लेकिन, अब वही सवाल पलट कर उनसे आने लगे हैं। राज्य सरकार अपने बचाव में बार-बार दो दशक पुरानी बातें नहीं उठा सकती।

जंगलराज शब्द कभी विपक्ष का हथियार, अब सत्ता की बेबसी

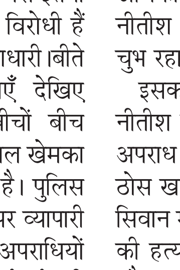

अजय कुमार

बिहार में 'जंगलराज' शब्द महज एक आरोप नहीं, बल्कि दशकों से सत्ता बदलने का सबसे कारगर हथियार रहा है। लालू-राबड़ी शासन के वक्त अगर कोई एक लाठी सबसे ज़्यादा चली तो वो थी जंगलराज के नाम की। नीतीश कुमार ने इसी के दम पर खुद को 'सुशासन बाबू' के तौर पर गढ़ा और एनडीए की गाड़ी को पटरी पर रखा। लेकिन आज वही जंगलराज फिर से चर्चा में है, फर्क बस इतना है कि बोलने वाले अब विरोधी हैं और चुप रहने वाले सत्ताधारी।बीते दो महीनों की घटनाएँ देखिए राजधानी पटना के बीचों बीच दिनदहाड़े कारोबारी गोपाल खेमका को गोली मार दी जाती है। पुलिस स्टेशन से कुछ ही दूरी पर व्यापारी का मर्डर बताता है कि अपराधियों को अब पुलिसिया कार्रवाई की परवाह नहीं रही। इससे पहले पारस अस्पताल में इलाजरत कुख्यात गैंगस्टर की हॉस्पिटल के अंदर घुसकर हत्या कर दी जाती है। पांच शूटर आते हैं, गोली मारते हैं और आराम से भाग जाते हैं। अस्पताल में सुरक्षा गार्डों की भी हिम्मत नहीं होती और पुलिस पहुँचने से पहले बदमाश फरार हो जाते हैं। बाद में पुलिस ताबड़तोड़ गिरफ्तारी दिखा कर अपनी पीठ थपथपा लेती है, मगर आम लोग सवाल पूछते हैं क्या यही सुशासन है? नीतीश कुमार के लिए ये हालत कितनी मुश्किल हैं, इसका अंदाज़ा इसी से लगाइए कि जो जंगलराज कभी उनके भाषणों का स्थायी हिस्सा था, वो अब कहीं सुनाई नहीं देता। 18 जुलाई को मोतिहारी में पीएम मोदी की विशाल रैली में भी जंगलराज शब्द मंच से गायब रहा। जबकि यही मंच कभी लालू-राबड़ी शासन को घेरने का सबसे बड़ा हथियार होता था। मोतिहारी में प्रधानमंत्री ने बड़ी-बड़ी परियोजनाओं की सौगात दी, विकास के आंकड़े गिनाए, लेकिन बिहार की सड़कों पर पसरी दहशत पर कुछ नहीं कहा।अब सवाल उठता है कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि जंगलराज का जिक्र सत्ता पक्ष के लिए बोझ बन गया? दरअसल ये शब्द अब बूमरैंग बन चुका है। विपक्ष इसे लालू यादव के बीते दौर के बजाय नीतीश के मौजूदा कार्यकाल से जोड़ रहा है। तेजस्वी यादव बार-बार कह रहे हैं कि जब हर रोज़ मर्डर हो रहे हैं, अस्पतालों में गैंगवार हो रहा है, व्यापारी कत्ल हो रहे हैं तो ये जंगलराज किसका है? सोशल मीडिया पर तेजस्वी ने लिखा 'गुंडे सम्राट बन बैठे हैं और पुलिस अधिकारी बेबस रंक।' यही तंज नीतीश सरकार को सबसे ज़्यादा चुभ रहा है।

इसका बड़ा कारण यह भी है कि नीतीश सरकार के पास फिलहाल अपराध पर सख्त कार्रवाई का कोई ठोस खाका नजर नहीं आ रहा है। सिवान में एक ही रात में तीन लोगों की हत्या, नालंदा में दोहरी हत्या और पटना में खुलेआम गैंगवार ये सब अलग-थलग घटनाएँ नहीं हैं। ये हालात सरकार की कमजोर पकड़ और पुलिस प्रशासन के ढीले रवैये को दिखा रही हैं। डीजीपी ने हाल ही में कहा कि खेती-किसानी के खाली समय में बेरोजगारी के कारण अपराध बढ़ रहे हैं। सवाल यह है कि अगर अपराध बेरोजगारी से बढ़ रहे हैं तो बीते बीस साल में सरकार ने रोजगार देने के लिए कौन-सी ठोस नीति अपनाई? ऊपर से पुलिस के बड़े अधिकारी अब किसानों को अपराध का कारण बताकर बचना चाहते हैं और विपक्ष इसी बयान को जनता के बीच भुनाने में लगा है।

दूसरी तरफ बीजेपी भी उलझन में है। जंगलराज शब्द छेड़ने पर बिहार के वोटर सवाल पूछेंगे कि जब करीब डेढ़ दशक तक आप सत्ता में हिस्सेदार रहे, तो फिर हालात क्यों बिगड़ गए? यही वजह है कि पीएम मोदी ने भी लालू परिवार पर भ्रष्टाचार के वार तो किए, लेकिन जंगलराज की लाठी निकालने से बचते दिखे। एनडीए की पूरी रणनीति अब विकास योजनाओं और केंद्र की सौगातों पर टिकी है ताकि लोग अपराध की बात भूल जाएँ। पर क्या वाकई लोग भूल जाएंगे?

इंडिया गठबंधन से आप द्वारा नाता तोड़ने के सियासी मायने

कमलेश पांडेय

कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन से दिल्ली की मूल क्षेत्रीय पार्टी 'आप' (अब राष्ट्रीय पार्टी) यानी आम आदमी पार्टी के द्वारा नाता तोड़ने के सियासी मायने भारतीय राजनीति के लिए बेहद अहम हैं क्योंकि इससे भाजपा नीत एनडीए और कांग्रेस नीत यूपीए (इंडिया गठबंधन) के मुकाबले निस्तेज होते क्षेत्रीय दलों के संगठन थर्ड फ्रंट (टीएफ) यानी तीसरे मोर्चे की सियासत में पुनः जान आ जाएगी। समझा जाता है कि नेशनल प्लान फेल होने के बाद अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी ने अब एकला चलो का नारा दे दिया है तो उसके पीछे जड़ों की ओर लौटकर लोकल फोकस की रिवाइवल स्ट्रैटेजी भी वजह मानी जा रही है।

यह बात इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि भारत के विभिन्न राज्यों में ऐसे कई क्षेत्रीय दल मौजूद हैं जो कांग्रेस और भाजपा से एक समान दूरी बनाए रखने के पक्षधर रहे हैं हालांकि राजनीतिक मजबूरीवश और अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वियों को मात देने के लिए उन्होंने पहले एनडीए, फिर यूपीए का साथ दिया और अपनी सुविधा के मुताबिक गठबंधन बदलते रहे। वहीं, कुछ ऐसे भी दल हैं जो राष्ट्रवाद के चलते भाजपा के खेमे में और धर्मनिरपेक्षता के कारण कांग्रेस के खेमे में बने रहते हैं। राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि भाजपा और कांग्रेस पूंजीपतियों की समर्थक पार्टियां हैं। इनका देशव्यापी सियासी आधार भी मजबूत है। चूंकि ये दोनों पार्टियां समय मिलते ही अपने गठबंधन सहयोगियों को निगलने की फिराक में रहती हैं, इसलिए क्षेत्रीय दल भी खुलकर इनके साथ जाने से परहेज करते हैं, जबकि राजनीतिक मजबूरीवश इनमें से किसी एक का या परिस्थितियों वश दोनों का साथ देने को ततपर रहते हैं, बशर्ते कि गिव एंड टेक की बात पक्की हो जाए। वहीं, इसमें नानुकूर होते ही मेढ़क कूद लगाने से परहेज भी नहीं करते हैं।

समझा जाता है कि अधिकांश क्षेत्रीय दलों का जन्म पहले कांग्रेस विरोध के नाम पर हुआ है, जिन्होंने पहले जनसंघ और फिर भाजपा को मजबूत किया। लेकिन जैसे ही भाजपा ने काँग्रेस विरोधी केंद्रीय मोर्चे की तीन-तीन बार विफलता देखी, उसके बाद उसने आगे बढ़कर कांग्रेस विरोधी केंद्रीय मोर्चे को नेतृत्व देना शुरू किया, जिसमें उसे प्रारंभिक असफलता के बाद भरपूर सफलता मिली और देश-प्रदेश में तीसरे मोर्चे की सियासत की राजनीतिक अर्थी उठने लगी।

यही वजह है कि संसद के मॉनसून सत्र से पहले आहूत 'इंडिया' गठबंधन की बैठक से पहले ही आम आदमी पार्टी ने इससे अलग होने का ऐलान कर दिया जिससे तीसरे मोर्चे के पक्षधर नेताओं की बाछें खिल उठीं। बता दें कि 'इंडिया' गठबंधन ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के मुद्दे पर संसद का विशेष सत्र बुलाने के लिए संयुक्त पत्र लिखा था। इसलिए बैठक से ठीक पहले 'इंडिया' गठबंधन से आम आदमी पार्टी का अलग होना विपक्ष की सियासत के लिए एक मजबूत झटका माना जा रहा है।

वहीं, इस अप्रत्याशित पहल से इस बात की सियासी उम्मीद भी जगी है कि अन्य राज्यों में भी कांग्रेस से राजनीतिक मोलभाव करने वाले क्षेत्रीय दलों का मनोबल बढ़ेगा और वे भी इंडिया गठबंधन से अपना नाता तोड़ते चले जाएंगे। खासकर यूपी में समाजवादी पार्टी, बिहार में राजद, पश्चिम बंगाल में टीएमसी, महाराष्ट्र में एनसीपी, जम्मू-कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस, तमिलनाडु में डीएमके आदि के साथ कांग्रेस का गठबंधन टूटने के आसार प्रबल हैं।

बता दें कि लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने मिलकर चुनाव लड़ा था हालांकि इसकी भारी कीमत आप ने दिल्ली की अपराजेय सत्ता गंवा कर चुकाई। दिलचस्प तो यह है कि जब आप ने कांग्रेस से ही दिल्ली और पंजाब की सत्ता छीनी थी तो फिर उसने कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल होने की गलती क्यों की? तो इसका जवाब होगा कि आप नेताओं पर भाजपा के कसते शिकंजे के व्यापक प्रभाव से बचने के लिए आप रणनीतिकारों ने बचकाना राजनीतिक फैसला किया था, जिसमें अब भूल सुधार करके उन्होंने अपनी राजनीतिक परिपक्वता दिखाई है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने एक समाचार एजेंसी के साथ बातचीत में दो टूक ऐलान किया है कि आम आदमी पार्टी अब इंडिया गठबंधन का हिस्सा नहीं है। वहीं, उनकी इस टिप्पणी की टाइमिंग पर भी गौर फरमाया जाने लगा है क्योंकि संजय सिंह की टिप्पणी ऐसे समय पर आई है, जब शनिवार यानी 19 जुलाई को संसद के मॉनसून सत्र से पहले 'इंडिया' गठबंधन की बैठक होनी थी। दरअसल, इससे पहले 'इंडिया' गठबंधन ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के मुद्दे पर संसद का विशेष सत्र बुलाने के लिए संयुक्त पत्र लिखा था।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आम आदमी पार्टी ने तब भी विपक्षी दलों के इस फ़ैसले से किनारा कर लिया था और अब तो स्पष्ट ऐलान भी कर चुकी है। पार्टी ने इसके लिए कांग्रेस को ज़िम्मेदार ठहराया है। जानकारों का स्पष्ट कहना है कि आप ने 'इंडिया' गठबंधन से बाहर निकलने का फ़ैसला लोकसभा चुनाव में असफलता, रणनीतिक मतभेदों और दिल्ली विधानसभा चुनावों में मिली अप्रत्याशित हार से उपजी अन्य महत्वाकांक्षाओं के कारण लिया है जिसमें 2027 में पंजाब में अपनी सरकार बचाने और आगामी गुजरात विधानसभा के दौरान अपनी सियासी स्थिति और मजबूत बनाने का सियासी स्वप्न की शामिल हैं।

विस्मय की बात तो यह है कि संजय सिंह के बयान में कांग्रेस के प्रति एकतरफा नाराज़गी साफ़ देखी जा सकती है। उनका कहना है कि, इंडिया गठबंधन अपनी बैठक करके जो निर्णय करना चाहता है वह ले क्योंकि इंडिया गठबंधन कोई बच्चों का खेल नहीं है। आप बताइए, उन्होंने लोकसभा चुनाव के बाद कोई मीटिंग की है? उस गठबंधन को आगे बढ़ाने की कोई पहल की? वहीं, गठबंधन में कांग्रेस की भूमिका पर सवाल उठाते हुए संजय सिंह ने कहा है कि कभी अखिलेश यादव के ख़िलाफ़ कोई टिप्पणी, कभी उद्धव ठाकरे के ख़िलाफ़ टिप्पणी, कभी ममता बनर्जी के ख़िलाफ़ कोई टिप्पणी! हैरतअंगेज है।

उन्होंने सवालिया लहजे में पूछा है कि इंडिया गठबंधन जिस रूप में एकजुट होकर चलना चाहिए था, उसका सबसे बड़ा दल कौन है? कांग्रेस पार्टी है। कांग्रेस पार्टी ने सबसे बड़े दल की भूमिका निभाई क्या? सबसे बड़ा सवाल यह है। हालांकि, कांग्रेस नेता उदित राज ने अरविंद केजरीवाल और उनकी आम आदमी पार्टी पर एक बार फिर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस के कारण ही 'आप' का जन्म हुआ। इसलिए अब पुनः अरविंद केजरीवाल फिर से बाहर से भाजपा की मदद कर सकते हैं। वह दलित विरोधी हैं और सामाजिक न्याय के भी खिलाफ हैं।

उदित राज ने 'आप' सांसद संजय सिंह के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आप का जन्म भाजपा और आरएसएस की वजह से हुआ। अन्ना हजारे एक व्यक्ति थे और अरविंद केजरीवाल का एक एनजीओ था लेकिन पर्दे के पीछे से ताकत देने वाले बीजेपी, आरएसएस, बजरंग दल, वीएचपी और एबीवीपी थे। बीजेपी ने उन्हें एक सजाया-संवारा आंदोलन और मंच दिया और इस तरह उनका (आप) जन्म हुआ। इसलिए 'आप' की विचारधारा बीजेपी और आरएसएस की है। अरविंद केजरीवाल दलित विरोधी हैं और सामाजिक न्याय के भी विरोधी हैं। लिहाजा, हमारी विचारधाराएं मेल नहीं खातीं, लेकिन संविधान बचाने के लिए हम साथ आए। अब यह उन पर निर्भर है कि वे गठबंधन छोड़ना चाहते हैं या नहीं। हो सकता है कि वे फिर से बीजेपी की बाहर से मदद करें। हो सकता है कि वे भविष्य में फिर से इंडिया अलायंस में शामिल हों लेकिन उनके हटने का मतलब यह नहीं है कि इंडिया अलायंस कमजोर हो गया है। वहीं, कांग्रेस पर वार करते हुए 'आप' सांसद संजय सिंह ने बताया कि आम आदमी पार्टी साल 2011 में हुए अन्ना आंदोलन की उपज है, जो उस समय की कांग्रेस सरकार के ख़िलाफ़ भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन था। पार्टी ने ख़ुद को बीजेपी और कांग्रेस दोनों से अलग, एक नई और ईमानदार राजनीतिक ताक़त के तौर पर पेश किया। लेकिन 2024 में 'इंडिया' गठबंधन में शामिल होने के बाद आप का यह स्टैंड पीछे चला गया जिसमें वह बीजेपी और कांग्रेस दोनों से समान दूरी बनाए रखती थी। यह रणनीतिक समझौता पार्टी के लिए नुक़सानदायक साबित हुआ।

लोकसभा चुनावों में झटका लगने के बाद असली झटका 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में लगा, जो आप का सबसे मज़बूत गढ़ माना जाता था। 2015 और 2020 में 60 से ज़्यादा सीटें जीतने वाली पार्टी सिर्फ़ 22 सीटों पर सिमट गई। अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन जैसे बड़े नेता भी अपनी अपनी सीटें हार गए। आप ने हार के लिए कांग्रेस की सक्रिय भूमिका को एक बड़ा फ़ैक्टर बताया था, जबकि कांग्रेस का कहना था कि वह मज़बूती से विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए स्वतंत्र है।

बंगाल में महिलाओं पर अत्याचार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हड़काया

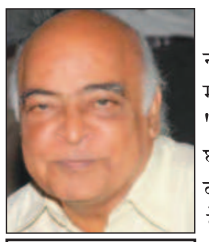

अशोक भाटिया

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बंगाल में महिलाओं के खिलाफ 'अत्याचार' की घटनाओं को उजागर करते हुए ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी सरकार पर निशाना साधा। दुर्गापुर में एक रैली को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने टीएमसी का नाम लिए बिना कहा कि एक पार्टी 'माँ, माटी और मानुष' की बात करती है, लेकिन महिलाओं के खिलाफ घटनाएं दर्द और गुस्सा भड़काती हैं।उन्होंने कहाकि जो पार्टी 'मां, माटी और मानुष' की बात करती है - उनके शासन वाले राज्य में बेटियों के साथ जो हो रहा है, उससे गुस्सा और दर्द होता है।।। पश्चिम बंगाल में बेटियों के लिए अस्पताल भी सुरक्षित नहीं हैं। एक महिला डॉक्टर के खिलाफ अत्याचार के बारे में सभी जानते हैं। दोषियों को दंडित करने के बजाय, टीएमसी सरकार ने उन्हें बचाना शुरू कर दिया। एक महिला के खिलाफ ऐसी ही एक और घटना एक कॉलेज में हुई, जिसका संबंध टीएमसी से है। टीएमसी के प्रमुख नेता और मंत्री दोषियों के बजाय पीड़ितों को ही दोषी ठहराना शुरू कर देते हैं।उन्होंने कहा हमारे लिए बंगाली गौरव सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। लेकिन पश्चिम बंगाल में क्या हो रहा है? टीएमसी ने अपने फायदे के लिए पश्चिम बंगाल की पहचान को खतरे में डाल दिया है। वे घुसपैठ को बढ़ावा दे रहे हैं और घुसपैठियों को फर्जी दस्तावेज हासिल करने में मदद कर रहे हैं। इसके लिए अब एक पूरा पारिस्थितिकी तंत्र विकसित हो गया है। यह बंगाली संस्कृति के लिए खतरा है। तुष्टिकरण के लिए टीएमसी ने सारी हदें पार कर दी हैं। पश्चिम बंगाल में, दुर्गा पूजा बड़े पैमाने पर मनाई जाती है, जहाँ महिलाओं को शक्ति और माँ के रूप में पूजा जाता है। इस भूमि में, ममता बनर्जी के रूप में एक महिला मुख्यमंत्री की शक्ति के बावजूद, क्रूर बलात्कार की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिनमें सत्तारूढ़ दल से जुड़ी घटनाएं भी शामिल हैं जो आपको इसके बारे में सोचने पर मजबूर करता है। हमारे कानून में भी कड़े प्रावधानों के बावजूद, समय पर सुनवाई, फैसले और सजा के निष्पादन की धीमी गति अक्सर अपराधियों को लाभ पहुंचाती है। अक्सर, मामलों की जांच में लंबा समय लगता है, न्यायिक प्रक्रिया में वर्षों की देरी होती है, और इस दौरान अपराधी या तो जमानत पर बाहर आ जाता है या उसके पास सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने का अवसर होता है। अपराधी के बचने के लिए कानून में सैकड़ों तरीके हैं। अपराधी इस बात को बेहतर समझते हैं। यही कारण है कि वे लगातार ऐसे गंभीर अपराध करने की हिम्मत करते हैं। फास्ट ट्रैक अदालतों की अवधारणा के बावजूद, ऐसे मामलों में न्याय तक त्वरित पहुंच अभी भी एक बड़ी चुनौती है। आज की दुनिया में, राजनीति और सत्ता का खेल अक्सर महिलाओं की रक्षा करने से ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है। संदेशखली इसका जीता-जागता उदाहरण है। राजनीतिक संरक्षण और अपराधियों को सजा देने में देरी के आरोप थे। वोट की राजनीति ने अपराधियों को बेखौफ बना दिया है। महिलाओं की सुरक्षा के प्रति राजनीतिक दलों का अविवेकी रवैया अपराधियों को और बढ़ावा दे रहा है। जब सत्ताधारी दल की ओर से बार-बार ऐसे मामले सामने आते हैं, तो आश्चर्य होता है कि क्या वास्तव में कानून का शासन स्थापित हो गया है। पुरुष अराजकतावादी विचारधारा महिलाओं की सुरक्षा पर हावी है, और आज समाज ने महिलाओं को शिक्षा की स्वतंत्रता और प्रगति का अवसर दिया है; लेकिन क्या आपकी मानसिकता वास्तव में बदल गई है? यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज भी हम पुरुष अराजकता की गुलामी से पूरी तरह से बाहर नहीं निकल पाए हैंः महिलाएं उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकती हैं और महत्वपूर्ण पदों पर कब्जा कर सकती हैं; लेकिन इसका क्या मतलब है अगर वे सड़क से कार्यस्थल तक हर जगह असुरक्षित हैं? छेड़छाड़, यौन उत्पीड़न और बलात्कार जैसी घटनाएं हमारी सोच में बड़े विरोधाभासों के प्रमाण हैं। एक तरफ हम महिलाओं को देवी मानते हैं और दूसरी तरफ हम आनंद की वस्तु हैं। दुर्गा माता और ममता दीदी की धरती पर हुए ये अपराध हमें आत्मनिरीक्षण करने के लिए मजबूर करते हैं। ये सिर्फ कानून व्यवस्था की समस्या नहीं है, बल्कि हमारी सामाजिक और नैतिक चेतना का सवाल है। आज हमें न सिर्फ कानूनों को मजबूत करना है बल्कि उनका तेजी से, प्रभावी कार्यान्वयन भी सुनिश्चित करना है। सबसे महत्वपूर्ण बात, हमें पितृसत्तात्मक मानसिकता को बदलना होगा और किसी भी स्थिति में महिलाओं की रक्षा करनी होगी। ऐसे सवालों का संतोषजनक जवाब तब तक नहीं मिलेगा जब तक समाज का हर वर्ग, हर व्यक्ति इस दिशा में काम नहीं करता। हाल के दिनों में पश्चिम बंगाल में बलात्कार के तीन मामले सामने आए। बड़ी घटनाओं ने न केवल कानून और व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाए हैं, बल्कि राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पार्टी के राजनीतिक ढांचे पर भी सवाल उठाए हैं, इन मामलों में शामिल कई आरोपी सीधे या तृणमूल कांग्रेस से जुड़ी छात्र राजनीति से बाहर आए हैं। जून 2025 में, एक प्रतिष्ठित लॉ कॉलेज के छात्र के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया, जिससे पूरे राज्य में आक्रोश फैल गया। कॉलेज के वरिष्ठ छात्र को मोनोजीत मिश्रा ने धोखा दिया और बाद में उसके दोस्तों प्रमित मुखोपाध्याय और जैब अहमद के साथ योजनाबद्ध तरीके से बलात्कार किया। इतना ही नहीं, बल्कि वीडियो रिकॉर्डिंग भी की गई। जिसका इस्तेमाल पीड़िता को ब्लैकमेल करने के लिए किया जाता था। जांच में पता चला कि मोनोजीत और प्रमित तृणमूल कांग्रेस की छात्र शाखा तृणमूल छात्र परिषद से जुड़े थे और कॉलेज में संगठन द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेने के उनके वीडियो भी सामने आए हैं। आरजी कर मेडिकल अस्पताल में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहे एक प्रशिक्षु डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के आरोपी संजय रॉय 2019 में एक नागरिक स्वयंसेवक के रूप में कोलकाता पुलिस में शामिल हुए थे। लेकिन उन्होंने खुद को पुलिस कल्याण सेल में स्थानांतरित करने के लिए 'उचित संबंधों' का इस्तेमाल किया और आर।जी। कर अस्पताल में पोस्टिंग प्राप्त की। जांच से पता चला कि रॉय लंबे समय से अस्पताल परिसर में रह रहे थे। उनके पास महिला वार्ड तक निर्बाध पहुंच थी। यहीं पर उसने एक युवा प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ बलात्कार किया और उसकी हत्या कर दी। इससे न केवल पुलिस की विफलता उजागर हुई, बल्कि यह भी उजागर हुआ कि कैसे एक आदमी राजनीतिक और प्रशासनिक संरक्षण में लंबे समय तक अपराध करता रहा। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखली इलाके में यौन उत्पीड़न का मामला शक्ति और अपराध के बीच संबंध का सबसे खराब उदाहरण बनकर सामने आया। यहां गांव की कई महिलाएं खुलकर सामने आईं और उन पर वर्षों तक शारीरिक शोषण और जमीन कब्जाने के आपराधिक कृत्यों का सामना करने का आरोप लगाया।

कमाल का इंद्रजाल

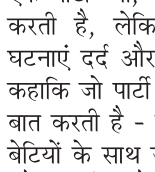

डॉ टी महादेव राव

नमस्ते आइए आइए जीप से उतरते हुए अभियंता को देखकर सादर स्वागत किया ठेकेदार अरविंद ने। अभियंता का चेहरा मुरझाया हुआ था। ऐसा लगता था मानो अभी-अभी उन्होंने किसी की मृत्यु का समाचार सुना हो। आपने स्वयं आने का कष्ट कैसे किया?खबर करते तो मैं हाजिर हो जाता। यहां तो जान पर बन आई है अरविंद! किसकी जान पर सर, आपकी या मेरी? सबकी जान पर। पांचवें किलोमीटर से दसवें किलोमीटर तक सड़क के किनारे पेड़ लगाने का ठेका हमने तुम्हें दिया था। पंद्रह लाख रुपए के बिल का भी तुम्हें भुगतान कर दिया गया। याद क्यों नही उनमें से हम लोगों ने अपने अपने हिस्से भी बांट लिए थे। अब क्या मुसीबत आन पड़ी? वही जान पर बन आई है। पेड़ रोपे ही नहीं गए हैं। तुम जानते हो, हमारा विभाग जानता है। इसी बात की शिकायत मंत्री जी से किसी दुश्मन ने की है, साथ ही आरोप लगाया है कि योजना का पूरा पैसा हम लोग डकार गए। अब मंत्री जी स्वयं निरीक्षण करने आए हुए हैं और डाक बंगले में ठहरे हैं। ठहरने दीजिए! हमें किस बात का ड पेड़ों को रोपने का उनके संरक्षण के बाबत आपके विभाग के कर्मियों ने जो प्रमाण पत्र दिए हैं वे दिखला दीजिए। वे कागजात नहीं देखेंगे। स्वयं पेड़ों का निरीक्षण करेंगे। हाल ही में भ्रष्टाचारियों को सबक सिखाने की प्रतिज्ञा भी की है उन्होंने। अभियंता की इतनी घबराहट के बावजूद अरविंद के चेहरे पर शिकन न थी। आराम से सिगरेट पी रहा था। अरविंद तुम्ही बचा सकते हो! वरना मेरी नौकरी तो गई मामला भी दर्ज होगा। अभियंता ने अरविंद के हाथ पकड़ कर कहा .. इन हाथों की इज्जत बचा लो अरविंद! अरविंद ने पूछा मंत्री जी पेड़ कब देखेंगे? कल सुबह छह बजे कार से पेड़ देखने निकलेंगे। निश्चिंत होकर जाइए। मंत्री जी के निरीक्षण के समय पेड़ सड़क के किनारे होंगे। हमने तो पौधे रोपे ही नहीं आज अचानक एक वर्ष की उम्र के फलते फूलते पेड़ कहां से? बात को बीच में काटते हुए अरविंद ने कहा वह मुझ पर छोड़ दीजिए। आप जैसा चाहते हैं वैसा ही होगा। जाइए चार पैग व्हिस्की गले से उतार कर आराम से पड़े रहिए। अरविंद के स्वर में आत्मविश्वास झलक रहा था। सुबह-सुबह मंत्री जी निरीक्षण के लिए निकले। उनके पीछे पीछे चार पांच मोटरों में चारण भाट थे। अभियंता कार में मंत्री जी के बगल में थे। ए सी कार में भारी ठंड के बावजूद अभियंता पसीने से लथपथ हो रहे थे। पांचवें किलोमीटर के बाद सड़क के दोनों और फूलों फलों से लदे पेड़ देखकर प्रसन्नता और आश्चर्य से अभियंता के हृदय की धड़कन बंद होते होते बची। यही है न आपके द्वारा रोपे गए पेड़? मंत्री जी के प्रश्न से अभियंता की तंद्रा टूटी। जी सर। किसी दुश्मन ने आपको गलत शिकायत भेजी है। देखिए न किस तरह फल फूल रहे हैं ये पेड़। मंत्री जी ने संतुष्ट हंसी में अभियंता से सहमति व्यक्त की।

देश के कई सौ जिलों तक फैला था छांगुर बाबा का धर्मांतरण जाल!

मनोज कुमार अग्रवाल

उत्तर प्रदेश के बलराम पुर से संचालित छांगुर बाबा उर्फ जलालुद्दीन का संगठित और सुनियोजित षड्यंत्र आज न सिर्फ पूरे राष्ट्र की आत्मा को झकझोर रहा है, बल्कि भारत के सामाजिक ताने-बाने के विरुद्ध छेड़ी गई एक सुनियोजित लड़ाई का प्रतीक बनकर उभरा है। यह सिर्फ धर्मांतरण नहीं, एक वैचारिक हमला है, जिसमें विदेशी धन, कट्टरपंथी सोच और निरीह गरीबों की मजबूरी को एक हथियार बनाया गया। नाम है, 'छांगुर बाबा', असली नाम जमालुद्दीन। यह वही चेहरा है, जिसने स्वयं को पहले हिंदू संत के रूप में प्रस्तुत किया, फिर "सूफी संत", और आखिरकार इस्लामिक एजेंट की तरह 'ग़ज़वा-ए-हिन्द' की ज़हरीली बुनियाद डालने में जुट गया। धर्मांतरण का यह रैकेट न केवल सामाजिक ढांचे को तोड़ रहा है, बल्कि सीधे-सीधे राष्ट्रविरोधी एजेंडे का भी हिस्सा बन चुका है। छांगुर बाबा का नेटवर्क यूपी, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, असम, दिल्ली, राजस्थान, और महाराष्ट्र तक फैला है। उसके माध्यम से भोले-भाले दलितों, आदिवासियों और निर्धन वर्ग को चमत्कार, तंत्र-मंत्र और झूठे इलाज के बहाने मजहबी जाल में फंसाया गया। धर्म परिवर्तन के बाद हिन्दू रीति-रिवाजों का त्याग और नव इस्लामी पहचान की कठोर सीख दी गई। ये कार्य अकेले नहीं, बल्कि एक संगठित टीम, फंडिंग, और विचारधारा के साथ हो रहे थे। यह सब दर्शाता है कि यह धर्म परिवर्तन नहीं, भारत को विचारों से बदलने का षड्यंत्र था।

मुस्लिम समुदाय की ओर से विदेशों से भारी फंडिंग होती रही, जिसका प्रयोग मस्जिदों, मदरसों, और कन्वर्ज़न केंद्रों को खड़ा करने में हुआ। इस कार्य में विदेशी एनजीओ, पाकिस्तानी फंडिंग नेटवर्क, और खाड़ी देशों से जुड़ी संस्थाओं की भूमिका जांच के घेरे में है। "ग़ज़वा-ए-हिन्द" वह कट्टर इस्लामी अवधारणा है, जिसमें भारत को इस्लामी शासन के अधीन लाने का सपना पाले बैठे आतंकी गुट बार-बार इसे अपना लक्ष्य बताते रहे हैं। छांगुर गैंग इसी ज़हर को 'धर्मगुरु' की आड़ में बोता रहा. धर्मांतरण के बाद लोगों को भारत विरोधी विचारधारा से लैस किया गया। पाकिस्तान परस्त मौलानाओं से जुड़ी बैठकों के वीडियो, ऑडियो, और लेख प्राप्त हुए हैं, जो इस नेटवर्क के आतंकी कनेक्शन को इंगित करते हैं। स्थानीय मदरसों में कट्टरता, जिहाद और इस्लामी प्रभुत्व की शिक्षाएं बच्चों तक को दी जा रही थीं। जिन युवाओं ने झांसे में आकर मजहब बदला, उनमें से कई 'स्लीपर सेल' की भूमिका में आने लगे। हालिया इनपुट के मुताबिक : कई धर्मांतरित युवक नकली दस्तावेज़ों के साथ सरकारी योजनाओं का दुरुपयोग कर रहे थे। कुछ साइबर फ्रॉड, हवाला, और फेक आइडेंटिटी जैसे अपराधों से भी जुड़ चुके हैं। आईबी और एटीएस की जांच में कई सबूतों से यह स्पष्ट हुआ है कि यह केवल धार्मिक नहीं, राजनैतिक और आतंकी उद्देश्यों की पूर्ति का माध्यम है। वर्षों से यह नेटवर्क सक्रिय था, लेकिन स्थानीय प्रशासन, खुफिया एजेंसियां और पुलिस आंख मूंदे बैठे रहे। धर्म की स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकार की आड़ में इस्लामीकरण की खेती होती रही। कुछ नेताओं और स्वयंभू सेक्युलर बुद्धिजीवियों की चुप्पी और समर्थन, इस गैंग को पनपने का खाद-पानी देते रहे। जांच एजेंसियों को शक है कि छांगुर गैंग का प्रतिबंधित इस्लामी संगठन पीएफआई (पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया) से भी जुड़ाव था. मकसद : गरीबों को लुभाना, धर्म बदलवाना और उन्हें भारत विरोध की शिक्षा देना। वॉट्सऐप ग्रुप्स और टेलीग्राम चैनल के माध्यम से कट्टर मजहबी संदेशों का प्रचार किया जा रहा था। विदेशी खाते, संदिग्ध हवाला ट्रांज़ैक्शन्स और 'बाबा' के ठिकानों से बरामद दस्तावेज इस कड़ी को और पुख्ता करते हैं।

बता दें, 23 जून को बाबा छांगुर द्वारा हजारों लोगों के नामांतरण की जानकारी मिली. 24 जून को उतरोला थाना क्षेत्र के मधपुर गांव में बाबा की विशाल कोठी देखने के बाद इस बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ. यह नेटवर्क पूरे भारत में फैला हुआ है और हजारों लोगों का धर्मांतरण करा चुका है. हरियाणा में 12 और 13 जुलाई को छांगुर गैंग के आमिर और उसकी बहन नेहा को गिरफ्तार किया गया है. पीड़ितों को विदेशों से भी धमकियां मिल रही हैं. खुफियां एजेंसियो के मुताबिक धर्मांतरण के इस देशव्यापी जाल में छांगुर ने 5000 से ज्यादा लड़कियों का धर्म परिवर्तन कराया है. 1000 मुस्लिम युवकों की फौज खड़ा कर लव जिहाद का खेल खेल रहा था। एटीएस और ईडी की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, छांगुर बाबा की सच्चाई परत-दर-परत बेनकाब होती जा रही है. धर्मांतरण के एक संगठित रैकेट से शुरू हुआ खुलासा अब आईएसआई कनेक्शन और राष्ट्रविरोधी साजिश तक पहुंच चुका है. छांगुर बाबा सिर्फ धर्म बदलवाने का खेल नहीं खेल रहा था, बल्कि हिंदुस्तान में सांप्रदायिकता का जहर खोलकर तोड़ने की साजिश भी रच रहा था. छांगुर बाबा ने धर्मांतरण के नाम पर जो नेटवर्क खड़ा किया था, उसी का इस्तेमाल कर वो पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से सीधा संपर्क साधने की कोशिश कर रहा था.

सावन में बेलपत्र के 4 उपाय, एक भी कर लिया तो शिवजी कर देंगे गरीबी दूर

हिंदू धर्म में सावन के महीने और इसमें पड़ने वाले सोमवार का खास महत्व होता है। यह पूरी अवधि भोलेनाथ को समर्पित होती है। मान्यता है कि शिवजी को बेलपत्र अत्यधिक प्रिय होते हैं। ऐसे में उनकी पूजा के दौरान इन पत्तों का इस्तेमाल करना शुभ माना गया है। वहीं, अगर आप सावन में बेलपत्र से जुड़े कुछ उपाय कर लें, तो इससे आपकी किस्मत चमक सकती है और धन-दौलत में वृद्धि होती है।

सावन का पूरा महीना भगवान शिव को समर्पित होता है। वहीं, सावन के सोमवार का भी हिंदू धर्म में खास महत्व होता है। शिवजी के भक्त इस पूरे माह में विधि-विधान से भोलेनाथ की पूजा और व्रत करते हैं। वहीं, उनकी पूजा में बेलपत्र का प्रयोग भी जरूर किया जाता है। मान्यता है कि बेलपत्र का पेड़ शिवजी को बेहद प्रिय है। ऐसे में अगर कोई व्यक्ति सावन के दौरान शास्त्रों में बताए गए बेलपत्र से जुड़े कुछ खास उपाय कर ले तो उसके जीवन से गरीबी दूर हो सकती है। साथ ही, भोले बाबा की विशेष कृपा से धन-दौलत की कभी कमी नहीं होती है। ऐसे में आइए विस्तार से जानें सावन के लिए बेलपत्र के चमत्कारी उपाय...

जीवन में अपार धन प्राप्त करने का उपाय

अगर आप पैसों की तंगी का सामना कर रहे हैं या घर की कमजोर आर्थिक स्थिति से परेशान हैं, तो सावन सोमवार के दिन एक अचूक उपाय कर सकते हैं। इसके लिए सोमवार का व्रत रखना सबसे उत्तम माना गया है। अगर आप किसी कारण ऐसा नहीं कर पा रहे हैं, तो सोमवार के दिन किसी ब्राह्मण या जरूरतमंद व्यक्ति बेलपत्र के पेड़ के नीचे खीर जरूर खिलाएं। इस उपाय का वर्णन शिव पुराण में देखने को मिलता है। सावन सोमवार के दिन यह उपाय करने से जातक को अपार धन प्राप्त हो सकता है और गरीबी से भी मुक्ति मिल सकती है। यह उपाय करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है और कभी भी पैसों की कमी नहीं होती है।

इस उपाय से मोक्ष होगा प्राप्त

माना जाता है कि सावन के महीने में नियमित रूप से बेलपत्र के पेड़ के नीचे स्नान करना अत्यंत फलदायी होता है। अगर ऐसा करना संभव न हो, तो आप सावन के प्रत्येक सोमवार को यह उपाय कर सकते हैं। सावन के महीने में पड़ने वाले सोमवार बेहद खास होते हैं, क्योंकि सप्ताह का यह दिन विशेष रूप से भोलेनाथ को समर्पित माना गया है। ऐसे में इस दिन बेलपत्र के नीचे स्नान करे से जातक को मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है और हर प्रकार के पापों का भी नाश हो सकता है।

इस उपाय से जीवनभर पाएंगे लाभ

सावन के महीने में शिवजी की पूजा के दौरान बेलपत्र का प्रयोग करना बहुत फलदायी माना गया है। ऐसे में आप सावन में एक हजार आठ बेलपत्र पर 'ओम नमः शिवाय' मंत्र लिख सकते हैं। इसके बाद, इतनी ही बार इस मंत्र का जाप करते हुए इन्हें शिवलिंग पर अर्पित करें। अगर एक बार में ऐसा संभव न हो, तो सावन के प्रत्येक सोमवार को ऐसा करके अंत तक इसे पूर्ण कर सकते हैं। लेकिन इस उपाय को करने से पहले संकल्प लेना बहुत जरूरी होता है। इस बात का संकल्प लें कि आप एक हजार आठ बेलपत्र पर 'ओम नमः शिवाय' मंत्र लिखकर और इसका उच्चारण करते हुए पत्तों को शिवलिंग पर चढ़ाएंगे। ऐसा करने से भगवान शिव की महाकृपा प्राप्त होती है और पापों से मुक्ति मिल सकती है। माना जाता है कि यह उपाय करने से जातक को जीवनभर सुख प्राप्त होता है और परलोक में भी उत्तम स्थान पा लेते हैं।

जीवन के दुखों से मुक्ति पाने का उपाय

सावन के अंतिम सोमवार के दिन एक उपाय कर लेने से आपको जीवन के दुखों से निजात मिल सकती है और भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है। माना जाता है कि सावन के आखिरी सोमवार पर भगवान शिव के नाम का हवन कराना चाहिए और हवन की सामग्री में बेल के पत्तों को जरूर शामिल करें। इस हवन में 'ओम नमः शिवाय' मंत्र का संख्या 10 हजार बार होना बेहद उत्तम माना गया है। अगर ऐसा संभव न हो तो कम से कम इस संख्या को 108 जरूर रखें। ऐसा करने से जातक को जीवन में सफलता प्राप्त हो सकती है और करियर में भी उन्नति के रास्ते खुलने लगते हैं। बेलपत्र का इस्तेमाल करते समय इस बात ख्याल जरूर रखें कि पत्ते कहीं से भी कटे या खंडित न हो। इस प्रकार के पत्तों का प्रयोग करना शुभ नहीं माना जाता है।

सावन के अंतिम सोमवार के दिन एक उपाय कर लेने से आपको जीवन के दुखों से निजात मिल सकती है और भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है। माना जाता है कि सावन के आखिरी सोमवार पर भगवान शिव के नाम का हवन कराना चाहिए और हवन की सामग्री में बेल के पत्तों को जरूर शामिल करें। इस हवन में 'ओम नमः शिवाय' मंत्र का संख्या 10 हजार बार होना बेहद उत्तम माना गया है।

अगर ऐसा संभव न हो तो कम से कम इस संख्या को 108 जरूर रखें। ऐसा करने से जातक को जीवन में सफलता प्राप्त हो सकती है और करियर में भी उन्नति के रास्ते खुलने लगते हैं। बेलपत्र का इस्तेमाल करते समय इस बात ख्याल जरूर रखें कि पत्ते कहीं से भी कटे या खंडित न हो। इस प्रकार के पत्तों का प्रयोग करना शुभ नहीं माना जाता है।

उदयपुर का रहस्यमयी शिवधाम मंदिर

यहां नहर के नीचे गुफा में होते हैं स्वयंभू शिव के दर्शन, सावन में उमड़ता है भक्तों का सैलाब

1960 के दशक में खोजे गए इस गुफा मंदिर से जुड़ी अनेक रहस्यमयी मान्यताएं हैं। शिवलिंग एक गहराई में स्थित गुफा में विराजमान है और इसके पीछे एक और गुफा है, जिसका अंत आज तक ज्ञात नहीं है। मान्यता है कि यह गुफा पाताल लोक तक जाती है। सावन का पवित्र महीना चल रहा है और शिवभक्ति में डूबे श्रद्धालु देशभर के शिवधामों का रुख कर रहे हैं। आज आपको ले चलते हैं राजस्थान के उदयपुर जिले के एक ऐसे रहस्यमयी शिव मंदिर में जहां एक गुफा में महादेव विराजे हैं। मान्यता है कि यहां स्वयं भगवान शिव पातालेश्वर रूप में प्रकट हुए थे।अरावली की वादियों के बसे उदयपुर शहर से करीब 15 किलोमीटर दूर बड़गांव क्षेत्र की पहाड़ियों के बीच स्थित है 'पातालेश्वर महादेव' मंदिर। यह कोई आम शिव मंदिर नहीं है, बल्कि एक ऐसी गुफा में विराजमान है, जिसे लेकर रहस्यमयी मान्यताएं और अद्भुत घटनाएं जुड़ी हैं।

मंदिर के पुजारी पंडित खेमराज गमेती बताते हैं कि यह स्थान 1960 के आसपास चर्चा में आया। मंदिर के पीछे एक कमरे के निर्माण के दौरान खुदाई में करीब तीन फीट चौड़ी एक गुफा सामने आई। उसी रात पुजारी को स्वप्न में संकेत मिला कि इस गुफा में कोई खजाना छुपा है। उन्होंने अपने मित्रों के साथ गुफा में प्रवेश किया और मलबे के बीच एक चट्टान जैसी आकृति दिखी। पास जाकर देखने पर तो एक शिवलिंग था।यह कोई साधारण शिवलिंग नहीं, बल्कि आस्था का प्रतीक बन गया। और तभी से इस स्थान को "पातालेश्वर महादेव" कहा जाने लगा। इस मंदिर की खास बात यह है कि यह गुफा के अंदर स्थित है और शिवलिंग गहराई में विराजमान हैं। गुफा के ऊपर से बहती है मदार नहर, जिसका पानी आगे जाकर फतेहसागर झील में मिलता है। पहले के समय में बारिश का पानी गुफा में भर जाता था और श्रद्धालुओं को जल में उतरकर दर्शन करने होते थे, लेकिन अब प्रशासन और मंदिर समिति ने सीढ़ियां और रेलिंग बनवा दी हैं, जिससे भक्त आसानी से भगवान तक पहुंच पाते हैं।

शिवलिंग के ठीक पीछे एक और गहरी गुफा है, जिसका अंतिम छोर आज तक कोई नहीं जान पाया। यह रहस्य श्रद्धालुओं की आस्था को और भी गहरा करता है। मान्यता है कि यह गुफा पाताल लोक तक जाती है और इसलिए भगवान को पातालेश्वर कहा जाता है।

सावन के महीने में यहां का वातावरण भक्ति और अध्यात्म से सराबोर हो जाता है। हर दिन सैकड़ों श्रद्धालु दूर-दूर से यहां पहुंचते हैं, भोलेनाथ का जलाभिषेक करते हैं। अपने जीवन की मनोकामनाएं पूर्ण करने की प्रार्थना करते हैं। यह मंदिर न सिर्फ शिवभक्तों के लिए एक तीर्थस्थल है, बल्कि यह हमारी आस्था, परंपरा और रहस्यमयी लोककथाओं का भी अद्भुत संगम है। इस सावन, अगर आप उदयपुर आ रहे हैं, तो एक बार पातालेश्वर महादेव के दर्शन जरूर कर सकते हैं। सावन की पावन बेला में पातालगुफा में विराजित यह शिवधाम सिर्फ एक मंदिर नहीं, बल्कि आस्था का जीवंत चमत्कार है।

शिव मंत्रों का कंपन आपके जीवन की ऊर्जा को बदलता है

सावन में शिव भक्ति से दुर्घटनाऐं टलती हैं, असफलता की श्रंखलाऐं टूटती हैं और जीवन में नया मोड़ आता है, क्योंकि महादेव शिव ही ऐसे देवता हैं, जो समर्पित भक्त के भाग्य के लेख को भी संशोधित कर उसे दुःखों से मुक्त करते हैं। कहा भी गया है, भावी मेट सकहिं त्रिपुरारी।

मंत्रों की ध्वनि और कंपन आपके चित्त को शुद्ध करती हैं, मन को निर्मल करती है, ताकि शिव आपके मन में विराजमान होकर आपके भ्रम, संदेह और डर जैसी नकारात्मक भावनाओं को दूर कर सकें। धर्मशास्त्रों में कहा भी गया है कि एक स्पष्ट मन अच्छे निर्णय लेता है और यही भविष्य को बेहतर बनाता है। जब भक्ति का भाव प्रबल होता है, तब व्यक्ति के कर्म की दिशा बदलती है और जब कर्म में सुधार होने लगता है, तब भाग्य का प्रवाह भी बदलने लगता है। यही कारण है कई बार साधारण भक्तों को भी दिव्य चमत्कारिक अनुभव होते हैं।

कैसे बदलता है आपका समय - शिव की भक्ति से भाग्य बदलता है क्योंकि भक्ति हमें भीतर से बदलती है। जब हमारा मन, कर्म और दृष्टिकोण बदलते हैं तो भाग्य स्वयं बदल जाता है।

ईश्वरीय शक्ति हमारे अंदर आत्मबल और शांति लाती है। हमारी आदतें और कर्म बदलते हैं, हमारी ऊर्जा और सोच शुद्ध होती है। सावन में मंत्र जाप और रुद्राभिषेक आदि शास्त्र सम्मत विधि-विधानों से आपके आस-पास की ऊर्जा और आपके आस-पास का वातावरण बदलता है, शिव मंत्रों का कंपन आपके मन, घर और जीवन के ऊर्जात्मक क्षेत्र को समृद्ध बनाने लगता है। जो लोग घर में प्रतिदिन ओम् नमः शिवाय का जप करते हैं या सोमवार, प्रदोष अथवा विशिष्ट अवसरों पर रुद्राभिषेक करते हैं, उनके घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है जिससे उनकी सुख-समृद्धि बढ़ती है।

शिव भक्ति और भाग्य का विधान - जब मन शांत होता है, तो व्यक्ति सही निर्णय लेता है, भाग्य अक्सर गलत फैसलों से बिगड़ता है। शिव ध्यान से व्यक्ति का मन एकाग्र और शांत होता है, जिससे वह अपने कर्मों को सुधारता है और अवसरों को पहचानता है। एक छात्र जिसकी पढ़ाई में मन नहीं लगता, जब सुबह 10 मिनट शिव मंत्रों का जाप करता है, तो उसका मन स्थिर होता है और पढ़ाई में ध्यान लगने लगता है, जिससे उसका भविष्य बदलने लगता है।

सावन में महादेव ने ली परीक्षा कौन है शिव का सच्चा भक्त

शिव पर है विश्वास तो पूरी होगी आस, इसमें कोई दो राय नहीं है। एक भक्त के विश्वास में है तर्क और दूसरे भक्त के विश्वास में है समर्पण का भाव, जानें इसका रहस्य। एक बार सावन के महीने में प्रसिद्ध शिव मंदिर में भक्तों की भीड़ लगी हुई थी तभी अचानक आकाश मार्ग से एक सोने की थाली प्रकट हुई और भविष्यवाणी हुई कि जो कोई भगवान शिव का सच्चा भक्त होगा, उसे आशीर्वाद स्वरूप यह सोने की थाली प्राप्त होगी, यह सुनते ही बड़े-बड़े महात्मा, दानी, भक्त पधारे और थाली को उठाने का प्रयास करने लगे।

सर्वप्रथम मंदिर के प्रधान पुजारी आगे आए और बोले मैं प्रतिदिन महादेव का अभिषेक करता हूं अतः मैं भोलेनाथ का सबसे निकटवर्ती भक्त हूं इसलिए सोने की थाली मुझे ही मिलनी चाहिए। जैसे ही पंडित जी ने थाली उठाई, थाली पीतल की हो गई। इस प्रकार वहां उपस्थित सभी लोगों ने खुद को आजमाया लेकिन उनमें से कोई भी सच्चे भक्त के मानक में खरा नहीं उतरा। जिस व्यक्ति ने बहुत बड़ी रकम दान दक्षिणा के रूप में देकर मंदिर बनवाया था, उसने भी प्रयास किया लेकिन वह भी सोने की थाली रूपी आशीर्वाद प्राप्त न कर सका।उसी समय मंदिर में एक साधारण व्यक्ति ने प्रवेश किया। उसने भी भविष्यवाणी के बारे में सुना था लेकिन वह शिवजी के दर्शन में इतना मगन था कि उसने सोने की थाली की परवाह नहीं की।

जब वह व्यक्ति मंदिर से पूजा करके जा रहा था तो किसी ने कहा कि मंदिर में आए सभी लोगों ने प्रयास किया है, तुम भी प्रयास करके देख लो, कहीं सच्चे भक्त तुम तो नहीं। जैसे ही उस व्यक्ति ने थाली उठाई, थाली उसके हाथ में चमकने लगी जिसे देखकर सभी लोग जयकारा लगाने लगे और एक सच्चे शिव भक्त की पहचान हुई।

कुछ लोगों ने सच्चे भक्त से पूछा कि वह कैसे भक्ति करता है, जिससे महादेव उससे इतने प्रसन्न हैं। तब वह व्यक्ति बोला, ईश्वर की भक्ति के साथ मैं अपना कार्य पूरे मनोयोग से करता हूं तथा नित्य थोड़ा सा समय निकाल कर जरूरतमंदों की मदद करता हूं, क्योंकि उसने सुना है कि दूसरों की निःस्वार्थ मदद करने वालों की मदद स्वयं भगवान करते है।रामचरितमानस में तुलसीदास जी ने लिखा है कि शिवरूप परमात्मा सभी प्राणियों के हृदय में ही स्थित है। काम, क्रोध, लोभ, मद, मोह का आवरण हटने पर शिव कृपा का प्रत्यक्ष अनुभव किया जा सकता है। भक्तों के परम कल्याण और पूर्ण लाभ के लिए शुभ आचरण युक्त भक्ति अनिवार्य है।

हरियाली अमावस्या के उपाय

हरियाली अमावस्या के दिन पवित्र नदी में स्नान करना चाहिए या नहाने के पानी में थोड़ा गंगाजल मिला लेना चाहिए।

स्नान के बाद ध्यान आदि करना चाहिए और अपने ईष्ट का ध्यान करना चाहिए। शिव पूजन का भी महत्व है। शिवजी को आक, मदार आदि का फूल चढ़ा सकते हैं।

पितरों के निमित्त पूजन करना चाहिए। जरूरमंदों को भोजन कराना चाहिए।

पीपल के पेड़ की पूजा करनी चाहिए और फलदार पौधे लगाने चाहिए। घर के मुख्य दरवाजे पर घी का दीया जलाना चाहिए।

गर्भावस्था में शिवलिंग पूजा करें या नहीं?

गर्भावस्था के दौरान पूजा-पाठ के माध्यम से आध्यात्म से जुड़े रहना शुभ माना जाता है। इससे गर्भ में पल रहे शिशु पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कहा भी जाता है कि, गर्भवती महिला गर्भावस्था के दौरान जैसा आचरण रखेगी, वैसा ही असर बच्चे पर भी पड़ेगा। इसलिए धर्म शास्त्रों में कहा गया है कि गर्भवती महिला को पूजा-पाठ में मन लगाना चाहिए, मंत्रोच्चारण करना चाहिए और गीता का पाठ करना चाहिए।

लेकिन बात करें शिवलिंग पूजन की तो, शास्त्रों में शिवलिंग पूजा के कुछ नियम बताए गए हैं, जिसका पालन सभी को करना चाहिए। प्रेग्नेंसी के दौरान देवी-देवताओं की पूजा अवश्य करनी चाहिए। इससे दैवीय शक्ति का आशीर्वाद प्राप्त होता है। लेकिन बात करें शिवलिंग पूजन की तो, कुछ लोगों का मानना है कि गर्भवती महिला को शिवलिंग पूजा नहीं करनी चाहिए।

गर्भावस्था में शिवलिंग पूजन करना सही या गलत

ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास बताते हैं कि, शिवजी की पूजा से भक्तों को हर तरह की समस्या का समाधान मिलता है, सुरक्षा और शांति मिलती है। साथ ही शिवजी की पूजा में अत्यंत कठोर नियमों का पालन भी नहीं करना पड़ता, क्योंकि भोले भंडारी तो भक्ति-भाव से ही प्रसन्न हो जाते हैं। इसलिए गर्भवती महिलाएं शिवलिंग पूजन कर सकती हैं।

आप अपनी सेहत को ध्यान में रखकर सरल विधि से भी शिवलिंग पूजन कर सकती हैं। यदि आप सच्चे मन से एक लोटा शुद्ध जल भी शिवलिंग पर चढ़ा देंगी तो महादेव की कृपा आप पर जरूर बरसेगी। बात करें शास्त्रों की तो, शास्त्रों में गर्भवास्था के दौरान शिवलिंग पूजन करने की कोई मनाही नहीं है।

गर्भावस्था में शिवलिंग पूजन करने के लाभ

प्रेग्नेंसी के दौरान महिला के शरीर के साथ ही मानसिक विचारों में भी बदलाव आते हैं। इस समय महिला कभी अधिक तनाव का अनुभव करती है तो कभी अधिक भावुक हो जाती है। ऐसे में इस समय शिवलिंग पूजन करने से मानसिक शांति मिलेगी, चिंता कम होगी और भावनात्मक विचारों में कमी आएगी।

प्रेग्नेंसी के दौरान शिवलिंग पूजन करने से नकारात्मक ऊर्ज का साया भी आपके बच्चे पर नहीं पड़ेगा और ग्रह-दोषों से मुक्ति मिलेगी। इससे मां और बच्चा दोनों की मानसिक और शारीरिक स्थिति अच्छी रहेगी।

इस विधि से करें पूजन

यह स्पष्ट है कि, गर्भवास्था में महिला शिवलिंग पूजन कर सकती है और इसमें किसी तरह की कोई मनाही नहीं है। लेकिन इस अवस्था में आपको पूजा करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए जैसे- अधिक समय तक खड़े रहकर पूजा न करें। बल्कि आराम से बैठकर पूजा करें। अगर आप जमीन पर बैठने में असमर्थ है तो कुर्सी या छोटी टेबल पर भी बैठकर पूजा कर सकती हैं। प्रेग्नेंसी के दौरान आप बगैर कठिन उपवास या निर्जला व्रत के बिना भी शिवलिंग पर जल चढ़ा सकती हैं। अगर घर से मंदिर दूर हो या मंदिर में अधिक सीढ़िया चढ़नी हो तो आप घर पर भी छोटी सी शिवलिंग स्थापित कर पूजा कर सकती हैं।

हमले के 10 दिन बाद फिर खुले कपिल शर्मा के "कैप्स कैफे" के दरवाजे, कॉमेडियन बोले- हमें अपनी टीम पर गर्व है

प्रसिद्ध कॉमेडियन और एक्टर कपिल शर्मा ने कुछ दिनों पहले अपनी पत्नी के साथ मिलकर कनाडा में "कैप्स कैफे" की शुरुआत की थी। हालांकि, तीन दिन बाद ही उनके कैफे पर कुछ अज्ञात हमलावरों ने गोलीबारी कर दी थी, जिसने न केवल कपिल शर्मा बल्कि उनके फैंस को भी हैरान कर दिया था। वहीं, अब हमले के 10 दिन बाद कैफे ने एक पोस्ट शेयर करते हुए घोषणा की कि वे दोबारा संचालन शुरू कर रहे हैं। इस पोस्ट पर कॉमेडियन कपिल शर्मा ने भी गर्व जाहिर किया है।

10 दिन बाद फिर से खुले दरवाज़े

अब, हमले के 10 दिन बाद, कैफे ने एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- "हमने आपको बहुत याद किया। आपके प्यार और समर्थन के लिए दिल से धन्यवाद। हम फिर से अपने दरवाज़े खोल रहे हैं और आपकी मेहमाननवाज़ी के लिए तैयार हैं। जल्द मिलते हैं।"

10 जुलाई को हुआ था हमला

कनाडा के सरे क्षेत्र में स्थित इस कैफे पर 10 जुलाई की रात लगभग 1:50 बजे अज्ञात हमलावरों ने गोलियां चलाई थीं। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, हमले के समय कुछ कर्मचारी कैफे के अंदर मौजूद थे, लेकिन इस हमले में कोई हताहत नहीं हुआ।

हमले के पीछे कौन?

कनाडा की पुलिस ने इसे एक लक्षित हमला माना है। प्रारंभिक जांच में इस वारदात को लाड्डी गिरोह और बब्बर खालसा इंटरनेशनल जैसे प्रतिबंधित खालिस्तानी संगठनों से जोड़े जाने की आशंका जताई गई है। हालांकि, अभी तक किसी की गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं हुई है और जांच जारी है।

काजोल स्टारर 'मां' का बॉक्स ऑफिस पर जलवा दुनियाभर में की 50 करोड़ से अधिक कमाई

एक्ट्रेस काजोल स्टारर फिल्म 'मां' 27 जून को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई और ये पर्दे पर दर्शकों का दिल जीतने में खूब कामयाब हो रही है। शनिवार को फिल्म के निर्माताओं ने जानकारी दी कि काजोल की मुख्य भूमिका वाली फिल्म मां ने दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है।

निर्माताओं ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर काजोल की 'मां' के बॉक्स ऑफिस के आंकड़े शेयर किए। इसमें फिल्म के पोस्टर के साथ इसकी कमाई के आंकड़े भी दिए गए थे। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की वास्तविक कमाई 38.30 करोड़ रुपये और कुल कमाई 45.19 करोड़ रुपये रही। विदेशों में फिल्म ने 6.45 करोड़ रुपये छापे, जबकि दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर मां ने 51.64 करोड़ रुपए कमाई कर ली है। जियो स्टूडियोज और देवगन फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म के निर्माता ज्योति देशपांडे हैं और सह-निर्माता कुमार मंगत पाठक हैं। इस फिल्म में काजोल के अलावा इंद्रनील सेनगुप्ता, खेरिन शर्मा और रोनित रॉय भी अहम भूमिकाओं में हैं।

लिप फिलर रिमूव कराया उर्फी ने

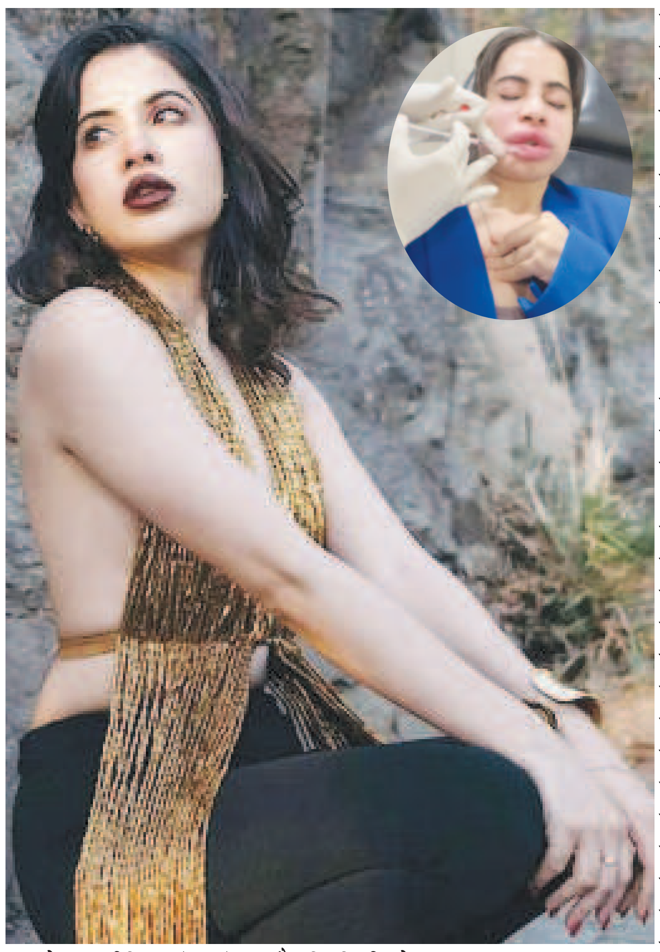

सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर और रियलिटी शो स्टार उर्फी जावेद ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्हें देख नेटिंजस हैरान हो रहे हैं। वीडियो में उर्फी का चेहरा और होंठ काफी सूजा हुआ दिख रहा है। इंफ्लुएंसर ने पोस्ट में वीडियो के बारे में पूरी जानकारी भी दी है।

उर्फी जावेद के वीडियो ने किया हैरान

इंफ्लुएंसर उर्फी जावेद ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट शेयर किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि उर्फी जावेद किसी हॉस्पिटल में डॉक्टर से अपने होंठों पर कुछ सर्जरी करवाती दिख रही हैं, जिसमें डॉक्टर उनके होंठ पर इंजेक्शन लगा रहे हैं और वो दर्द से कराह रही हैं। इसके बाद उनका चेहरा और होंठ पूरी तरह सूज जाता है, लेकिन उन्हें आप वीडियो में हंसते हुए भी देख सकते हैं। इस पोस्ट को शेयर करते हुए उर्फी ने कहा कि इसे आप अपने रिस्क पर देखें।

क्या है ये सर्जरी?

इस पोस्ट को शेयर करते हुए उर्फी जावेद ने कैप्शन भी लिखा हैं, जिसमें उन्होंने बताया, 'नहीं, यह कोई फिल्टर नहीं है, मैंने अपने लिप फिलर्स को रिमूव कराने का फैसला किया है, क्योंकि वे हमेशा गलत जगह पर लगे रहते थे। मैं फिर से लिप फिलर ट्रीटमेंट करवाऊंगी, लेकिन प्राकृतिक रूप से। मैं फिलर्स के लिए बिल्कुल भी मना नहीं कर रही हूं, लेकिन इसे रिमूव कराना बेहद दर्दनाक होता है। इसके अलावा, यह बहुत जरूरी है कि आप फिलर्स के लिए किसी अच्छे डॉक्टर के पास जाएं, क्योंकि इसे बहुत सावधानी से कराना चाहिए।'

9 साल बाद हटवाया लिप फिलर

बीते शनिवार को उर्फी जावेद ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की थी, जिसमें उन्होंने लिप फिलर रिमूव के बारे में जानकारी दी थी। उन्होंने कहा कि लिप फिलर ट्रीटमेंट उन्होंने 9 साल पहले यानी कि 18 साल की उम्र में कराया था। अब जिसे उर्फी ने हटवा दिया है, लेकिन वह इसे फिर से करवाएंगी, ऐसा उन्होंने कहा है।

'डॉन' के निर्देशक चंद्र बरोट का निधन

वेटरन फिल्म निर्देशक चंद्र बरोट का 86 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। चंद्र बरोट मुंबई के बांद्रा स्थित एक अस्पताल में भर्ती थे, जहां रविवार को उन्होंने आखिरी सांस ली। चंद्र को 1978 में रिलीज हुई अमिताभ बच्चन की सुपरहिट फिल्म डॉन' का निर्देशन करने के लिए जाना जाता है।

चंद्र बरोट के निधन की जानकारी उनकी पत्नी दीपा बरोट ने दी। TOI से हुई बातचीत में दीपा ने बताया कि वो पल्मोनरी फाइब्रोसिस से जूझ रहे थे। बीते 7 साल से उनका ट्रीटमेंट चल रहा था।

फरहान अख्तर ने दी श्रद्धांजलि

चंद्र बरोट की 'डॉन' का रीमेक बना चुके फरहान अख्तर ने इंस्टाग्राम पर चंद्र बरोट को श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा 'यह जानकर दुख हुआ कि डॉन के निर्देशक अब नहीं रहे। चंद्र बरोट जी की आत्मा को शांति मिले। परिवार के प्रति गहरी संवेदना।'

पहली फिल्म रही कामयाब

चंद्र बरोट ने डॉन के साथ निर्देशन में कदम रखा। यह फिल्म अभिनेता-निर्माता नरीमन ईरानी की फिल्म 'जिंदगी जिंदगी' (1972) की असफलता के बाद रिलीज हुई। ईरानी की मदद के लिए, बरोट और उनकी टीम ने इस परियोजना को अपने हाथ में लिया और लेखक सलीम-जावेद को शामिल किया।

कई फिल्में रिलीज नहीं हो सकीं

'डॉन' के बाद, बरोट ने बंगाली फिल्मों 'आश्रिता' (1989) और 'प्यार भरा दिल' (1991) का निर्देशन किया। हालांकि, उनकी कई फिल्में जिनमें 'बॉस' और 'नील को पकड़ना... इंपॉसिबल' शामिल हैं, अधूरी रही या रिलीज नहीं हुईं।

उनकी विरासत 'डॉन' फ्रैंचाइजी के जरिए जिंदा रही। 2006 में, शाहरुख खान ने 'डॉन' फिल्म में अभिनय किया। यह फिल्म बरोट की मूल फिल्म पर आधारित थी।

राम नहीं, रावण के नजरिये से बनेगी 'रामायण' आलिया निभाएंगी सीता का रोल?

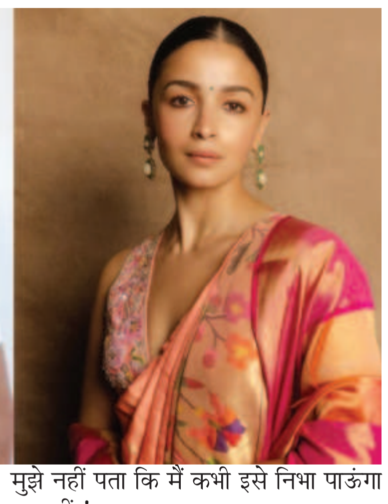

फिल्म निर्माता नितेश तिवारी ने अपनी फिल्म 'रामायण' का एलान कर दिया है। यह फिल्म दो भागों में रिलीज होने वाली है। इस पर अभी काम चल रहा है। अभिनेता विष्णु मांचू ने भी हाल ही में खुलासा किया है कि उनके पास भी एक स्क्रिप्ट तैयार है। लेकिन, रामायण का उनका संस्करण रावण के जीवन पर केंद्रित है।

सीता की भूमिका के लिए आलिया को चुना

विष्णु मांचू ने कहा 'भगवान राम की भूमिका के लिए मेरे दिमाग में सबसे पहले अभिनेता सूर्या का नाम आता है।' सीता की भूमिका के लिए, उन्होंने आलिया भट्ट को चुना। उन्होंने खुलासा किया 'मेरे पास रावण के बारे में एक स्क्रिप्ट पहले से ही है। इसमें उनके जन्म से लेकर मृत्यु तक की कहानी है। उसी के लिए, मैंने 2009 में सूर्या से राम का किरदार निभाने के लिए संपर्क किया था। हालांकि बजट मेरे हिसाब से ठीक नहीं था, इसलिए बात नहीं बन पाई। फिल्म का निर्देशन राघवेंद्र राव करने वाले थे। मेरे पिता रावण का किरदार निभाने वाले थे। मेरे पास इसकी स्क्रिप्ट और संवाद तैयार हैं, लेकिन मुझे नहीं पता कि मैं कभी इसे निभा पाऊंगा या नहीं।'

बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं कर सकी कन्नप्पा

विष्णु मांचू ने हाल ही में एक बड़े बजट की पौराणिक ड्रामा कन्नप्पा बनाई, जिसमें उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई। अभिनेता अक्षय कुमार, प्रभास और मोहनलाल ने क्रमशः भगवान शिव, रुद्र और किरात की भूमिकाएं निभाईं। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा नहीं चली। इसने सिर्फ 41.75 करोड़ रुपये कमाए।

नितेश की फिल्म में भगवान के किरदार में दिखे रणबीर

इस बीच, नितेश तिवारी ने हाल ही में रामायण के अपने संस्करण की एक झलक साझा करके अपने प्रशंसकों को आश्चर्यचकित कर दिया, जिसमें अभिनेता रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं। अभिनेत्री साईं पल्लवी देवी सीता और यश रावण की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का पहला भाग अगले साल दिवाली पर रिलीज होने वाला है।

'सैयारा' से क्यों नहीं थी आदित्य चोपड़ा को उम्मीद? मोहित सूरी ने खुलासा किया

मोहित सूरी के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'सैयारा' ने बॉक्स ऑफिस पर धांसू ओपनिंग की है. फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त क्रेज दिखाई दे रहा है. सैयारा के गानों से लेकर इंटेंस लव स्टोरी तक, हर चीज फैंस के दिलों को छू रही है. मगर क्या आप जानते हैं कि शुरुआत में यशराज फिल्म्स के मालिक आदित्य चोपड़ा इस फिल्म को बनाने के फेवर में नहीं थे. आइए जानते हैं क्यों?

'सैयारा' से क्यों नहीं थी आदित्य चोपड़ा को उम्मीद?

'सैयारा' से अनन्या पांडे के कजिन अहान पांडे ने एक्टिंग डेब्यू किया है. अहान की एक्टिंग को खूब पसंद किया जा रहा है. फैंस से उन्हें पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिल रहा है. मगर शुरुआत में प्रोड्यूसर आदित्य चोपड़ा फिल्म की कमर्शियल सक्सेस को लेकर श्योर नहीं थे. इस बात का खुलासा खुद फिल्म के डायरेक्टर मोहित सूरी ने किया है.

मोहित सूरी ने 'जस्ट टू फिल्मी' को दिए इंटरव्यू में बताया कि जब वो YRF को फिल्म सैयारा का कॉन्सेप्ट बता रहे थे, तब आदित्य चोपड़ा को इसकी कमर्शियल सफलता पर संदेह था. मोहित बोले- आदित्य चोपड़ा ने मुझसे कहा था कि ये स्क्रिप्ट 25 साल के युवाओं के लिए है. आजकल ये लोग थिएटर ही नहीं जाते हैं.

मोहित सूरी ने आगे बताया कि रोमांटिक ड्रामा फिल्म सैयारा में नए स्टार्स आहान पांडे और अनीत पड्डा को लिया गया था, जिससे फिल्म की सक्सेस को लेकर रिस्क और बढ़ गया था. डायरेक्टर बोले- उन्हें (आदित्य चोपड़ा को) लगता था कि इस समय सिर्फ एक्शन फिल्में चल रही हैं और इस तरह की लव स्टोरी बनाने का ये सही समय नहीं है.

फिल्म पर था मोहित सूरी को भरोसा

मोहित सूरी ने बताया कि शुरुआत में रिजेक्शन मिलने के बावजूद भी वो अपने विजन पर डटे रहे थे. उन्होंने कहा- मैंने आदित्य सर से कहा था- 'सर, मुझे यह रिस्क लेने दीजिए, क्योंकि मुझे इस फिल्म और एक्टर्स के परफॉरमेंस पर भरोसा था. हम कोई जबरदस्ती हिट फिल्म बनाने की कोशिश नहीं कर रहे थे. हमें सच्चाई से एक कहानी को दिखाना था.

'सैयारा की कमाई?

'सैयारा' 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है. फिल्म का क्रेज फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, 'सैयारा' ने 2 दिन करीब 45 करोड़ रुपये की ओपनिंग की है. फिल्म की कमाई में इजाफा होने की उम्मीद है.

बिग बॉस विजेता करणवीर मेहरा बनेगा फिल्म 'डॉन 3' का विलेन!

फिल्ममेकर-एक्टर फरहान अख्तर की मच-अवेटेड फिल्म 'डॉन 3' पिछले कुछ वक्त से लगातार चर्चाओं में बनी हुई है. पहले फिल्म की शूटिंग पर अपडेट्स आई थीं. फिर इसकी कास्टिंग में काफी सारे उलटफेर देखने मिले. विक्रांत मैसी जिन्हें फिल्म में विलेन के रोल के लिए कास्ट किया गया, वो प्रोजेक्ट छोड़ गए. अब उनकी जगह मेकर्स ने टीवी के एक जाने माने एक्टर को कास्ट करने का प्लान किया है.

विक्रांत मैसी की जगह कौन होगा 'डॉन 3' का विलेन?

कुछ दिनों पहले खबर आई थी कि विक्रांत मैसी ने 'डॉन 3' में अपने किरदार में ज्यादा गहराई ना होने के कारण फिल्म से बाहर होने का फैसला किया. जिसके बाद मेकर्स की चिंता और भी ज्यादा बढ़ गई क्योंकि फिल्म का शूट जल्द शुरू होने वाला है. कई रिपोर्ट्स थीं कि उनकी जगह साउथ एक्टर विजय देवरकोंडा या आदित्य रॉय कपूर को कास्ट किया जाएगा. लेकिन अब फिल्म से जुड़ी एक लेटेस्ट अपडेट सामने आई है जिसमें फिल्म का विलेन कौन होगा, इसका खुलासा हुआ है.

फरहान अख्तर 'बिग बॉस 18' के विजेता करण वीर मेहरा को कास्ट करने का प्लान कर रहे हैं. ऐसा कहा जा रहा है कि करण विलेन बनने की लिस्ट में सबसे टॉप पर शामिल हैं. फिल्म से जुडे. सूत्रों के मुताबिक, 'अभी करण वीर मेहरा विलेन बनेंगे या नहीं, इसकी कोई कंफर्मेशन नहीं है. मगर उनके बारे में सोचा जरूर जा रहा है. उन्होंने हाल ही में अपनी अपकमिंग फिल्म सिला में अपने ट्रांसफॉर्मेशन से इंडस्ट्री में मौजूद लोगों को इंप्रेस किया है.'

'डॉन 3' की कास्टिंग पब्लिक के लिए किसी मिस्ट्री की तरह बन चुकी है जो सुलझानी बहुत मुश्किल हो गई है. फिल्म में रणवीर सिंह के अलावा इसकी मेन लीड एक्ट्रेस और विलेन पर पेंच काफी समय से फंसता नजर आया है. कियारा आडवाणी पहले रणवीर के साथ कास्ट हुई थीं लेकिन प्रेग्नेंसी के कारण वो इससे बाहर हो गईं. अब उनकी जगह फाइनली कृति सेनन को कास्ट किया गया है. विक्रांत मैसी भी अचानक प्रोजेक्ट छोड़ चुके हैं. करण वीर बिग बॉस 18 के विनर हैं और टीवी में भी अच्छे सीरियल्स का हिस्सा रह चुके हैं. वो फिल्मों में भी नजर आए थे मगर उन्हें उतनी सफलता नहीं मिली थी. अब वो हर्षवर्धन राणे और सादिया खातिब के साथ फिल्म सिला में नजर आएंगे जिसमें वो विलेन बने हैं. देखना दिलचस्प रहेगा कि क्या वो रणवीर सिंह के सामने विलेन बनकर आएंगे या नहीं.

'हमारे राम' में रावण बने आशुतोष राणा, कहा- 'एक अभिनेता के तौर पर मैं यह किरदार निभाना चाहता था...'

अभिनेता आशुतोष राणा बॉलीवुड में कई किरदार निभाने के लिए मशहूर रहे हैं। फिल्मों में उन्होंने सबसे ज्यादा नेगेटिव गिरदार निभाए हैं। अनुभवी अभिनेता इन दिनों नाटक 'हमारे राम' में रावण की भूमिका निभाकर मंच पर सबका दिल जीत रहे हैं। अपने अनुभव के बारे में बताते हुए, राणा ने बताया कि यह नाटक मनोरंजन से कहीं ज्यादा है। उन्होंने नाटक 'हमारे राम' में रावण की भूमिका और उसके महत्व के बारे में बात की है।

भगवान राम मारने के लिए नहीं आए थे

आशुतोष राणा ने कहा 'अगर हम अपनी जिंदगी में भगवान राम की इस कहानी को अपनाते हैं, तो जिंदगी की सारी परेशानियां दूर हो जाती हैं। ये अद्भुत महाकाव्य उस दिव्य चरित्र पर आधारित है। राम किसी को मारने के लिए नहीं, तारने के लिए नारायण से नर के रूप में अवतरित हुए थे।'

एक से लेकर चार बार तक नाटक को देख रहे दर्शक

उन्होंने आगे कहा 'हम सभी के लिए यह खुशी का विषय है कि मात्र 14 महीनों की अवधि में, हमने जयपुर में इसका 261वां शो किया है। हम इस नाटक का प्रदर्शन भारत के लगभग 15 राज्यों में कर चुके हैं। अब अगस्त के दूसरे सप्ताह में हमें इस महाकाव्य के साथ दुबई जाना है। तो, यह भगवान का बहुत बड़ा आशीर्वाद है कि इस नाटक को लोग स्वीकार कर रहे हैं, और वे इसे दो बार, तीन बार और यहां तक कि चौथी बार भी देखने आते हैं। अगर किसी कथा में कोई रस है, किसी प्रस्तुति में आनंद है तो लोग बार-बार उसे देखने आते हैं। एक अभिनेता के तौर पर, मैं रावण का किरदार निभाना चाहता था...'

'हमारे राम' में हैं ये अभिनेता

आपको बता दें 'हमारे राम' में आशुतोष राणा, राहुल भुचर, दानिश अख्तर, तरुण खन्ना, हरलीन कौर और करण शर्मा अहम भूमिकाओं में हैं।

आशुतोष राणा का वर्कफ्रंट

आशुतोष राणा 'पठान', 'वॉर', 'हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया', 'धड़क', 'सिम्बा' और 'राज' जैसी कई फिल्मों में भी नजर आ चुके हैं। वह अगली बार निर्देशक अयान मुखर्जी की एक्शन थ्रिलर फिल्म 'वॉर 2' में नजर आएंगे। इस फिल्म में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर मुख्य भूमिकाओं में हैं।

वह 'हीर एक्सप्रेस' में भी नजर आएंगे। यह फिल्म इसी साल 8 अगस्त को रिलीज होगी।

भतीजे अहान की 'सैयारा' को मिला दर्शकों का प्यार खुश हुए चंकी पांडे, कपूर-खान्स को इशारों में कही ये बात!

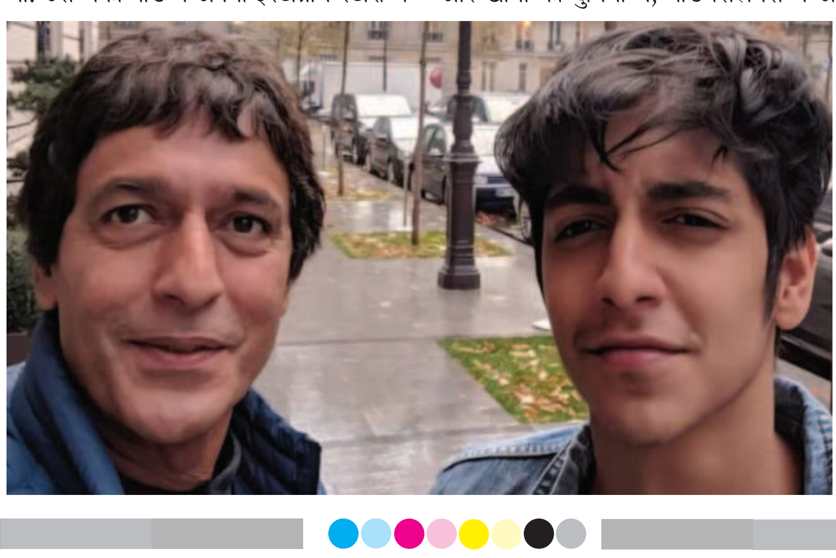

बॉलीवुड में कई सालों बाद एक ऐसी लव स्टोरी बेस्ड फिल्म आई है, जिसने फैंस को सिनेमाघरों में जाने पर मजबूर कर दिया है. मोहित सूरी के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'सैयारा' को ऑडियंस का जबरदस्त प्यार मिल रहा है. महज दो दिन में इस फिल्म ने करीब 45 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है. वहीं एक्टर चंकी पांडे अपने परिवार के बढ़ते स्टारडम से जुड़ी एक पोस्ट को लाइक-कमेंट करने के कारण सुर्खियों में छा गए है.

बता दें कि चंकी पांडे फिल्म 'सैयारा' को ऑडियंस की तरफ से मिल रहे रिस्पॉन्स को देख काफी गदगद हैं और हो भी क्यों ना क्योंकि ये उनके भतीजे अहान पांडे की डेब्यू फिल्म हैं. हाल ही में चंकी पांडे ने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म सैयारा जुड़ी पोस्ट शेयर की, जिसमें पांडे परिवार की तारीफ की गई थी.

कपूर-खान पर चंकी पांडे का निशाना?

हाल ही में एक फिल्म क्रिटिक ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट शेयर की थी. जिसमें पांडे परिवार की तारीफ की गई थी और कपूर-खान पर इनडायरेक्ट तंज कसा गया था. उसे चंकी पांडे ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में न सिर्फ शेयर किया बल्कि कमेंट करते हुए हार्ट इमोजी देकर पोस्ट का खुलकर सपोर्ट भी किया. बता दें कि उस पोस्ट का कैप्शन था- 'कपूर और खानों की दुनिया में, पांडे सिलेबस में आ गए और मैं मजाक नहीं कर रहा हूं'.

कपूर-खान्स पर चंकी पांडे ने शेयर की स्टोरी

इस इंस्टाग्राम पोस्ट पर इस बात की भी बहस छिड़ गई कि कौन-सा नेपो-किड असल में एक अच्छा एक्टर है. इसके अलावा यूजर्स इस पर भी चर्चा करने लग गए कि कपूर और खान को पांडे परिवार टक्कर देने को तैयार हैं. यह पोस्ट इंस्टाग्राम पर तेजी से वायरल हो रहा है.

सैयारा ने अबतक कितनी कमाई की?

फिल्म 'सैयारा' की बॉक्स ऑफिस पर दूसरे दिन भी धुआंधार कमाई जारी है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने शनिवार को करीब 24 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. जबकि पहले दिन इस फिल्म की कमाई 21 करोड़ रुपये हुई थी. फिल्म ने दो दिन में ही 45 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है. उम्मीद जताई जा रही है रविवार की इस फिल्म की कमाई में और इजाफा होगा.

मानसून में दिखना चाहते हैं कुछ हट कर तो पुरुष फॉलो करें ग्रूमिंग टिप्स, नहीं हटेगी किसी की नजर

मानसून के मौसम में खुद को स्टाइलिश और स्मार्ट लुक देने के लिए पुरुष काफी कोशिश करते हैं. लेकिन उमस और पसीने की वजह से कई बार आपकी सारी कोशिश कम पड़ जाती हैं. ऐसे में कुछ खास ग्रूमिंग टिप्स फॉलो करके आप स्मार्ट और स्टाइलिश नजर आ सकते हैं.

वैसे तो हर कोई खुद को कुछ अलग और स्टाइलिश दिखाना चाहता है. लेकिन मानसून का सीजन काफी उमस भरा होता है. इस मौसम में कितना भी फैशन कर लिया जाये गर्मी और पसीने की वजह से सब बेकार ही नजर आता है. ऐसे में कूल डूड दिखने के लिए पुरुष कुछ मानसून ग्रूमिंग टिप्स फॉलो कर सकते हैं. आइये जानते हैं इनके बारे में.

फ्रेश रहें

मानसून के सीजन में उमस और गर्मी की वजह से शरीर से पसीना आना बेहद आम बात है. लेकिन पसीने की दुर्गन्ध आपके लिए शर्मिंदगी की वजह भी बन सकती है. ऐसे में पसीने की दुर्गन्ध को दूर रखने के लिए सिर्फ डिओडोरेंट की जगह एंटीपर्सपिरेंट का ऑप्शन चुने और हर पल महकते रहें.

सही कपड़ों का चुनाव भी है जरूरी

बारिश के मौसम में डेनिम जैसे हैवी कपड़े पहनने से आपको बचना चाहिए. इसमें पसीना जल्दी नहीं सूखता है, साथ ही बारिश में भीगने पर भी इनको सुखाना मुश्किल हो जाता है. ऐसे में पॉलिएस्टर और नायलॉन जैसे जल्दी सूखने वाले कपड़े कैरी करना आपके लिए बेहतर ऑप्शन हो सकता है.

स्किन और बालों का रखें ख्याल

मानसून में स्किन और बालों का ख्याल रखना भी जरूरी है. नमी की वजह से कुछ लोगों की स्किन ड्राई हो जाती है जो देखने में अच्छी नहीं लगती है. इसलिए स्किन को हाइड्रेटेड रखने के लिए लाइट नॉन ग्रीसी मॉइस्चराइज़र का इस्तेमाल करें. इसके साथ ही बालों को फ़्रीजीनेस से बचाने के लिए शॉर्ट हेयर कट चुनें और एंटी-फ्रिजी प्रोडक्ट्स या हेयर सीरम इस्तेमाल करें.

फुट केयर भी है जरूरी

बारिश के मौसम में पसीना और नमी की वजह से कई बार पैरों से दुर्गन्ध भी आने लगती है. जो आपकी पर्सनालिटी को डाउन करने का काम कर सकती है. ऐसे में अपने पैरों को साफ और सूखा रखने की कोशिश करें, साथ ही ऐसे शूज कैरी करें जो आपके पैरों को बारिश से बचाने में मदद कर सकें.

हाइड्रेटेड रहें

बारिश कितनी भी क्यों न हो पर पानी का सेवन आपको समय-समय पर करते रहना चाहिए. दरअसल गर्मी और उमस के चलते पसीना निकलने की वजह से बॉडी में पानी की कमी होने लगती है और चेहरे की चमक फीकी पड़ने लगती है. साथ ही फ्रेशनेस भी बॉडी में नहीं रहती है. इसलिए खुद को हाइड्रेटेड जरूर रखें.

स्पोर्ट्स के फील्ड में ये टॉप हाई पेइंग जॉब

खेल के मैदान पर जूझते हुए खिलाड़ी सभी को दिखते हैं. लेकिन पर्दे के पीछे फिजियो से लेकर कमेंटेटर तक तमाम और लोग काम कर रहे होते हैं. इनके बिना खेल की कल्पना करना मुश्किल है. इसलिए खेल में रुचि वाले लोगों के लिए स्पोर्ट्स इंडस्ट्री में चमकता हुआ करियर है. स्पोर्ट्स इंडस्ट्री में काम करके लाखों-करोड़ों रुपये कमा सकते हैं. आज हम लोग जानेंगे स्पोर्ट्स इंडस्ट्री में करियर ऑप्शन के बारे में.

स्पोर्ट्स न्यूट्रिशनिस्ट

एक स्पोर्ट्स न्यूट्रिशनिस्ट का काम खिलाड़ियों के लिए उनकी स्ट्रेंथ और ट्रेनिंग प्रोग्राम के अनुसार डाइट और न्यूट्रिशन प्लान तैयार करना है. एक स्पोर्ट्स न्यूट्रिशनिस्ट प्रतिवर्ष औसतन 450,000 रुपये कमा सकता है. इसके लिए स्पोर्ट्स साइंस में बैचलर डिग्री या पोस्ट ग्रेजुएशन किया होना चाहिए.

एक्सरसाइज फिजियोलॉजिस्ट

एक एक्सरसाइज फिजियोलॉजिस्ट हर महीने औसतन 45000 रुपये कमाता है. अनुभव और स्किल बढ़ने के साथ यह कमाई करोड़ों भी हो सकती है. एक एक्सरसाइज फिजियोलॉजिस्ट का काम खिलाड़ियों का परफॉर्मेंस, फिटनेस लेवल, स्ट्रेंट एवं फ्लैक्सिबिलिटी बढ़ाने के लिए ट्रेनिंग प्लान तैयार करता है. साथ ही वह खिलाड़ियों को चोटिल होने और अगर खिलाड़ी चोटिल है तो उससे उबरने में भी मदद करता है.

स्पोर्ट्स इवेंट कोऑर्डिनेटर

एक स्पोर्ट्स इवेंट कोऑर्डिनेट की किसी खेल के सफलतापूर्वक आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका होती है. स्पोर्ट्स कोऑर्डिनेटर स्पोर्ट्स इवेंट के सभी फेज के इवेंट को कोऑर्डिनेट करता है. वह वैन्यू बुकिंग, वेंटर मैनेजमेंट, मीडिया के साथ कोऑर्डिनेशन व एंटरटेनमेंट परफॉर्मेंस के अरेंजमेंट जैसे काम करता है. इसके अलावा सिक्योरिटी, रजिस्ट्रेशन, टिकटिंग, मीडिया, ट्रांसपोटेशन और क्राउडमैनेजमेंट आदि की भी जिम्मेदारी निभाता है. एक स्पोर्ट्स कोऑर्डिनेटर की औसत सैलरी आठ से 10 लाख रुपये सालाना होती है.

स्पोर्ट्स मसाज थेरेपिस्ट

स्पोर्ट्स मसाज थेरेपिस्ट की भी स्पोर्ट्स इंडस्ट्री में काफी मांग है. इनका काम स्पोर्ट्स एक्टिविटी एवं इवेंट के पहले और बाद में एथलीट्स को मसाज थेरेपी और ट्रीटमेंट देना होता है. इसका मुख्य मकसद खिलाड़ियों को चोटिल होने से बचाना, खेल के दौरान लगी किसी चोट का इलाज करना, फ्लैक्सिबिलिटी को बढ़ाना और मांसपेशियों में किसी भी दर्द या तनाव को कम करना है. स्पोर्ट्स मसाज थेरेपिस्ट बनने के लिए स्पोर्ट्स मसाज में डिप्लोमा किया जा सकता है.

स्पोर्ट्स एनालिस्ट

एक स्पोर्ट्स एनालिस्ट के रूप में हर साल 30 से 35 लाख रुपये प्रति वर्ष कमाए जा सकते हैं. यह सैलरी एंट्री लेवल स्पोर्ट्स एनालिस्ट की है. स्पोर्ट्स एनालिस्ट की जॉब सबसे अधिक टीवी के स्पोर्ट्स चैनलों पर मिलती है. जहां खिलाड़ियों के परफॉर्मेंस का आंकलन उसके स्टैटिक्स के आधार पर किया जाता है.

बनना चाहती हैं इंडिपेंडेंट तो महिलाएं इन चीजों पर करें फोकस

महिलाओं के लिए आत्मनिर्भर बनने का रास्ता कई बार काफी मुश्किल होता है. ऐसे में इंडिपेंडेंट बनने के लिए ज्यादातर महिलाओं को काफी मेहनत करनी पड़ती है. इसलिए आज हम आपको बताते हैं कि आत्मनिर्भर बनने के लिए किन बातों पर फोकस करना जरूरी होता है. कई बार चाहकर भी महिलाएं आत्मनिर्भरता की ओर कदम नहीं बढ़ा पाती हैं. ऐसा इसलिए क्योंकि बहुत सी महिलाओं के लिए इंडिपेंडेंट होना काफी मुश्किल भरा टास्क होता है. ऐसे में अगर आप कुछ चीजों पर फोकस करते हुए आगे कदम बढ़ाती हैं, तो आत्मनिर्भर बनने का आपका रास्ता आसान हो सकता है. तो आइये जानते हैं इसके बारे में.

सेल्फ कॉन्फिडेंस होना है जरूरी

आत्मनिर्भर बनने के लिए आपका आत्मविश्वासी होना बहुत जरूरी है. इंडिपेंडेंट बनने के लिए ये आपका पहला कदम हो सकता है. ऐसे में जरूरी है कि सेल्फ कॉन्फिडेंस को बूस्ट करने की कोशिश करें. साथ ही प्रोफेशनल लाइफ से लेकर पर्सनल लाइफ तक के डिसीजन आप खुद पूरे विश्वास के साथ लेने का प्रयास करें. इतना ही नहीं अगर कोई फैसला गलत भी होता है, तो इसकी जिम्मेदारी किसी और पर न डालकर आप खुद ही लें.

फैसले लेना सीखें

ज्यादातर घरों में महिलाएं हर छोटा-बड़ा फैसला घर में किसी न किसी से पूछ कर ही लेती हैं. ऐसे में उनको फैमली मेम्बर्स या पार्टनर पर निर्भर रहने की आदत हो जाती है. लेकिन आत्मनिर्भर बनने के लिए जरूरी है कि आप खुद में डिसीजन मेकिंग स्किल को डेवलप करने की कोशिश करें. जिससे आप जरूरत पड़ने पर खुद फैसला लेने में सक्षम रहें.

भावनात्मक रूप से मजबूत बनें

आत्मनिर्भर बनने के लिए आपका भावनात्मक रूप से मजबूत बनना भी बहुत जरूरी है. इसलिए अपनी खुशी के लिए किसी और पर निर्भर रहने की जगह अपनी केयर खुद करना सीखें. इस तरह से आप किसी पर इमोशनली डिपेंडेंट नहीं रहेंगी और खुद को मेंटली और इमोशनली स्ट्रांग रखने में कामयाब हो सकेंगी.

फाइनेंस मैनेज करना सीखें

बहुत सी महिलाएं जॉब करने के बाद भी अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग के लिए दूसरों पर ही डिपेंडेंट रहती हैं. वहीं ज्यादातर महिलाएं फाइनेंस से जुड़े डिसीजन बिना किसी की इजाजत के लेने में हिचकिचाने लगती हैं. जबकि आत्मनिर्भर बनने के लिए जरूरी है कि अपने बजट से लेकर इंवेस्टमेंट तक का हिसाब आप खुद रखें. इसलिए इंडिपेंडेंट बनने के लिए अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग खुद करना सीखें

करियर प्लानिंग पर ध्यान देना जरूरी

सीईटी एक तरह से प्रारंभिक परीक्षा होगी जिससे कैंडिडेट्स की स्क्रीनिंग की जा सकेगी. इससे उम्मीदवारों को छांटा जाएगा. सीईटी एक तरह से प्रारंभिक परीक्षा होगी जिससे कैंडिडेट्स की स्क्रीनिंग की जा सकेगी. इससे उम्मीदवारों को छांटा जाएगा.

आजकल हर कोई चाहता है कि उसका करियर लंबे समय तक चले और सुरक्षित भी रहे. इसलिए करियर प्लानिंग पर ध्यान देना जरूरी हो गया है. सबसे जरूरी बात है कि अब हर 5-6 साल में मार्केट की जरूरतें बदल रही हैं. इसलिए लांग टर्म करियर प्लानिंग के लिए भी छोटे-छोटे गोल्स बनाना जरूरी है. छोटे गोल्स को पूरा करते हुए लॉन्ग टर्म करियर की तरफ बढ़ें. इसके लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि आप अपनी स्किल्स को इम्प्रूवकरते रहें. चलिए

जानते हैं करियर को बेहतर बनाने के कुछ महत्वपूर्ण टिप्स .

1. अपनी जॉब और फ्यूचर टारगेट को समझें:

लॉन्ग टर्म करियर के लिए अपनी प्रेजेंट जॉब और फ्यूचर टारगेट को अच्छे से समझना बहुत जरूरी है. इसके लिए हर छठे महीने अपनी करंट जॉब और फ्यूचर जॉब के अंतर की समीक्षा करें.

2. लॉन्ग टर्म के लिहाज से करें प्लानिंग:

हर कोई अपने करियर में आगे बढ़ना चाहता है. इसलिए अपने करियर के लिए लॉन्ग टर्म प्लानिंग करें. खुद के लिए टारगेट सेट करें कि 5 साल बाद आप खुद को कहां देखना चाहते हैं. उस समय आपके पास क्या स्किल्स होनी चाहिए. आपको अपने अंदर क्या इम्प्रूवमेंट लाने हैं. तभी आप उस टारगेट तक पहुंच पाएंगे.

3. स्किल्स बढ़ाते रहें:

आजकल ऑनलाइन कोर्सेज का जमाना है. इसलिए करियर में आगे बढ़ने के लिए ये बहुत जरूरी हो गया है कि आप छोटे-छोटे कोर्स करके अपनी स्किल्स को बढ़ाते रहें. खासतौर पर आपकी कंप्यूटर स्किल्स पर ध्यान देना जरूरी है.

4. जॉब में अनुभव होना जरूरी:

आजकल किसी भी जॉब में अनुभव होना बहुत जरूरी हो गया है. इसलिए आप जहां भी जॉब करें वहां खुद को कम से कम एक साल का समय जरूर दें. ये समय और अनुभव लॉन्ग टर्म करियर के लिए आपकी सहायता करेगा.

बातचीत में न करें ये गलतियां

आप किससे कैसे बात करते हैं, इसका बहुत असर आपकी प्रोफैशनल और पर्सनल लाइफ पर पड़ता है। आपको वे गलतियां बता रहे हैं जो लोग अक्सर बातचीत के दौरान करते हैं।

आदेश देना

जब हमें किसी से कोई बात मनवानी होती है या अपना कोई काम करवाना होता है तो हमें कोशिश करनी चाहिए कि हमारी बातचीत के लहजे से यह बिल्कुल न लगे कि हम किसी को कोई आदेश दे रहे हैं। अगर सामने वाले व्यक्ति को हमारे लहजे में ऐसा लगा कि आप उसे आदेश दे रहे हैं तो मुमकिन है कि वह हमारे काम को करने से मना कर दे।

किसी से जबरदस्ती हां बुलवाने की कोशिश

जब आप किसी से भी बातचीत करते हैं तो आपको ध्यान देना चाहिए कि आप किसी भी व्यक्ति को जबरदस्ती अपनी बातों में हां में हां बुलवाने के लिए फोर्स न करें। मुमकिन है कि इससे सामने वाला व्यक्ति आपसे चिढ़ जाए। सामने वाले का नाम नहीं लेना

ये गलती बहुत ही आम है। हम अक्सर बातचीत के वक्त सामने वाले व्यक्ति का नाम नहीं लेते हैं। हालांकि, अगर आप किसी से प्रभावशाली बातचीत करना चाहते हैं तो आपको सामने वाले व्यक्ति को नाम से बुलाना चाहिए।

लोगों को बीच में टोकना

आपको सामने वाले की पूरी बात सुननी चाहिए और उसके बाद ही कोई राय देनी चाहिए। अगर आप बातचीत के दौरान ही व्यक्ति को टोकते हैं तो हो सकता है कि आप उसे नाराज कर दें।

सीएचएसएल 2025 से लागू होगा नया नियम! दिव्यांग उम्मीदवारों को दिखाना होगा असली प्रमाणपत्र

कर्मचारी चयन आयोग ने एक नया नियम लागू किया है। अब अगर पीडब्ल्यूबीडी/पीडब्ल्यूडी उम्मीदवार परीक्षा में स्क्राइब सेवा या अतिरिक्त (प्रतिपूरक) समय लेना चाहते हैं, तो उन्हें अपना मूल विकलांगता प्रमाणपत्र परीक्षा केंद्र पर लाना अनिवार्य होगा।

यह नियम चयन पद चरण XIII और आगामी CHSL 2025 परीक्षा से लागू होगा। यह फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि कई बार बिना वैध दस्तावेज के उम्मीदवारों ने सुविधाओं का गलत फायदा उठाने की कोशिश की थी।

आवेदन के समय दस्तावेज अपलोड की शर्त

अब चयन पद परीक्षा चरण XIII, 2025 से एक नया नियम लागू हुआ है, जिसके तहत यदि कोई उम्मीदवार दिव्यांगता का दावा करता है, तो उसे आवेदन पत्र जमा करते समय ही संबंधित प्रमाणपत्र या दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड करना अनिवार्य है।

लेकिन कई उम्मीदवारों ने दस्तावेज अपलोड नहीं किए, जिसके चलते आयोग ने तय किया है कि ऐसे उम्मीदवारों को प्रतिपूरक समय या स्क्राइब सुविधा नहीं दी जाएगी, जब तक वे परीक्षा केंद्र पर वैध दस्तावेज प्रस्तुत न करें।

परीक्षा केंद्र पर मूल प्रमाणपत्र लाना अनिवार्य

वे सभी दिव्यांग उम्मीदवार जिन्होंने ऑनलाइन आवेदन के दौरान अतिरिक्त समय या स्क्राइब की मांग की है और दस्तावेज अपलोड भी कर दिए हैं, उन्हें अब परीक्षा के दिन अपना मूल प्रमाणपत्र साथ लाना अनिवार्य होगा। अगर कोई उम्मीदवार मूल प्रमाणपत्र नहीं लाता, तो उसे न तो अतिरिक्त समय मिलेगा और न ही स्क्राइब की सुविधा। आयोग का यह फैसला परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और निष्पक्षता लाने के उद्देश्य से लिया गया है।

पहले परीक्षाओं में नहीं थी सख्ती?

एसएससी द्वारा पहले आयोजित की गई परीक्षाओं में अगर कोई उम्मीदवार दृष्टिबाधित (VH), दोनों हाथों से कमजोर (BA) या मस्तिष्क पक्षाघात (CP) से पीड़ित होता था, तो उसे अतिरिक्त समय और स्क्राइब (लेखक) की सुविधा मिल जाती थी। इसके लिए परीक्षा केंद्र पर कोई दस्तावेज दिखाना जरूरी नहीं होता था। लेकिन जिन उम्मीदवारों ने सिर्फ यह कहा कि वे लिखने में असमर्थ हैं, उन्हें अपनी बात साबित करने के लिए अनुलग्नक-I या अनुलग्नक-IA जैसे सहायक दस्तावेज परीक्षा में साथ लाने पड़ते थे।

इंटेलिजेंस ब्यूरो में 3700+ सरकारी नौकरियां! आवेदन प्रक्रिया शुरू

सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए एक सुनहरा मौका सामने आया है। इंटेलिजेंस ब्यूरो ने असिस्टेंट सेंट्रल इंटेलिजेंस ऑफिसर ग्रेड-II/एग्जीक्यूटिव के 3717 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया आज 19 जुलाई 2025 से शुरू कर दी है। इच्छुक और पात्र उम्मीदवार 10 अगस्त 2025 तक आधिकारिक वेबसाइट www.mha.gov.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

रिक्तियों का वर्गवार विवरण

श्रेणी	पदों की संख्या
सामान्य	1537
आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	442
अन्य पिछड़ा वर्ग	946
अनुसूचित जाति	566
अनुसूचित जनजाति	226
कुल पद	3717

शैक्षणिक योग्यता

असिस्टेंट सेंट्रल इंटेलिजेंस ऑफिसर (ACIO) भर्ती 2025 के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। इसके साथ ही अभ्यर्थियों को बेसिक कंप्यूटर नॉलेज भी होनी चाहिए, जो ऑफिस संबंधित कार्यों के लिए आवश्यक होगी।

आयु सीमा

इस भर्ती प्रक्रिया में आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 27 वर्ष निर्धारित की गई है। आयु की गणना 10 अगस्त 2025 की तिथि को आधार मानकर की जाएगी। आरक्षित वर्गों को सरकार के नियमानुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

चयन प्रक्रिया में तीन चरण

उम्मीदवारों का चयन तीन चरणों में होगा। टियर-I (ऑब्जेक्टिव टेस्ट), टियर-II (वर्णनात्मक परीक्षा) और टियर-III (इंटरव्यू)। टियर-I में 100 अंकों का बहुविकल्पीय प्रश्नपत्र होगा, जिसमें जनरल अवेयरनेस, क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड, लॉजिकल रीजनिंग, इंग्लिश और जनरल स्टडीज से सवाल पूछे जाएंगे। इस परीक्षा के लिए उम्मीदवारों को 60 मिनट का समय दिया जाएगा।

टियर-II परीक्षा 50 अंकों की होगी, जिसमें निबंध लेखन (30 अंक) और अंग्रेजी समझ व संक्षेप लेखन (20 अंक) शामिल होंगे। इसके बाद टियर-III यानी इंटरव्यू चरण होगा, जो कि 100 अंकों का होगा।

वेतन विवरण

असिस्टेंट सेंट्रल इंटेलिजेंस ऑफिसर ग्रेड-II (एग्जीक्यूटिव) पद पर चयनित उम्मीदवारों को लेवल-7 के अंतर्गत वेतनमान मिलेगा, जो कि 44,900 से 1,42,400 प्रतिमाह के बीच होगा। इसके अलावा केंद्र सरकार द्वारा मान्य सभी भत्ते भी प्रदान किए जाएंगे।

आवेदन कैसे करें?

सबसे पहले www.mha.gov.in पर जाएं।

अब IB ACIO Recruitment 2025 लिंक पर क्लिक करें।

रजिस्ट्रेशन करें और लॉगिन करें।

आवेदन फॉर्म सावधानीपूर्वक भरें।

आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें।

आवेदन शुल्क का भुगतान करें।

फॉर्म सबमिट कर उसका प्रिंट निकालें।

सैनिक स्कूल में टीजीटी-पीजीटी शिक्षकों की भर्ती, सैलरी 54,500 तक

सैनिक स्कूल भुवनेश्वर ने टीजीटी-पीजीटी शिक्षक के पदों पर भर्ती निकाली है। यह भर्ती गणित, जीव विज्ञान और सामाजिक विज्ञान विषयों के लिए हैं। अगर आपने बीएड किया है और एक नौकरी की तलाश में हैं, तो यह आपके लिए शानदार अवसर हो सकता है।

सैनिक स्कूल भुवनेश्वर (ओडिशा) ने टीजीट-पीजीटी शिक्षक के कुल तीन पदों को भरने के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन मांगे हैं। अधिसूचना के मुताबिक, 2 पद पीजीटी (जीव विज्ञान और समाजिक विज्ञान) के लिए और 1 पद टीजीटी (गणित) के लिए है। इन पदों के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 8 अगस्त 2025 है।

पीजीटी (जीव विज्ञान) भर्ती नियमित आधार पर होगी। जबकि टीजीटी (गणित) और पीजीटी (सामाजिक विज्ञान) के पद पर भर्ती संविधा के आधार पर की जाएगी। इन पदों पर आवेदन के लिए आयुसीमा 21 से 40 वर्ष निर्धारित की गई है।

पात्रता मानदंड

इस भर्ती के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के पास एनसीटीई द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से संबंधित विषय में स्नातक की डिग्री होनी चाहिए, जिसमें बीएड घटक भी शामिल हो। इसके अलावा, ज्वाइंट डिग्री वाले भी आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे विस्तृत विवरण के लिए आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध अधिसूचना अवश्य पढ़ें।

आयुसीमा

आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के लिए न्यूनतम आयुसीमा 21 वर्ष निर्धारित की गई है। अधिकतम आयुसीमा पीजीटी (जीव विज्ञान) के लिए 40 वर्ष, टीजीटी (गणित) और पीजीटी (सामाजिक विज्ञान) के लिए 35 वर्ष निर्धारित की गई है।

चयन प्रक्रिया

योग्य उम्मीदवारों का चयन लिखित परीक्षा, कौशल परीक्षा और साक्षात्कार में प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा। लिखित परीक्षा में न्यूनतम आवश्यक अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को ही आगे की प्रक्रिया के लिए योग्य माना जाएगा।

400 रुपये का आवेदन शुल्क देना होगा

इस भर्ती के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को 400 का रुपये का गैर-वापसी योग्य आवेदन शुल्क का भुगतान करना होगा। शुल्क का भुगतान ऑनलाइन किया जाएगा। महिला, एससी, एसटी श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों को आवेदन शुल्क के भुगतान से छूट दी गई है।

आवेदन कैसे करें?

इस भर्ती के लिए आवेदन करने के इच्छुक उम्मीदवारों को यहां बताए तरीक से निर्धारित अंतिम तिथि से पहले-पहले पंजीकरण करना होगा और भरा हुआ आवेदन पत्र जमा करना होगा। आधिकारिक नोटिस के अनुसार, पात्र उम्मीदवार sainikschoolbhubaneswar.edu.in पर उपलब्ध निर्धारित प्रारूप में प्रधानाचार्य, सैनिक स्कूल भुवनेश्वर, डाकघर - सैनिक स्कूल, भुवनेश्वर, जिला खुर्दा, ओडिशा 751005 को आवेदन कर सकते हैं।

एसबीआई ने फिक्स्ड डिपॉजिट की ब्याज दरों में कटौती की

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। सरकार ने जुलाई-सितंबर के लिए स्मॉल सेविंग स्कीम्स की ब्याज दरों में बदलाव नहीं किया है। यानी आपको पहले जितना ही ब्याज मिलता रहेगा। अगर आप इन दिनों फिक्स्ड डिपॉजिट कराने का प्लान बना रहे हैं तो तो इससे पहले पोस्ट ऑफिस की किसान विकास पत्र स्कीम की ब्याज दर के बारे में भी जान लेना चाहिए।

पोस्ट ऑफिस की इस स्कीम में सालाना 7.5% ब्याज मिल रहा है। वहीं देश के सबसे बड़े बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट की ब्याज दरों में कटौती की है।

एक व्यक्ति से दूसरे के नाम ट्रांसफर कर सकते हैं अकाउंट

इसमें एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को यह सर्टिफिकेट ट्रांसफर किया जा सकता है। एक पोस्ट ऑफिस से दूसरे पोस्ट ऑफिस में भी इसे ट्रांसफर किया जा सकता है।

जॉइंट अकाउंट खोलने की भी मिलती है सुविधा

किसान विकास पत्र में निवेश करने वाले की उम्र कम से कम 10 साल होना जरूरी है। इसमें सिंगल अकाउंट के अलावा जॉइंट अकाउंट की भी सुविधा है। योजना में 10 साल से कम उम्र नाबालिग भी शामिल हो सकते हैं, लेकिन इसकी देखरेख उनके पेरेंट्स को करनी होगी।

इसमें ढाई साल का रहता है लॉक इन पीरियड

अगर आप अपना निवेश निकालना चाहते हैं तो आपको कम से कम ढाई साल (30 महीने) का इंतजार करना होगा। इसमें ढाई साल का लॉक इन पीरियड रखा गया है। यानी आप इतने साल तक इस स्कीम से पैसा नहीं निकाल सकते हैं।

भारत डिजिटल पेमेंट में दुनिया में नंबर-1

यूपीआई से हर महीने 1800 करोड़ से ज्यादा ट्रांजैक्शन हो रहे

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। भारत ने फास्ट और सिक्योर डिजिटल पेमेंट सेक्टर में दुनिया में पहला स्थान हासिल कर लिया है। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस की बदौलत भारत ने डिजिटल ट्रांजैक्शन में यह मुकाम हासिल किया है।

2016 में नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा शुरू किया गया यूपीआई आज देश में पैसे के लेन-देन का सबसे आसान और पॉपुलर तरीका बन चुका है। यूपीआई की मदद से लोग एक ही मोबाइल एप से अपने कई बैंक अकाउंट को जोड़ सकते हैं और कुछ ही सेकेंड में सुरक्षित, कम लागत वाले लेनदेन कर सकते हैं।

यूपीआई से हर महीने 1800 करोड़ से ज्यादा ट्रांजैक्शन होते हैं

एक रिपोर्ट के अनुसार, यूपीआई से हर महीने 18 बिलियन यानी 1800 करोड़ से ज्यादा ट्रांजैक्शन होते हैं। जून 2024 में यूपीआई ने 18.39 बिलियन यानी 1839 करोड़ ट्रांजैक्शन के साथ 24.03 लाख करोड़ रुपए का कारोबार किया, जो पिछले साल जून 2023 के 13.88 बिलियन ट्रांजैक्शन (1388 करोड़) की तुलना में 32% की ग्रोथ को दर्शाता है।

यूपीआई ने भारत को डिजिटल-डोमिनेटेड इकोनॉमी की ओर बढ़ाया

'यूपीआई ने भारत को कैश और कार्ड बेस्ड पेमेंट से दूर ले जाकर डिजिटल-डोमिनेटेड इकोनॉमी की ओर बढ़ाया है।' यह मंच न केवल बड़े बिजनेस के लिए, बल्कि छोटे दुकानदारों और आम लोगों के लिए फाइनेंशियल इंक्लूजन का एक मजबूत साधन बन गया है।

भारत में 85% डिजिटल पेमेंट यूपीआई के जरिए हो रहे

आज भारत में 85% डिजिटल पेमेंट यूपीआई के जरिए हो रहे हैं, जिसमें 49.1 करोड़ यूजर्स, 6.5 करोड़ बिजनेसमैन और 675 बैंक एक ही प्लेटफॉर्म पर जुड़े हैं।

इतना ही नहीं, यूपीआई अब ग्लोबल लेवल पर भी लगभग 50% रियल-टाइम डिजिटल पेमेंट्स को संभाल रहा है।

भारत से बाहर भी हो रहा यूपीआई का इस्तेमाल

यूपीआई का प्रभाव अब भारत की सीमाओं से बाहर भी दिख रहा है। यह सात देशों- संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस और मॉरीशस में भी अवेलेबल है। फ्रांस में यूपीआई की शुरुआत इसके यूरोप में पहले कदम का प्रतीक है, जिससे विदेश में रहने या ट्रैवल करने वाले भारतीयों के लिए पेमेंट करना आसान हो गया है।

'यह सिर्फ आंकड़ों की बात नहीं है, बल्कि यह भारत के डिजिटल फ्रेमवर्क पर बढ़ते भरोसे और कैशलेस इकोनॉमी की ओर तेजी से बढ़ते कदमों को दर्शाता है।'

यूपीआई ने न केवल लेनदेन को आसान बनाया है, बल्कि छोटे व्यापारियों और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी डिजिटल इकोनॉमी से जोड़ा है। यूपीआई की यह सफलता भारत को टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन और फाइनेंशियल इंक्लूजन में ग्लोबल लीडर के रूप में स्थापित कर रही है।

इस हफ्ते 732 महंगा हुआ सोना, चांदी 2,410 चढ़ी, सोना इस वर्ष 22,081 महंगा हुआ

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। इस हफ्ते सोने-चांदी में तेजी रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार पिछले हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार, 11 जुलाई को सोना 97,511 रुपए पर था, जो अब (18 जुलाई) को 98,243 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यानी हफ्तेभर में इसकी कीमत 732 रुपए बढ़ी है। वहीं, चांदी की बात करें तो ये 11 जुलाई को 1,10,290 रुपए पर थी, जो अब (18 जुलाई) 1,12,700 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इस तरह, हफ्तेभर के कारोबार में इसकी कीमत 2,410 रुपए बढ़ी है। 14 जुलाई को चांदी ने 1,13,867 का ऑल टाइम हाई बनाया था। इसके पहले सोने ने 8 जून को 99,454 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

सोने-चांदी के दाम में शुक्रवार (18 जुलाई) को बढ़त देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 790 बढ़कर 98,243 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले इसका दाम 97,453 पर था। चांदी की कीमत 1,700 बढ़कर 1,12,700 प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले चांदी 1,11,000 पर थी। वहीं 14 जुलाई को चांदी ने 1,13,867 का ऑल टाइम हाई बनाया था। इसके पहले सोने ने 8 जून को 99,454 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

इस साल अब तक 22,000 महंगा हुआ सोना

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 22,081 रुपए बढ़कर 98,243 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 26,683 रुपए बढ़कर 1,12,700 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें

हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी एचयूआईडी कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह होता है- AZ4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

एचडीएफसी बैंक का पहली तिमाही में मुनाफा 12% बढ़ा आईसीआईसीआई बैंक का 15%

मुंबई , 20 जुलाई (एजेंसियां)। कल की बड़ी खबर एचडीएफसी बैंक से जुड़ी रही। देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी ने पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026) में कुल 99,200 करोड़ की कमाई की है। इस कमाई में से बैंक ने 63,466 करोड़ रुपए कर्मचारियों की सैलरी, बिजली बिल, डिपॉजिट जैसे कामों में खर्च किए। इसके बाद बैंक के पास 18,155 करोड़ रुपए मुनाफा के रूप में बचा। वहीं आईसीआईसीआई बैंक ने पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026) में कुल 51,452 करोड़ की कमाई की है।

देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी ने पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026) में कुल 99,200 करोड़ की कमाई की है। इस कमाई में से बैंक ने 63,466 करोड़ रुपए कर्मचारियों की सैलरी, बिजली बिल, डिपॉजिट जैसे कामों में खर्च किए। इसके बाद बैंक के पास 18,155 करोड़ रुपए मुनाफा के रूप में बचा। एक साल पहले की समान अवधि में बैंक को 16,175 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। सालाना आधार यह 12.24% बढ़ा है।

यूरोपीय संघ के प्रतिबंध से वैश्विक आपूर्ति-खरीद में अड़चन नहीं; फैसले के समर्थन में दूत ने दी दलील

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में यूरोपीय संघ (ईयू) प्रतिनिधिमंडल के राजदूत हर्वे डेल्फिन ने कहा कि रूसी तेल, ऊर्जा, बैंकिंग और रक्षा उद्योगों पर लगाए गए प्रतिबंधों का उद्देश्य वैश्विक तेल बाजार की स्थिरता बनाए रखते हुए मॉस्को की युद्ध अर्थव्यवस्था को कमजोर करना है। डेल्फिन ने एक्स पर रूस के विरुद्ध ईयू प्रतिबंध नीति में भारत स्थित रिफाइनरी को निशाना बनाने का जिक्र करते हुए जोर 'दिया कि यह नीति देशों को रूसी तेल खरीदने से नहीं रोकती है।

भारत स्थित यह रिफाइनरी रूसी रिफाइनिंग उद्योग की अग्रणी कंपनी रोजनेफ्ट के अधीन है। ईयू दूत ने कहा, 18वें प्रतिबंध पैकेज में रूसी तेल की मूल्य सीमा 60 डॉलर प्रति बैरल से घटाकर 47.6 डॉलर प्रति बैरल की गई है, जिसक उद्देश्य यूक्रेन में रूस के सैन्य प्रयासों को बढ़ावा देने वाले राजस्व को और कम करना है।

राजस्व में और कमी आएगी

डेल्फिन ने कहा, हम नहीं चाहते कि वैश्विक तेल बाजार की आपूर्ति बाधित हो। रूसी युद्ध-अर्थव्यवस्था को पोषित/संचालित होने वाले राजस्व की मात्रा को कंम करना का एक उपाय है। डेल्फिन ने कहा कि इससे रूस को तेल निर्यात बिक्री से मिलने वाले राजस्व में और भी कमी आएगी।

भारत एकतरफा प्रतिबंध का नहीं करता समर्थन

प्रतिबंधों पर ईयू के दूतों का स्पष्टीकरण भारत द्वारा इस निर्णय पर दी गई प्रतिक्रिया के बाद आया है, जिसमें नई दिल्ली ने कहा था कि वह किसी भी एकतरफा प्रतिबंध का समर्थन नहीं करता है। भारत ने दोहरे मानदंडों से बचने पर भी जोर दिया। डेल्फिन ने कहा, बाजार मूल्यों के आधार पर समायोज्य नई सीमा रूसी तेल पर छूट प्रदान करती है, जिससे खरीदारों को लाभ होता है।

एक समान रेट पर मिलेगी पाइपलाइन से रसोई गैस, पीएनजीआरबी का कंपनियों को निर्देश

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। गैस पाइप का उपयोग करने वाले घरेलू उपभोक्ता के लिए राहत की खबर है। कारण है कि पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने सभी सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे पाइप से मिलने वाली घरेलू रसोई गैस (पीएनजी) की कीमत हर उपभोक्ता के लिए एक समान रखें, चाहे वह कितना भी गैस इस्तेमाल करे।

बता दें कि सरकार शहरी गैस खुदरा विक्रेताओं को बाजार मूल्य से कम कीमत पर पीएनजी आवंटित करती है, ताकि वे इसे घरों में पाइप्ड प्राकृतिक गैस (पीएनजी) के रूप में बेच सकें। इसकी कीमत बाजार से कम होती है। यह सब्सिडी वाली गैस खास तौर पर घरेलू इस्तेमाल के लिए होती है ताकि आम लोगों को सस्ती दर पर रसोई गैस मिल सके। लेकिन जांच में पीएनजीआरबी ने पाया कि कुछ कंपनियां घरेलू उपभोक्ताओं पर

टेलिस्कोपिक प्राइसिंग लागू कर रही हैं। इसके मतलब है कि एक तय सीमा के बाद अगर गैस की खपत बढ़ती है, तो प्रति यूनिट रेट भी बढ़ा दिया जाता है।

कॉमर्शियल उपभोक्ताओं के चलते घरेलू उपभोक्ताओं पर होता है असर

हालांकि मामले में रेगुलेटर का कहना है कि यह तरीका गलत है, क्योंकि इससे कुछ कॉमर्शियल उपभोक्ता (जैसे होटल) खुद को घरेलू उपभोक्ता बताकर सस्ती गैस का फायदा उठा सकते हैं। इसके लिए असली घरेलू उपभोक्ताओं को ज्यादा इस्तेमाल करने पर अनावश्यक रूप से ज्यादा बिल देना पड़ रहा है, जबकि कंपनियों को गैस एक ही रेट पर मिल रही है।

घरेलू उपभोक्ताओं के लिए एक दर पर जोर

पीएनजीआरबी ने कहा कि हर घरेलू उपभोक्ता को गैस एक ही रेट पर दी जाए, चाहे वह कितनी भी गैस क्यों न इस्तेमाल करे। साथ ही सीजीडी कंपनियां खपत के पैटर्न की जांच करें और जिन उपभोक्ताओं की खपत असामान्य रूप से ज्यादा है, उनकी जांच कर उचित कार्रवाई करें। इससे गड़बड़ी और सब्सिडी के गलत इस्तेमाल को रोका जा सकेगा।

एलपीजी में भी होता है ऐसा अंतर

गौरतलब है कि जैसे पीएनजी में घरेलू और कॉमर्शियल गैस के रेट अलग हैं, वैसे ही एलपीजी सिलेंडर में भी ऐसा होता है। आम लोग 14.2 किलो का घरेलू सिलेंडर सब्सिडी पर खरीदते हैं। होटल और रेस्टोरेंट जैसे कॉमर्शियल स्थानों के लिए 19 किलो का बाजार रेट वाला सिलेंडर होता है। लेकिन अक्सर इनका गलत इस्तेमाल भी होता है।

15851 करोड़ रुपये की फर्जी आईटीसी धोखाधड़ी का खुलासा, पकड़ी गईं 3558 फर्जी कंपनियां

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) अधिकारियों ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के दौरान 15,851 करोड़ रुपये की फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) धोखाधड़ी का भंडाफोड़ किया है। यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 29 फीसदी अधिक है। हालांकि, इस अवधि में फर्जी कंपनियों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है।

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, इस तिमाही में केंद्रीय और राज्य जीएसटी अधिकारियों ने कुल 3,558 फर्जी कंपनियों का पता लगाया, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में यह संख्या 3,840 थी। अधिकारियों ने बताया कि हर महीने औसतन 1,200 फर्जी कंपनियों का भंडाफोड़ किया गया। यह गिरावट संकेत देती है कि फर्जी पंजीकरण के खिलाफ चलाया गया अभियान असरदार साबित हो रहा है।

इस तिमाही में की गई कार्रवाई के दौरान 53 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 659 करोड़ रुपये की वसूली भी की गई। वहीं, पिछले साल की समान तिमाही में 26 गिरफ्तारियां हुई थीं और 549 करोड़ रुपये की बरामदगी हुई थी।

ऐसे हुई करोड़ों की धोखाधड़ी

जीएसटी व्यवस्था के तहत, कंपनियां अपने आपूर्तिकर्ताओं से खरीद पर चुकाए गए टैक्स को आईटीसी के रूप में क्लेम कर सकती हैं। लेकिन फर्जी कंपनियां सिर्फ इस टैक्स क्रेडिट का फायदा उठाने के लिए बनाई जाती हैं, जिससे सरकार को भारी राजस्व नुकसान होता है। वित्त वर्ष 2024-25 में कुल 61,545 करोड़ रुपये की आईटीसी धोखाधड़ी पकड़ी गई थी, जिसमें 25,009 फर्जी कंपनियां शामिल थीं।

फर्जी पंजीकरण के खिलाफ कार्रवाई के तहत जीएसटी अधिकारियों ने अब तक दो बड़े राष्ट्रव्यापी अभियान चलाए हैं। पहले अभियान के दौरान 16 मई से 15 जुलाई 2023 के बीच 21,791 इकाइयों का कोई भौतिक अस्तित्व नहीं पाया गया और 24,010 करोड़ रुपये की कर चोरी का पता चला। दूसरा अभियान 16 अप्रैल से 30 अक्टूबर 2024 के बीच चला, जिसमें करीब 18,000 फर्जी कंपनियों का पता लगा जो 25,000 करोड़ रुपये की कर चोरी में शामिल थीं। फिलहाल, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत की अध्यक्षता में राज्यों के वित्त मंत्रियों की एक समिति आईटीसी धोखाधड़ी रोकने और कर चोरी से

आईबीए ने बैंकों को दी सिस्टम बदलने की चेतावनी नहीं तो रुक सकता है विदेश से रुपयों का लेनदेन

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय बैंक संघ (आईबीए) ने सभी बैंकों को एसडब्ल्यूआईएफटी के नए अंतरराष्ट्रीय भुगतान सिस्टम (आईएसओ) 20022 जल्द से जल्द अपनाने के लिए आगाह किया है। इसके तहत आईबीए ने चेतावनी दी है कि अगर वे जल्द ही एसडब्ल्यूआईएफटी के नए आईएसओ 20022 मानकों को नहीं अपनाते, तो उन्हें अंतरराष्ट्रीय लेन-देन (क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट्स) में गंभीर दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। आईबीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अतुल कुमार गोयल ने हाल ही में सभी बैंकों को पत्र लिखते हुए कहा है कि बैंकों को अगस्त 2025 तक इस नए सिस्टम की ओर माइग्रेशन शुरू कर देना चाहिए, ताकि इसे समय रहते सुचारू रूप से लागू किया जा सके।

क्या है एसडब्ल्यूआईएफटी आईएसओ 20022?

बता दें कि यह एक नया अंतरराष्ट्रीय सिस्टम है, जिसकी मदद से बैंक एक-दूसरे को पैसे भेजने और लेनदेन से जुड़ी जानकारी साझा करने का काम और भी तेज, सुरक्षित और कम खर्च में कर सकेंगे। इससे धोखाधड़ी की आशंका घटेगी और बैंकिंग सिस्टम पहले से ज्यादा स्मार्ट और पारदर्शी तरीके से काम करेगा। मामले में आईबीए ने साफ तौर पर कहा कि जो बैंक समय रहते नया सिस्टम नहीं अपनाएंगे, उन्हें तकनीकी परेशानी, ग्राहक का भरोसा खोना और सेवा में रुकावट जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

भारत में कितने बैंक तैयार हैं?

बात अगर इस नए सिस्टम के अपनाने की करें तो अभी सिर्फ तीन भारतीय बैंक ही इस सिस्टम को 85% तक अपनाने में सफल हुए हैं। बाकी बैंक नवंबर 2025 की आखिरी तारीख के पास जाकर बदलाव की सोच रहे हैं, जो आईबीए के मुताबिक खतरनाक हो सकता है। हालांकि बैंक अगर इस नए सिस्टम को सही समय पर लागू नहीं करते हैं तो इसके असर से बैंक से लेनदेन रुक सकते हैं, मैसेज रिजेक्ट हो सकते हैं। ग्राहक को परेशानी हो सकती है। साथ ही बैंकों को जुर्माना या अतिरिक्त खर्च झेलना पड़ सकता है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायन ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 | सूर्योदय 05-54
भोग्य कलि वर्ष-426874 | सूर्यास्त 18-49
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि प्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कर्क	कर्क...	05-37 बजे
चंद्र-	वृष	सिंह---	07-48 बजे
मंगल	सिंह	कन्या...	09-56 बजे
बुध-	कर्क	तुला----	12-00 बजे
गुरु-	मिथुन	वृश्चिक...	14-11 बजे
शुक्र-	वृष	धनु......	16-23 बजे
शनि-	मीन	मकर...	18-30 बजे
राहु-	कुंभ	कुंभ....	20-21 बजे
केतु-	सिंह	मीन....	21-59 बजे
		मेष......	23-35 बजे
		वृष....	01-19 बजे
		मिथुन..	03-20 बजे

दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- एकादशी 09-38 तक उपरान्त द्वादशी
मास - श्रावण कृष्ण , सोमवार 21 July
नक्षत्र - रोहिणी 21-06 तक उपरान्त मृगशिरा
योग - वृद्धि 18-38 तक उप ध्रुव
करण- बालव 09-38 तक उप कौलव
विशेष-
व्रत त्योहार - कामदा एकादशी व्रत सर्वे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है। सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:31 से 09:08 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05:54-07:31	शुभ	चंचल	18:49-20:15	शुभ
काल	07:31-09:08	अशुभ	रोग	20:15-21:37	अशुभ
शुभ	09:08-10:45	शुभ	काल	21:37-22:59	अशुभ
रोग	10:45-12:22	अशुभ	लाभ	22:59-00:23	शुभ
उत्पात	12:22-13:59	अशुभ	उत्पात	00:23-01:45	अशुभ
चंचल	13:59-15:37	शुभ	शुभ	01:45-03:08	शुभ
लाभ	15:37-17:14	शुभ	अमृत	03:08-04:31	शुभ
अमृत	17:14-18:49	शुभ	चंचल	04:31-05:54	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,): आज आपका ध्यान और नेतृत्व मजबूत है, और आप साहसिक कदम उठाने के लिए तैयार महसूस करते हैं। काम पर सकारात्मक रिश्ते दयालु और विचारशील संचार के माध्यम से बढ़ते हैं। आप जो करते हैं उससे प्यार करना आपको प्रेरित रहने में मदद करता है। लगातार प्रगति करते रहें, और आप अपने काम या पढ़ाई में स्थायी सफलता की ओर एक ठोस रास्ता बना लेंगे।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,): भावनात्मक अंतर्दृष्टि आपके करियर के निर्णयों का मार्गदर्शन करती है, जिससे आपको अधिक संवेदनशीलता और समझ के साथ काम करने में मदद मिलती है। आप काम पर आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। आपके कार्यस्थल पर आपका स्वाभाविक आकर्षण उजागर होगा। आप अपने पेशेवर रिश्तों में अचानक बदलाव का अनुभव कर सकते हैं।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,): रचनात्मकता और नई सोच में वृद्धि की उम्मीद करें। आत्मविश्वास आपको कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने में मदद करता है, और आप समस्याओं का एक अनोखे नज़रिए से सामना करने में सक्षम होंगे। रिश्तों में टकराव पैदा हो सकता है, इसलिए व्यवहार कुशलता और दिल से बातचीत करने पर ध्यान दें।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): आप नए आत्मविश्वास के साथ साहसिक कदम उठाते हुए अपने करियर में उन्नति का अनुभव करेंगे। नवीन सोच आपके कार्यों का मार्गदर्शन करेगी और आपको रचनात्मकता के साथ कार्य करने में मदद करेगी। सावधानीपूर्वक योजना बनाना प्रगति सुनिश्चित करता है, जिससे निरंतर उन्नति होती है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): आपका दिन शांत, केंद्रित काम के लिए अनुकूल हो सकता है जो आपके धैर्य और रचनात्मकता को चमकने देता है। भावनात्मक गहराई कलात्मक कार्यों का समर्थन करती है, जबकि मेष राशि में चंद्रमा से ऊर्जा का विस्फोट आपको पहल करने के लिए प्रेरित करता है। जोखिमों के प्रति सचेत रहें और संतुलित दृष्टिकोण बनाए रखें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आपका आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता, आपके निर्णयों को निर्देशित करने वाले प्रबल अंतर्ज्ञान द्वारा समर्थित, उत्कृष्ट है। स्वाभाविक आकर्षण आपको दूसरों से, खासकर कार्यस्थल पर महिलाओं से जुड़ने में मदद करता है। आप अपने परिवेश को बेहतर बनाने और रचनात्मकता को अभिव्यक्त करने के लिए प्रेरित होते हैं।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): आपकी महत्वाकांक्षाएँ सुर्खियों में हैं, और आप काम या अध्ययन में नए रास्ते तलाशने के लिए उत्सुक हैं। आपका जुनून रचनात्मकता को बढ़ावा देता है, जो आपकी परियोजनाओं में चमक जोड़ता है। हालाँकि, तनाव या तीखी नोकझोंक के माध्यम से चुनौतियाँ उत्पन्न हो सकती हैं। शांत और केंद्रित रहें।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,): रचनात्मक ऊर्जा अब आसानी से प्रवाहित होती है, जिससे पहल करने के लिए यह एक बढ़िया समय है। आपका व्यावहारिक पक्ष विचारों को कार्रवाई में बदलने में मदद करता है। सहायक लोगों, विशेष रूप से महिलाओं के साथ सहयोग करने से सफलता मिल सकती है। अति प्रतिबद्धता से बचें। अपने लक्ष्यों को यथार्थवादी रखें और व्यक्तिगत और व्यावसायिक सफलता की ओर स्थिर कदम बढ़ाएँ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे): आपका दिमाग तेज है और विवरणों पर आपका ध्यान आपके लिए अच्छा रहेगा। हालाँकि, प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करना कई बार चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ज़्यादा सोचने से बचें और स्पष्ट, कार्रवाई योग्य कदमों पर टिके रहें। अपनी प्रवृत्ति पर भरोसा करें लेकिन अपने लक्ष्यों में सटीकता और प्रगति सुनिश्चित करने के लिए अपने काम की दोबारा जाँच करें।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी): जब आप स्थिर मानसिकता के साथ साहसिक कदम उठाते हैं तो आपका करियर आगे बढ़ता है। अनुशासन और स्पष्ट सोच आपको अच्छी योजना बनाने और ट्रैक पर बने रहने में मदद करती है। भले ही आप कभी-कभी अनिश्चित महसूस करें, लेकिन ध्यान केंद्रित रखने और कड़ी मेहनत करने से आपको चुनौतियों से पार पाने और अपने लक्ष्यों में ठोस प्रगति करने में मदद मिलेगी।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,): आत्मविश्वास आपके दिन का नेतृत्व करता है क्योंकि आप अपने काम में गहराई और उद्देश्य पाते हैं। आप आविष्कारशील विचारों के साथ सफल होने के लिए प्रेरित हैं, हालांकि सतर्क रहने से छोटी-मोटी दुर्घटनाओं से बचने में मदद मिलती है। आपकी ईमानदारी महत्वपूर्ण सफलताओं को जन्म दे सकती है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): आपके कार्य जीवन को आत्मविश्वास और विनम्रता के मिश्रण से लाभ मिलता है। आप जमीन से जुड़े रहते हुए सहजता से नेतृत्व करने में सक्षम होंगे। अंतर्ज्ञान आपके निर्णय लेने में सहायता करता है, लेकिन दिखावे से प्रभावित न हों। एक स्थिर मानसिकता आपको आवेगपूर्ण विकल्पों से बचने और अपने करियर और अध्ययन में वास्तव में महत्वपूर्ण चीज़ों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करती है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

जैसलमेर का बासनपीर मामला

बीजेपी नेता बोले- कांग्रेस की रैली में लगे पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे, हरीश चौधरी बोले- वीडियो एडिटेड

बाड़मेर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व जिलाध्यक्ष व भाजपा नेता स्वरूपसिंह खारा ने कांग्रेस की रामधुन में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मोहब्बत की दुकान खोलने गए ये लोग नफरत का गोदाम खोलकर आए हैं। खारा ने महंत प्रतापपुरी को लेकर की गई टिप्पणी पर भी आक्रोश जताते हुए कड़ी निंदा की।

खारा ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं की यात्रा में पाकिस्तान के नारे लगे। उन्होंने कहा कि महापुरुषों की छतरियों का पुनर्निर्माण शुरू हुआ तो युवा आ गए और पत्थरबाजी शुरू हो गई। उस वक्त धमकियां मिली। खूब समझाइश हुई, लेकिन वह माने नहीं। आज हरीश चौधरी मोहब्बत की दुकान लगाने गए थे। यहां महंत प्रतापपुरी के थप्पड़ मारने की बात कही। उन्होंने कहा कि प्रतापपुरी अकेले नहीं है। उनके लाखों भक्त है। सामने आकर तो देखो। जातिवाद, हिंदूत्व पर चोट करने वाले लोग मोहब्बत की दुकान की बात करते हैं।

गाने गए रामधुन, गाई रहमान धुन

रामधुन गाने गए, गाने वाले थे राहुल धुन और लेकिन रहमान धुन गाकर आए। जैसलमेर के महारावल की 25 हजार जमीन अतिक्रमण कर बैठे हैं, उन्होंने कई बार शांतिप्रिय वार्ता की। अगर किसी को मोहब्बत सिखनी है तो उनसे सीखिए। जमीन पर जो अतिक्रमण है, उसे अतिक्रमण मुक्त करवाने के लिए हम कानून का सहारा लेंगे।

वीडियो एडिट किया

विधायक हरीश चौधरी ने कहा कि लोग थार की अपणायत और मोहब्बत का पैगाम लेकर जैसलमेर के बासनपीर जा रहे थे जिस जगह पुलिस और प्रशासन ने हमे रोका वहां हुई नारेबाजी को कुछ असामाजिक तत्वों ने सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने के लिए एक सोची समझी साजिश के तहत वीडियो को एडिट कर उसको सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर वायरल किया,यह कृत्य समाज, क्षेत्र के लिए घातक है। उच्चाधिकारियों से वार्ता कर दोषियों एवं साजिश में शामिल लोगो के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही करने की मांग की।

काफिले को बाड़मेर की सरहद में ही रोका

जैसलमेर के बासनपीर में छतरी विवाद को लेकर प्रस्तावित रामधुन संकीर्तन कार्यक्रम के लिए रवाना हुए मध्यप्रदेश के कांग्रेस प्रभारी एवं बायतु विधायक हरीश चौधरी के काफिले को जैसलमेर की सीमा में प्रवेश ही नहीं करने दिया गया। भारी पुलिस जाब्ते ने नाकाबंदी कर बाड़मेर जिले की सीमा पर ही कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को रोक दिया। काफी देर तक पुलिस और चौधरी के बीच में बहस और तर्क-वितर्क हुए लेकिन पुलिस नहीं मानी। इसके बाद वहीं पर संकीर्तन कर विरोध दर्ज करवाया।

जल्द मिलेगा यमुना नदी का पानी

सीएम भजनलाल ने बांधों के लिए दिए 95 करोड़ रुपए

जयपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में यमुना नदी का पानी जल्द से जल्द लाने के लिए राज्य सरकार हर स्तर पर जुट गई है। एक तरफ जहां विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पांच माह में तैयार करने की समय सीमा तय कर दी गई है। वहीं, दूसरी ओर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बनाए जा रहे तीन प्रमुख बांधों के लिए भी 95 करोड़ रुपए (हिस्सा राशि) स्वीकृत कर दिए हैं। ताकि, यमुना पानी से जुड़े काम में किसी भी स्तर पर देरी नहीं हो।

पानी पूरे वर्ष उपलब्ध होने की संभावना बढ़ेगी

यमुना नदी जलग्रहण क्षेत्र में रेणुकाजी (हिमाचल प्रदेश) और लखवार बांध (उत्तराखण्ड) का निर्माण किया जा रहा है। नदी में ज्यादा पानी आने पर बांध में पानी रोका जाएगा और इसी पानी को जरूरत के अनुसार राज्यों में सप्लाई के लिए छोड़ा जाएगा। प्रदेश को अपने हिस्से का पानी पूरे वर्ष उपलब्ध होने की संभावना बढ़ेगी। यमुना अपर रिवर बेसिन में राजस्थान के अलावा उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली शामिल हैं।

टास्क फोर्स की बैठक में हुई चर्चा

हथिनीकुंड बैराज से राज्य में जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए गठित टास्क फोर्स की तीसरी बैठक 30 जून को पंचकूला में हुई थी। इसमें राजस्थान और हरियाणा के अधिकारियों के बीच विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

लागत 11320 करोड़, राज्य की हिस्सेदारी 215 करोड़ रुपए

यमुना नदी के जलग्रहण क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में तीन प्रमुख बांधों का निर्माण कराया जा रहा है। इनमें से अभी लखवार और रेणुकाजी बांधों का निर्माण कार्य चल रहा है। यमुना रिवर बोर्ड की इन परियोजनाओं की लागत 11320.46 करोड़ रुपए है। इसमें राजस्थान की कुल हिस्सेदारी 215.66 करोड़ रुपए है।

दो चरणों में होगा काम...

1- पहले चरण में राजस्थान के चूरू, सीकर, झुंझुनूं और अन्य क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति के लिए जल उपलब्ध होगा। 2- दूसरे चरण में चूरू जिले में 35000 हेक्टेयर और झुंझुनूं जिले में 70000 हेक्टेयर में सिंचाई के लिए पानी दिया जाएगा।

300 किलोमीटर दूरी में तय होना है अलाइनमेंट

जल संसाधन विभाग की टीम ने हरियाणा के इन्द्री हेड से सर्वे शुरू किया है। इसमें पहले चरण में हरियाणा से राजस्थान बॉर्डर तक लाइन का अलाइनमेंट तय होगा। इसकी दूरी करीब 300 किमी है।

श्रीराम को लेकर टिप्पणी पर शेखावत का पटलवार

गहलोत और उनकी पार्टी के विचार अलग-अलग क्यों?

जोधपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत अपने एक दिवसीय दौरे पर जोधपुर पहुंचे। एयरपोर्ट पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा उनका स्वागत किया गया। केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के भाजपा द्वारा राम पर कब्जा करने के बयान पर पलटवार किया। कहा कि गहलोत की सरकार द्वारा राम और रामसेतु को लेकर जो शपथपत्र सुप्रीम कोर्ट में दिया गया था। उस पर विचार साझा करते हुए बताना चाहिए पार्टी और उनके स्टैंड अलग-अलग कैसे हैं।

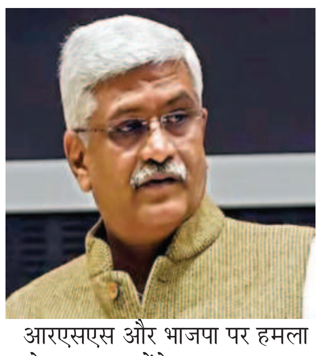

गौरतलब है कि एक दिन पहले जयपुर में राम और हिन्दू धर्म को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने आरएसएस और भाजपा पर हमला बोला था। उन्होंने कहा था भाजपा के लोग ऐसा दिखाते हैं, जेसे राम पर उनकी ठेकेदारी है। केवल वहीं हिन्दू हैं। क्या हम हिन्दू नहीं, हमारे तो नेताओं के नाम में भी राम लगा है। नाथूराम मिर्धा परसराम मदेरणा। उन्होंने आगे कहा कि राम तो हमारे हैं। भाजपा ने सड़कों पर उतरकर, दंगे भड़काकर, राम पर कब्जा कर रखा है।

इसके साथ ही उन्होंने प्रदेशभर में पिछले एक सप्ताह से हो रही बारिश को लेकर कहा कि कांग्रेस और काल की एक ही राशि है। उनके समय काल पड़ता है। हमारे समय भाजपा, भगवान भरोसे भजनलाल, भाग्य और अच्छे जमाने सब की एक ही राशि है। केन्द्रीय मंत्री शेखावत एयरपोर्ट से सीधे सर्किट हाउस पहुंचे। यहां उन्होंने जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल के साथ जिलेभर की व्यवस्था को लेकर एवं बारिश को लेकर आवश्यक चर्चा करते हुए निर्देश दिए। वहीं, सर्किट हाउस में भाजपा शहर की नई कार्यकारिणी के सदस्यों ने भी उनसे मुलाकात की। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी जोधपुर प्रवास पर आए हुए उन्होंने भी केन्द्रीय मंत्री शेखावत से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री को अधिकारी ने धक्का मारा!

डोटासरा के दावे से मची हलचल, बीजेपी बोली- दिमाग हिल गया है

जयपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने एक बार फिर सीएम भजनलाल शर्मा पर तीखा हमला किया है। उन्होंने दावा किया है कि सीएमओ में तैनात एक अधिकारी ने मुख्यमंत्री को धक्का दिया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ब्यूरोक्रेसी आउट ऑफ कंट्रोल है। किसी अधिकारी की इतनी हिम्मत है कि वह मुख्यमंत्री को धक्का मार दे।

उन्होंने दावा करते हुए कहा कि सीएमओ से इस तरह की हैरान कर देने वाली खबरें सामने आ रही है। उन्होंने सीएम से पूछते हुए कहा कि इसमें कितनी सच्चाई है, यह बतानी चाहिए कि मुख्यमंत्री को अधिकारी ने धक्का मारा या अधिकारी ने मुख्यमंत्री को धक्का मारा।

किसने किसको धक्का मारा?

पीसीसी अध्यक्ष डोटासरा ने खुद एक वीडियो अपने एक्स पर पोस्ट किया है। जिसमें वह संविधान बचाओ रैली में बोल रहे हैं कि यदि किसी मुख्यमंत्री के साथ आईएएस, आईपीएस के धक्के मारने की खबरें सामने आ जाए, तो यह बहुत बड़ी बात है। मुख्यमंत्री जी तो कहते नहीं है। उन्होंने चुटकी लेते हुए नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली से कहा कि यदि आप उनसे मिलने जाओ तो मुख्यमंत्री से पूछना कि राजस्थान की जनता जानना चाहती है कि उन्हें आईपीएस ने धक्का मारा या आईपीएस को आपने धक्का मारा।

हमारे मुख्यमंत्री को किसी ने धक्का मारा तो हम उनके साथ

गोविंद सिंह डोटासरा आगे वीडियो में बोल रहे हैं कि यह बहुत गलत है, यदि हमारे मुख्यमंत्री को किसी ने धक्का मारा तो हम उनके साथ हैं। हमारा तो जीना ही बेकार हो गया। मुख्यमंत्री जी आप संघर्ष करो, हम आपके साथ हैं। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि यह नारा हमको लगाना पड़ेगा, कांग्रेस को लगाना पड़ेगा।

क्या किसी अधिकारी की इतनी हिम्मत हो सकती है जो मुख्यमंत्री को धक्का लगाए। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि वह अधिकारी सीएमओ में है। उन्होंने कहा कि ऐसा बेड़ा गर्क करने वाली सरकार हमने कहीं नहीं देखी है।

डोटासरा का मानसिक संतुलन बिगड़ चुका है - भारद्वाज

इधर, डोटासरा के बयान के बाद बीजेपी ने भी तीखा जवाब दिया है। बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता लक्ष्मीकांत भारद्वाज ने हमला करते हुए कहा कि डोटासरा का मानसिक संतुलन हिल चुका है, वह कांग्रेस के दूसरे नेताओं से बयान बाजी में आगे निकलने के लिए इस तरह के बेमतलब की बयान बाजी करते हैं। इस दौरान भारद्वाज ने उन्हें बयान बाजी से बचने की सलाह दी है।

शिक्षा में गुणवत्ता से समझौता नहीं होना चाहिए

बोले राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागडे

जयपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागडे ने कहा है कि स्वास्थ्य प्रबंधन शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज से जुड़ी स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और मानवीय संवेदनाओं को समझना भी होना चाहिए। वे जयपुर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ मैनेजमेंट रिसर्च के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान के विद्यार्थी ही भविष्य में राष्ट्र की दिशा और दशा तय करते हैं, इसलिए उनकी शिक्षा में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने शिक्षकों और संस्थानों से आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों को केवल पाठ्य पुस्तकों के दायरे तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें जीवन व्यवहार और सामाजिक उत्तरदायित्व की भी शिक्षा दें।

राज्यपाल बागडे ने कॉपी करके परीक्षा पास करने की प्रवृत्ति पर चिंता जताई और विद्यार्थियों से अपनी समझ और मौलिक सोच के आधार पर परीक्षा देने की आदत विकसित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा- इससे विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता का वास्तविक आकलन संभव होगा। इस अवसर पर उन्होंने विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका की बात करते हुए कहा कि नई पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए आगे आना चाहिए। समारोह में राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों को पदक और डिग्रियां प्रदान कीं। आईआईएचएमआर के दीक्षांत समारोह में कुल 423 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं।

बाढ़ और बारिश से बचाव को लेकर जिला कलेक्टर ने की बैठक

सभी विभाग अलर्ट पर

सिरोही, 20 जुलाई (एजेंसियां)। जिला कलेक्टर अल्पा चौधरी की अध्यक्षता में जिला परिषद सभागार में बैठक का आयोजन हुआ। इसमें संभावित बाढ़, चक्रवात और तेज बारिश होने की स्थिति में बचाव एवं राहत व्यवस्थाओं को लेकर किए गए प्रबंधों की समीक्षा की गईं। संबंधित अधिकारियों को हर परिस्थिति से निपटने के लिए आवश्यक तैयार रहने और अलर्ट मोड पर रहने के आदेश दिए गए। बैठक के दौरान जिला कलेक्टर चौधरी ने जल संसाधन विभाग, पुलिस विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, डिस्कॉम, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, चिकित्सा विभाग, रसद विभाग, पशुपालन विभाग, परिवहन विभाग, मत्सय विभाग, जिला परिषद, शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग, जनजाति क्षेत्रिय विभाग, महाविद्यालय एवं स्काउट, रोडवेज, बीएसएनएल, नगरीय निकाय, होमगार्ड, राजस्व, कृषि, वन और सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के अधिकारियों से अब तक की गई तैयारियों की समीक्षा कर ऐसी परिस्थितियों में की जाने वाली अपेक्षित तैयारियों के लिए आवश्यक दिशानिर्देश दिए। इस दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रकाश चंद अग्रवाल, उपखंड अधिकारी हरिसिंह देवल, सीओ मुकेश चौधरी सहित जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में जिला कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी अपने अधीनस्थ ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के साथ भी नियमित रूप से संपर्क में रहें तथा आवश्यक फोन नंबरों की सूची भी हमेशा अपने पास रखें।

जयपुर पुलिस में बड़ा बदलाव, कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ को मिली नई टीम

जयपुर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट, जयपुर की कमान भले ही कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ के हाथों में बरकरार रखी गई है, लेकिन उनकी टीम में अब नए चेहरे नजर आएंगे। राज्य सरकार की ओर से जारी 91 आइपीएस अधिकारियों के तबादलों की बंपर सूची में जयपुर कमिश्नरेट का बड़ा फेरबदल देखने को मिला। कमिश्नरेट के चारों जिलों के डीसीपी, ट्रैफिक डीसीपी, मुख्यालय और क्राइम डीसीपी को बदलते हुए नए और अनुभवी अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

तबादला सूची के अनुसार एडिशनल पुलिस कमिश्नर (प्रथम) पद पर मनीष अग्रवाल को लगाया गया है।इससे पहले यह जिम्मेदारी कुंवर राष्ट्रदीप के पास थी। अग्रवाल पूर्व में डीसीपी (साउथ) रह चुके हैं और उन्हें एसओजी में कार्य का अनुभव भी है। वहीं, अपराध नियंत्रण के लिए डीसीपी क्राइम पद पर अभिजीत सिंह को नियुक्त किया गया है। अभिजीत पहले भी कमिश्नरेट में रह चुके हैं, उन्होंने कुछ महीने डीसीपी ईस्ट का पदभार संभाला था।तबादला सूची के अनुसार, डीसीपी (ईस्ट) पद पर संजीव नैन को लगाया गया है। नैन भी पूर्व में डीसीपी (वेस्ट) का कुछ महीने चार्ज संभाल चुके हैं। डीसीपी (नॉर्थ) की जिम्मेदारी करण शर्मा को सौंपी गई है। शर्मा को कमिश्नरेट क्षेत्र में कार्य का लंबा अनुभव है। हनुमान प्रसाद मीणा कमिश्नरेट क्षेत्र में डीसीपी (वेस्ट) के रूप में नई पारी शुरू करेंगे। वह पूर्व में एडिशनल डीसीपी रहते हुए कमिश्नरेट में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। राजर्षि राज वर्मा डीसीपी (साउथ) पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। वर्मा का जयपुर कमिश्नरेट क्षेत्र में कार्य का ज्यादा अनुभव नहीं है, हालांकि उन्होंने जोधपुर कमिश्नरेट में कार्य किया है। वर्मा के हाथ जयपुर कमिश्नरेट के महत्वपूर्ण जिले की कमान आई है, क्योंकि यहां क्राइम कंट्रोल ही नहीं, वीवीआइपी मूवमेंट संभालने की बड़ी जिम्मेदारी रहती है।

तेज रफ्तार ट्रक ने एक ही परिवार की 3 महिलाओं को कुचला, एक की मौत; दो गंभीर घायल

अलवर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर जिले में आज सुबह हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। वहीं, दो महिलाओं की हालत गंभीर है। हादसा सुबह करीब 5.15 बजे अरावली विहार थाना क्षेत्र में कटी घाटी के समीप हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने मृतका के शव को सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। जानकारी के अनुसार रविवार सुबह ट्रक की चपेट में आने से एक ही परिवार की तीन महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। एक महिला को गंभीर अवस्था में इलाज के लिए जयपुर रैफर किया गया है। जबकि तीसरी महिला का सामान्य अस्पताल में इलाज चल रहा है। तीनों महिलाएं कटी घाटी के पास एक रिसोर्ट में काम करती थी। महिलाएं मूल रूप से टीकमगढ़, मध्य प्रदेश की रहने वाली है। परिजनों ने बताया कि सुबह तीनों महिलाएं शौच के लिए एक साथ जा रही थी, तभी तेज गति से आ रहे एक ट्रक ने उनको टक्कर मार दी।

मीट रेट विवाद में चाचा-भतीजे की हत्या का बदला

नामजद आरोपी को उतारा मौत के घाट, दो गिरफ्तार

अजमेर, 20 जुलाई (एजेंसियां)। अजमेर शहर में मीट की कीमतों को लेकर उपजे विवाद ने खौफनाक मोड़ ले लिया है। इस विवाद ने पहले दो जिंदगियां छीनीं और फिर बदले की आग में तीसरी हत्या कर दी गई। चाकूबाजी में मारे गए चाचा-भतीजे की मौत का बदला लेने के लिए मृतकों के दो रिश्तेदारों ने नामजद आरोपी को अगली ही सुबह गाड़ी से टक्कर मारकर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी वंदिता राणा ने बताया कि अजमेर के दरगाह क्षेत्र में मीट की रेट को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ था। विवाद इतना बढ़ा कि चाकूबाजी की नौबत आ गई। इस हिंसा में चाचा गुलरेज़ और भतीजा आमिर की मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस पहले ही चार आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी थी। हालांकि मामला यहीं शांत नहीं हुआ। 17 जुलाई को दरगाह क्षेत्र में एक युवक की संदिग्ध हालत में मौत की सूचना मिली। शुरुआत में यह हादसा प्रतीत हो रहा था, लेकिन जब मृतक की बहन ने हत्या की आशंका जताकर शिकायत दी, तो पुलिस ने गंभीरता से जांच शुरू की। मृतक की पहचान आरिफ उर्फ अब्बू (निवासी दरगाह क्षेत्र) के रूप में हुई, जो चाकूबाजी मामले में नामजद आरोपी था।

पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें एक संदिग्ध i20 गाड़ी घटनास्थल के पास देखी गई। जांच में पता चला कि गाड़ी में इस्माइल खान और शमीर खान सवार थे। ये दोनों पहले हुई चाकूबाजी में मारे गए गुलरेज़ और आमिर के नजदीकी रिश्तेदार हैं।

टोंक में भारी बारिश से नदी-नाले उफान पर

कई सड़क मार्ग बंद; बनास के बहाव में फंसे 17 युवकों को बचाया

टोंक, 20 जुलाई (एजेंसियां)। टोंक जिले में जारी झमाझम बरसात से नदी-नालों में उफान आ गया है। जिले के दो दर्जन से अधिक छोटे-बडे. तालाब व बांधों में चादर चल गई है। बरसात का दौर शुक्रवार रात भर जारी रहा। तेज बरसात से जिले में दर्जनों गांवों का आपसी संपर्क टूट गया। तीन उपखंड के कई गांव सीधे तौर पर जिला मुख्यालय से कट गए। वहीं, रोडवेज सेवाएं भी पानी बहाव से बंद करनी पड़ी। टोडारायसिंह में ट्रैक्टर-ट्रॉली से जरेली से गोलहेड़ा आ रहे 17 युवक शुक्रवार देर रात बनास नदी के तेज बहाव में फंस गए। सूचना पर देर रात पहुंचे उपखण्ड प्रशासन व एसडीआरएफ टीम ने करीब पांच घण्टे के रेस्क्यू अभियान के बीच सभी युवकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इधर, टोरडी सागर के कैचमेंट एरिया स्थित केकड़ी-मालपुरा मार्ग पर सहोदरा नदी के तेज बहाव में फंसे एक ट्रक चालक को भी टीम ने सुरक्षित बाहर निकाला। टोडारायसिंह थानाप्रभारी हरिराम जाट ने बताया कि शुक्रवार देर रात जरेली गांव में सामाजिक कार्यक्रम में शरीक होकर ट्रैक्टर-ट्रॉली से 17 युवक आ रहे थे। बनास में जरेली-गोलहेड़ा रपट पर पानी के तेज बहाव के बीच अचानक ट्रैक्टर बंद हो गया। इसी बीच जल स्तर बढने से ट्रैक्टर पानी में डूब गया। अंधेरा, बारिश व तेज बहाव के बीच फंसे युवकों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। हालात बिगडते देख थानाप्रभारी ने एसडीओ व एसडीआरएफ टोंक को सूचना दी।

जानलेवा हमले के मामले में 3 गिरफ्तार

लाठी-डंडे और धारदार हथियारों से किया था अटैक

झुंझुनू, 20 जुलाई (एजेंसियां)। झुंझुनूं के बुहाना में कार्यवाहक पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह राजावत के निर्देश पर गठित पुलिस ने जानलेवा हमला के आरोप में हिस्ट्रीशीटर सहित दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। तीनों बदमाशों पर पांच-पांच हजार रुपए का ईनाम घोषित था। दो आरोपियों को पड़ौसी राज्य हरियाणा एवं एक आरोपी को थाना इलाके से गिरफ्तार किया गया है। थाना प्रभारी उमराव जाट ने बताया कि तीन ईनामी आरोपी संग्राम सिंह उर्फ लक्की, रजत सिंह उर्फ चेतन व सुरेन्द्र सिंह राजपूत निवासी बुहाना को गिरफ्तार किया गया है। उक्त प्रकरण में बुहाना निवासी विरेन्द्र सिंह राजपूत ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी कि उसके चाचा वार्ड पंच शार्दुल सिंह बुधवार शाम को ऊंट गाडी लेकर घर आ रहा था। रास्ते में एक राय होकर जान से मारने की नियत से हथियारों से लैस होकर आए बुहाना के संग्राम सिंह उर्फ लक्की पुत्र सुरेन्द्र सिंह राजपूत, चेतन पुत्र सतीश सिंह राजपूत, सुरेन्द्र सिंह पुत्र सतीदान सिंह राजपूत, दीपक सिंह पुत्र सुभाष सिंह राजपूत एवं तीन लडके इनके साथ थे।

सभी ने उसके चाचा को रोककर जान से मारने की नियत से हथियारों से हमला कर दिया व धारदार हथियार से सिर, हाथ एवं पैरों पर हमला बोलकर गंभीर रुप से घायल कर दिया। पुलिस ने टीम गठित कर आरोपियों में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

सीएम रेवंत रेड्डी का 'स्नूपगेट'

तेलंगाना के मंत्री फोन टैपिंग से असहज, सीएम की निगरानी का डर

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में नए विधायकों के शामिल होने के बाद कैबिनेट में जगह छिनने को लेकर पैदा हुए तनाव के बाद, राज्य मंत्रिमंडल के कुछ मंत्रियों में बेचैनी की एक नई लहर दौड़ गई है। इस बार, यह डर उन खबरों से और बढ़ गया है कि उनके फ़ोन कॉल्स और गतिविधियों पर नज़र कोई और नहीं बल्कि मुख्यमंत्री ही रख रहे हैं।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, कुछ मंत्रियों की गतिविधियों और फोन पर बातचीत की विस्तृत जानकारी लगभग वास्तविक समय में मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंच रही है, जिससे कई लोग अचंभित हैं। यह कोई रहस्य नहीं है कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी नई दिल्ली में गांधी परिवार से मिलने का समय पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जबकि उनके कैबिनेट सहयोगी और अन्य नेता कांग्रेस सांसद राहुल गांधी तक आसानी से पहुंच बना लेते हैं। इसके अलावा, कांग्रेस आलाकमान राज्य नेतृत्व पर दबाव बना रहा है कि कैबिनेट पदों, मनोनीत पदों और अन्य नियुक्तियों में हाल ही में पार्टी छोड़कर आए नेताओं की बजाय वफादार पार्टी कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता दी जाए।

मुख्यमंत्री के बार-बार सार्वजनिक रूप से यह दावा करने पर कि वे 10 साल तक पद पर बने रहेंगे, कई विधायकों ने निजी तौर पर अपनी नाराजगी जताई है। मुनुगोड़े के विधायक कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी ने एक कदम और आगे बढ़कर खुलेआम कहा कि पार्टी आलाकमान के फैसले अंतिम हैं और कांग्रेस को 'निजी साम्राज्य' में बदलने की कोई भी कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस पृष्ठभूमि में यह अटकलें तेज़ हो गई हैं कि मुख्यमंत्री अपने मंत्रिमंडल की जासूसी करवाकर अपनी कुर्सी बचाने की कोशिश कर रहे हैं। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने हाल ही में यह मुद्दा उठाते हुए कहा था कि फोन टैप किए जा रहे हैं। नलगोंडा के एक वरिष्ठ मंत्री के लिए यह डर सच साबित होता दिख रहा है, जिन्हें कथित तौर पर इस बात का डर सता रहा था कि उनकी गतिविधियों और सहकर्मियों के साथ उनकी बातचीत पर कड़ी नज़र रखी जा रही है। उनके करीबी सूत्रों का कहना है कि उनकी बेचैनी बढ़ती जा रही है, खासकर तब से जब मुख्यमंत्री ने उनसे स्पष्ट दूरी बनानी शुरू कर दी है, जिसकी वजहें अभी भी स्पष्ट नहीं हैं।

इस रहस्य को और बढ़ाते हुए, बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री के एक करीबी सहयोगी, जो खुद कैबिनेट मंत्री भी हैं, ने हाल ही में बेचैन मंत्री के साथ एक लंबी बैठक की। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, वरिष्ठ मंत्री को बताया गया कि उसी ज़िले के एक अन्य वरिष्ठ सहयोगी के साथ उनकी बातचीत, कथित तौर पर रेवंत रेड्डी के बारे में, मुख्यमंत्री तक पहुँच गई है, जो उनसे संपर्क करना चाहते थे। इस बीच, सड़क एवं भवन मंत्री कोमाटीरेड्डी वेंकट रेड्डी और सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी, जो कभी अपनी बेरुखी के लिए जाने जाते थे, ने हाल ही में एक आधिकारिक समारोह में सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे की प्रशंसा करके सभी को चौंका दिया।

टैंक मानसून की तबाही के बाद रखरखाव की कर रहे हैं मांग

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मिशन काकतीय के तहत बहाल किए गए कई तालाबों की खराब और उपेक्षा के कारण अब उन्हें तत्काल अनुवर्ती रखरखाव की आवश्यकता है। नियमित रखरखाव के बिना, ऊपरी इलाकों में खेती के लिए महत्वपूर्ण इन सिंचाई संरचनाओं ने किसानों को इस मानसून में संभावित नुकसान की चिंता में डाल दिया है। ये लघु सिंचाई तालाब, जिनमें से कई ऐसे क्षेत्रों में स्थित हैं जहाँ बड़ी या मध्यम सिंचाई परियोजनाएँ नहीं हैं, 2024 के मानसून की मार झेलेंगे। भारी बारिश के कारण 4,000 से ज़्यादा तालाब लबालब भर गए, जिनमें से लगभग 2,000 पूरी क्षमता तक पहुँच गए। ज़िलों में कई जगहों पर दरारों की सूचना मिली, जिससे राज्य की तैयारियों की कमी उजागर हुई और जीर्णोद्धार के बाद रखरखाव पर सवाल उठे।

पिछली बीआरएस सरकार द्वारा शुरू किए गए मिशन काकतीय ने 2023 तक तेलंगाना के 46,000 लघु सिंचाई तालाबों में से अधिकांश को पुनर्जीवित करने में मदद की। इस परियोजना में बांधों, नालों और बांधों को मज़बूत करना और कृषि भूमि को बेहतर बनाने के लिए गाद रहित मिट्टी का उपयोग करना शामिल था।

नौ बेटियों ने अपनाई अध्यात्म की राह, समाजसेवा में अर्पित किया अपना जीवन

शांति सरोवर में दिव्य समर्पण एवं अभिनंदन समारोह आयोजित

हैदराबाद , 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अध्यात्म और संयम पथ पर चलते हुए नौ बेटियों ने अपना पूरा जीवन समाजसेवा, विश्व कल्याण में समर्पित कर दिया। अब इनके जीवन का एक ही लक्ष्य है स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के शांति सरोवर रिट्रीट सेंटर, ग्लोबल पीस ऑडिटोरियम में नौ बेटियों का दिव्य समर्पण एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। इसमें बड़ी संख्या में संत-महात्मा सहित गणमान्य लोगों ने भाग लिया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे जगद्गुरु रामानुजाचार्य करपत्री महाराज ने कहा कि मैं यह देखकर बहुत प्रसन्न हूं कि ये बहनें लक्ष्मी-नारायण का बैज पहनती हैं। इन्होंने परमात्मा को अपने जीवनसाथी के रूप में चुना है। यह अत्यंत दिव्य और श्रेष्ठ जीवन है। ये बहनें ॐ शांति, ॐ शांति कहती हैं, लेकिन शिव के साथ नंदी बैल भी होता है, जो 'ॐ क्रांति' का आदेश देता है। मैं ब्रह्माकुमारीज़ की सेवाओं की सराहना करता हूं। समय आने पर ये बहनें शिव शक्ति बनेंगी। मैं सदैव इनके साथ रहूंगा और जल्द ही माउंट आबू मुख्यालय की यात्रा करूंगा।

एलुरु से आए श्री याज्ञवल्क्य राजाश्रम के पीठाधिपति वरिष्ठ डॉ. कृष्णचरणानंद भारती स्वामी ने कहा कि यह संस्था विश्व को एकता और सनातन धर्म का संदेश देने के लिए अद्भुत सेवा कर रही है। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ के माउंट आबू मुख्यालय की अपनी यात्रा का दिव्य अनुभव साझा किया। अयोध्या धाम से आए कामधेनु मंदिर के महामंडलेश्वर आशुतोष महाराज ने कहा कि इन बहनों द्वारा शिव परमात्मा को अपना जीवन समर्पित करना अत्यंत प्रशंसनीय है। घर-परिवार का त्याग महान नहीं है, बल्कि त्याग की भावना का त्याग ही वास्तविक त्याग है और यही इन बहनों ने किया है। मुख्य वक्ता माउंट आबू से पधारीं अंतरराष्ट्रीय प्रेरक वक्ता राजयोगिनी बीके ऊषा दीदी ने कहा कि सनातनी व्यक्ति वही होता है जो अपना दिन ब्रह्ममुहूर्त से प्रारंभ करता है, जो किसी को दुःख नहीं देता। मां को ही पहला गुरु कहा गया है। आज ब्रह्माकुमारीज़ में अनेक ईसाई व मुस्लिम अनुयायी भी सनातन धर्म के सिद्धांतों को अपनाकर जीवन जी रहे हैं। कुछ लोग ब्रह्माकुमारीज़ के बारे में नकारात्मक प्रचार कर रहे हैं कि यह संस्था लोगों का ब्रेन वॉश करती है यह पूर्णतः असत्य और भ्रामक है। बीके ऊषा दीदी ने कहा कि पार्वतीजी की कथा का उल्लेख करते हुए कहा कि जिन्होंने सदाशिव को पति रूप में प्राप्त करने की कामना की थी, परंतु उन्हें अगले जन्म में यह प्राप्ति हुई। उसी प्रकार ये दिव्य बहनें इस जन्म में शिव से विवाह करने के लिए समर्पित हुई हैं। इस संस्था में लगभग 50 हजार बहनें हैं, जिन्होंने शिव को अपना जीवनसाथी के रूप में स्वीकर अपना जीवन समर्पित किया है। उन्होंने बताया कि सन् 1936 में दादा लेखराज को परमात्मा शिव से दिव्य दृष्टि प्राप्त हुए। परमात्मा ने उन्हें प्रजापिता ब्रह्मा नाम दिया और इस सृष्टि परिवर्तन के भागीरथी कार्य के निमित्त बनाया। संस्था में समर्पण के नियम अत्यंत अनुशासित और स्पष्ट हैं। किसी को अंधविश्वास से समर्पित नहीं किया जाता। हर बहन को पहले अपनी शिक्षा पूर्ण करनी होती है, फिर पांच वर्षों की ट्रेनिंग दी जाती है। यदि वह चाहे तो संगठन छोड़ भी सकती है। यदि वह स्वेच्छा से ब्रह्माकुमारी समर्पित बहन बनना चाहती है, तो उसे अपने माता-पिता की अनुमति-पत्र लाना अनिवार्य होता है। काकीनाड़ा से पधारीं प्रणव आश्रम की स्वामिनी सुमित्रानंदा सरस्वती माताजी ने कहा कि मैं इन बेटियों के माता-पिता की सराहना करती हूं जिनकी बेटियों ने अपना जीवन ईश्वर को समर्पित किया है। कार्यक्रम में श्रीश्री 1008 चेन सिद्धराम पंडितार्थ शिवाचार्य श्रीशैल जगद्गुरु पीठाधिपति महेश स्वामी, हिंदूस फॉर प्ल्यूरैलिटी के संस्थापक अध्यक्ष रामण मूर्ति ने भी विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर शांति सरोवर की निदेशिका राजयोगिनी कुलदीप दीदी ने कहा कि आज मैं बहुत प्रसन्न हूँ कि इन बहनों को सभी गुरुओं और इस पुण्य सभा से अपार आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। आज समर्पण का दिन है। ये बहनें मानवता की सेवा के लिए स्वयं को अर्पित कर चुकी हैं। जो व्यक्ति श्रेष्ठ गुणों को अपने जीवन में धारण करता है, वही धर्मात्मा कहलाता है। गान कोकिला सम्मान से सम्मानित बीके विष्णुप्रिया बहन ने सुंदर गीतों की प्रस्तुति दी। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके अंजली बहन ने संचालन किया।

बोनालु के अवसर पर बंडारू दत्तत्रेयजी का रामनगर आवास पर शाल थाटा बुके द्वारा भाजपा नेता गोविंद राठी, महेंद्र व्यास, कोल्लोर पवन कुमार, मनोज जायसवाल, राजेंद्र, साई सूर्यवंशी, निखलेश ने स्वागत किया।

पंचायत चुनावों की तैयारी, 30 सितंबर की समय सीमा नजदीक

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय द्वारा स्थानीय निकाय चुनाव संपन्न कराने के लिए 30 सितंबर तक की समय-सीमा तय करने के बाद, राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) और पंचायत राज विभाग ने इस व्यापक चुनावी प्रक्रिया के लिए जमीनी स्तर पर काम तेज़ कर दिया है। राज्य में ग्राम पंचायतों का कार्यकाल पिछले साल फरवरी में समाप्त हो गया था। पिछड़े वर्गों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण को अंतिम रूप दिए जाने के तुरंत बाद एक आधिकारिक अधिसूचना जारी होने की उम्मीद है।

स्थानीय लोगों और वन अधिकारियों के बीच पथराव से तनाव

आदिलाबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को इक़ोडा मंडल के केशवपटनम गांव में वृक्षारोपण अभियान के दौरान स्थानीय लोगों द्वारा वन अधिकारियों और पुलिस कर्मियों पर कथित तौर पर पथराव किए जाने से कुछ देर के लिए हल्का तनाव पैदा हो गया।

मुल्तानी समुदाय के कथित खूंखार स्थानीय लोगों ने कथित तौर पर वन अधिकारियों पर उस समय हमला कर दिया जब वे वन भूमि पर पौधे लगा रहे थे। उन्होंने वन विभाग के कर्मचारियों को ले जा रहे अधिकारियों और पुलिसकर्मियों पर पथराव किया। अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए सदस्यों पर पथराव किया, जिसके परिणामस्वरूप तनाव पैदा हो गया।

इस घटना में ग्यारह वन अधिकारी घायल हो गए, जबकि एक पुलिस वाहन में भी तोड़फोड़ की गई। घायलों में से पाँच को बेहतर इलाज के लिए रिम्स, आदिलाबाद में स्थानांतरित कर दिया गया है।

उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। वन और पुलिस विभाग के उच्च अधिकारी झड़प स्थल पर पहुँचे और स्थिति का जायजा लिया। पता चला है कि वन अधिकारियों ने मुल्तानी लोगों द्वारा कथित तौर पर कब्ज़ा की गई ज़मीन पर पौधे लगाए थे, ताकि ज़मीन वापस ली जा सके, जिससे स्थानीय लोगों का गुस्सा भड़क उठा। सागौन के पेड़ काटने और वन भूमि पर अतिक्रमण करने के लिए जाने जाने वाले इस समुदाय के सदस्यों ने अधिकारियों और वहाँ मौजूद पुलिस पर पथराव करके उन्हें रोका।

जोधपुर एक्सप्रेस के चलने से राजस्थानी प्रवासियों में अपार खुशी

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवासी राजस्थानी बंधुओं के बीस सालों को अथक प्रयासों से उनका सपना 19 जुलाई को तब साकार हो गया, जब रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने काछीगुडा से भगत की कोठी तक जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेन का उद्घाटन किया। इस ट्रेन के चलने से यहां बसे लाखों प्रवासी राजस्थानियों के लिए आने-जाने में बहुत सहूलियत हो गई है।

उक्त जानकारी देते हुए भाजपा नेता अविनाश देवडा ने बताया कि इस ट्रेन के चलने से अपार हर्ष व्यक्त करते हुए, सोहनलाल कडेल, प्रेम सिंह राठौड़, गोविंद राठी,लक्ष्मीनारायण राठी हरिकिशन ओझा रमेश बंग अरुण भांगड़िया कैलाश डालियां मुरली मनोहर पल्लौड राजेश मालपानी

मुकेश जैन विजय सुराना सोहन सिंह राजपुरोहित, त्रिलोकचंद कच्छवाहा , रिद्धीश जागीरदार , पन्नालाल कच्छवाहा, मनमीत सिंह, सौरभ कुलकर्णी, श्रीराम व्यास ,नारायण सारडा, मनीष व्यास, विपिन रामावत अरुण डाकोतिया आदि ने पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, प्रदेशाध्यक्ष रामचंद्र राव का आभार व्यक्त किया है।

इनके अलावा मोतीलाल भलगट, सोहनलाल दायमा, दामोदरदास विजयवर्गीय, पंडित गजानन कृष्ण महाराज, सोनाराम कुमावत, खरताराम अगलेचा सिरवी ने भी खुशी जाहिर करते हुए सभी प्रवासी बंधुओं को शुभकामनाएं दी है।

दराबाद की बोनालू यात्रा के शुभ अवसर पर राकेश जयसवाल पार्षद जामबाग ने आज महेश कुमार गौड़ एमएलसी और अध्यक्ष तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी को महाकाली मंदिर गौलीगुडा में सम्मानित किया। जयसवाल एवं महेश कुमार गौड़ ने देवी महाकाली माता का आशीर्वाद लिया। निर्मल यादव, सुरेश टॉल्डी, राजू यादव, अनिल, श्रीनिवास, मंदिर समिति के सदस्य कार्यक्रम में शामिल हुए।

इंद्रकीलाद्री मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

विजयवाड़ा, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रसिद्ध इंद्रकीलाद्री मंदिर में जगन्माता श्री कनक दुर्गम्मा के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े हैं। मंदिर की कार्यकारी अधिकारी सीना नायक ने बताया कि चूँकि आषाढ़ साड़ी चढ़ाने के लिए बड़ी संख्या में महिलाएँ आई हैं, इसलिए श्रद्धालुओं को सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक बिना टिकट के सभी दर्शन कतारों में प्रवेश की अनुमति दी गई है। सीना नायक ने यह भी कहा कि यह निर्णय टिकटों की बिक्री से होने वाली आय से ज़्यादा श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। गर्भगृह के दर्शन और वीआईपी दर्शन रद्द कर दिए गए हैं और आम श्रद्धालुओं को प्राथमिकता दी गई है। केवल दिव्यांगों, बुजुर्गों, शिशुओं की माताओं और चलने में असमर्थ लोगों को ही लिफ्ट का उपयोग करने की अनुमति दी गई है। कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि रविवार दोपहर 3 बजे तक 62,426 लोगों ने सुचारू रूप से दर्शन किए। ऐसा मुख्य लिफ्ट मार्ग पर सहायक कार्यकारी अधिकारियों और महा मंडपम की प्रत्येक मंजिल पर निगरानी के लिए अधिकारियों की नियुक्ति के परिणामस्वरूप हुआ। कार्यकारी अधिकारी ने चिंता व्यक्त की कि यद्यपि भव्य इंद्रकीलाद्रि को स्वच्छ रखने और स्वच्छता में सुधार के लिए मंदिर के दर्शन निःशुल्क प्रदान किए गए हैं, फिर भी भक्तगण अपने जूते-चप्पल जहाँ चाहें वहाँ छोड़ रहे हैं। उन्होंने भक्तों से आग्रह किया कि वे अपने जूते-चप्पल निर्धारित स्थानों पर ही छोड़ें।

सोमाजीगुडा के रुट्स जूनियर कालेज में फूड्स फेस्टिवल और बोनालु पुजा का आयोजन किया गया। कालेज की प्रधानाध्यापिका श्रीमती स्मृति पदमा के निर्देशन में यह आयोजन प्रथम वर्ष और द्वितीय वर्ष के छात्र एवं छात्राओं के सहयोग से किया गया। जिसमें प्रमुख प्राध्यापिका रेणुका, विद्युलता, जगदीश सोबले, स्वाति, श्रीदेवी, माहेश्वरी, महीधर रेड्डी और अन्य का पूरा सहयोग रहा। छात्र एवं छात्राओं ने बढ़िया व्यंजन बनाकर अपनी सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति दी।

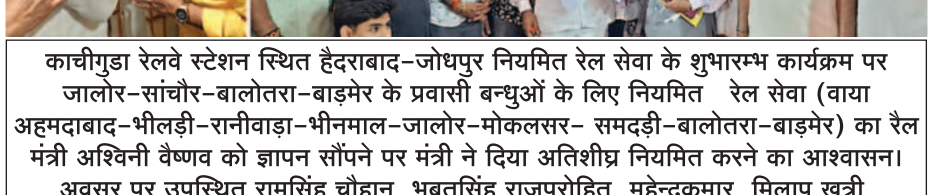

काचीगुडा रेलवे स्टेशन स्थित हैदराबाद-जोधपुर नियमित रेल सेवा के शुभारम्भ कार्यक्रम पर जालोर-सांचौर-बालोतरा-बाड़मेर के प्रवासी बन्धुओं के लिए नियमित रेल सेवा (वाया अहमदाबाद-भीलड़ी-रानीवाड़ा-भीनमाल-जालोर-मोकलसर- समदड़ी-बालोतरा-बाड़मेर) का रैल मंत्री अश्विनी वैष्णव को ज्ञापन सौंपने पर मंत्री ने दिया अतिशीघ्र नियमित करने का आश्वासन। अवसर पर उपस्थित रामसिंह चौहान, भबूतसिंह राजपुरोहित, महेन्द्रकुमार, मिलाप खत्री, नारायणसिंह, गुमानसिंह राजपुरोहित व प्रवासी समाज बन्धु।

ऊंची सोच से ऊँचे हो सकते हैं : चन्द्रप्रभ जी

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्र-संत श्री चन्द्रप्रभ जी महाराज ने कहा कि सकारात्मक सोच हमें मानसिक शांति, रिश्तों में मिठास और कार्य क्षमता में बढ़ोतरी देती है। उन्होंने कहा कि नकारात्मक सोच तोड़ती है, सकारात्मक सोच जोड़ती है। साधारण किस्म के लोग गिलास आधा खाली देखते हैं, समझदार लोग गिलास आधा भरा देखते हैं। ऊँचाई छूने वाले लोग गिलास पूरा भरा देखते हैं। ताड़ासन करके भी हम अपनी हाईट 2 इंच से ज्यादा नहीं बढ़ा सकते, पर सोच को ऊँची उठाकर एवरेस्ट से भी ज्यादा ऊँचे हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि ईश्वर के घर से हम में से हर इंसान को एक बहुत बड़ी ताकत मिली है, वह है - सोचने-समझने की क्षमता। अपनी इस एक क्षमता के बलबूते इंसान संसार के समस्त प्राणियों में सबसे ऊपर है। हम सोच सकते हैं इसीलिए हम इंसान हैं।

वे रविवार को नामपल्ली के एग्जिबिशन ग्राउंड में सकारात्मक सोच से जीवन को बनाएं स्वर्ग विषय पर प्रवचन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि आपकी सोच आपके विचारों को, विचार वाणी को, वाणी व्यवहार को, व्यवहार आपके व्यक्तित्व को प्रेरित और प्रभावित करता है।

एक सुंदर और खूबसूरत व्यक्तित्व, व्यवहार, वाणी और विचारों का मालिक बनने के लिए अपनी सोच को कुतुबमीनार जैसी ऊँची, ताजमहल जैसी सुन्दर और देलवाड़ा के मन्दिरों जैसी खूबसूरत बनाइए। सोच को सुन्दर बनाना न केवल अपने संबंध, सृजन और आभामंडल को सुन्दर तथा प्रभावी बनाने का तरीका है बल्कि सुन्दर सोच परमपिता परमेश्वर की सबसे अच्छी पूजा है।

संतश्री ने कहा कि अच्छी सोच स्वयं ही एक सुन्दर मंदिर है जहाँ से "सत्यम् शिवम् सुन्दरम' का मन लुभावन संगीत अहर्निश फूटता रहता है। सोच अगर सुन्दर है तो स्वर्ग का द्वार सदा आपके लिए खुला है। सोच के बदसूरत होते ही शैतान का हम पर राज़ हो जाता है। एक अच्छी, सुन्दर और सकारात्मक सोच स्वयं ही महावीर का समवसरण, बुद्ध का स्वर्ण-कमल, राम का रामेश्वरम् और कृष्ण का वृंदावन धाम है।

राष्ट्र-संत ने सभी श्रद्धालुओं को निवेदन किया कि ज़रा दो मिनट के लिए इस संसार के प्रति अच्छी सोच लाकर देखिए, आपको किसी दूसरे स्वर्ग को पाने की बजाय इसी धरती को स्वर्ग जैसा सुन्दर बनाने की तमन्ना जग जाएगी।

जीवन में फिर से जोश जगाएँ और कामयाबी के आसमान को छूने के लिए अभी इसी वक्त छलांग लगा दें।

संतप्रवर ने कहा कि संकीर्ण सोच, स्वार्थी सोच, निराशा भरी सोच, मंथरा सोच, घमंडी सोच - सोच की विकृतियाँ हैं। इन विकृतियों के झाड़-झंखारों को अपने मन के खेत से उखाड़ फेंकिए। आपके दिमाग की ज़मीन उपजाऊ है, नई ऊर्जा और उमंग के साथ सबको मधुर फल देने वाले बीज बोइए।

उन्होंने कहा कि जिस पड़ौसी से आपको जलेसी है, जिस सास से आपको शिकायत है, जिस पिता से आपको पीड़ा है, जिस ग्राहक से आपको ग्लानि है, कृपया उनके प्रति मात्र 10 मिनट के लिए अपनी सोच को सुन्दर और सकारात्मक बनाकर देखिए, आप उन्हें गले लगाने को बावले हो उठेंगे। राष्ट्र-संत ने कहा कि सारे झगड़ों की जड़ है हमारी नकारात्मक सोच, सारे समाधानों का आधार है हमारी सकारात्मक सोच। गिलास को आधा भरा हुआ देखेंगे तो कमज़ोर का भी उपयोग कर लेंगे।

राष्ट्र-संत चन्द्रप्रभ जी महाराज ने कहा कि जीवन में स्मार्टनेस का मूल्य है, पर हर सफलता के पीछे स्मार्टनेस का मूल्य 30 प्रतिशत होता है, जबकि नज़रिये का मूल्य 70 प्रतिशत। सोचिए, हमें अपने जीवन में 30 प्रतिशत को मूल्य

देना चाहिए या 70 प्रतिशत को। याद रखें, सकारात्मक नज़रिये के लोग विजयी टीम का हिस्सा होते हैं, जबकि घटिया नज़रिये के लोग टीम के हिस्से कर डालते हैं। अच्छे नज़रिये के लोग उसूलों पर अडिग रहते हैं, बाकी छोटी-मोटी बातों पर समझौता कर लेते हैं, जबकि नकारात्मक नज़रिये के लोग बातों पर अडिग रहते हैं, पर उसूलों पर समझौता कर बैठते हैं। उन्होंने कहा कि सकारात्मक नज़रिये के लाभ हैं - 1. कार्य-क्षमता में वृद्धि, 2. मिल-जुलकर काम करने की उत्सुकता, 3. रिश्तों में बेहतरता, 4. तनाव से बचाव और 5. प्रभावी व्यक्तित्व तथा भाषा का विकास। वहीं नकारात्मक नज़रिये के नुकसान हैं - 1. कड़वाहट, 2. नाराज़गी, 3. लक्ष्यहीन ज़िंदगी, 4. सेहत खराब और 5. अपने तथा दूसरों के लिए तनाव।

जैसा सोचेंगे जीवन में वैसा ही बन जाएंगे, अच्छा सोचेंगे तो अच्छा बुरी सोच से बुरा बनेंगे... भजन सुनकर झूमने लगे श्रद्धालु।

इससे पूर्व डॉ. मुनि शांति प्रिय सागर महाराज ने भी सभा को संबोधित किया और हर हाल में, हर परिस्थिति में खुश, प्रसन्न और आनंदित रहने के मंत्र प्रदान किये।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत-इंग्लैंड चौथे टेस्ट से पहले अंशुल कंबोज टीम में शामिल

इंडिया-ए में शामिल थे; पेसर आकाश दीप और अर्शदीप के चोटिल होने के बाद बदलाव

लंदन, 20 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 टेस्ट मैचों की सीरीज का चौथा मुकाबला 23 जुलाई से मैनचेस्टन में खेला जाएगा। इस मैच से पहले भारतीय टीम में बड़ा बदलाव देखने का मिला है। अभ्यास के दौरान तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह चोटिल हो गए थे।

ऐसे में वह चौथा टेस्ट नहीं खेलेंगे। अर्शदीप सिंह को उसी हाथ में चोट लगी थी, जिससे वह गेंदबाजी करते हैं।

तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को भारत के मौजूदा इंग्लैंड दौरे के लिए टेस्ट टीम में शामिल किया गया है।

भारत ए टीम का हिस्सा थे कंबोज

24 साल के कंबोज भारत ए टीम का हिस्सा थे। इस टीम ने पिछले महीने 2 तीन दिवसीय मैच खेले थे।

उन्होंने दोनों मैचों में पांच विकेट लिए थे। इस तेज गेंदबाज ने इंग्लैंड दौरे पर अपनी स्पीड और टाइट लाइन से सभी को प्रभावित किया है। हरियाणा के इस गेंदबाज ने 24 प्रथम श्रेणी मैचों में 79 विकेट चटकाए हैं।

अर्शदीप को लगी है चोट

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, अर्शदीप को गहरी चोट लगी है और उसमें टांके लगे हैं। उन्हें पूरी तरह से फिट होने में कम से कम दस दिन लगेंगे। सिलेक्टर्स ने कंबोज को टीम में शामिल करने का फैसला किया है।₹

अर्शदीप को गुरुवार को नेट्स सेशन के दौरान साईं सुदर्शन की गेंद को फॉलो-थ्रू पर रोकते समय हाथ में चोट लग गई थी।

उनके हाथ में टांके लगाए गए हैं। ऐसे में उनके चौथे टेस्ट में खेलने की संभावना कम है। आकाश दीप की उपलब्धता पर अभी भी सस्पेंस बना हुआ है। वह कमर में दर्द से जूझ रहे हैं। आकाश दीप ने मैनचेस्टर रवाना होने से पहले भारतीय टीम द्वारा आयोजित नेट्स सेशन में गेंदबाजी नहीं की थी।

66 विकेट चटकाए हैं

अर्शदीप सिंह ने अभी तक टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू नहीं किया है। उन्होंने अपने करियर में 21 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं।

फर्स्ट क्लास क्रिकेट की 37 पारियों भारतीय तेज गेंदबाज ने 66 विकेट अपने नाम किए हैं। भारतीय टीम के असिस्टेंट कोच रयान टेन डोएशेट ने सिंह की चोट पर अपडेट दिया था। उन्होंने बताया था कि गेंद रोकने की कोशिश करते समय उन्हें कट लग गया था।

इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम ने ओडीआई क्रिकेट में रचा इतिहास

सर्वाधिक महिला वनडे मैच जीतने वाला देश बन गया है

लंदन, 20 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम ने भारत के खिलाफ खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले को डकवर्थ-लुईस नियम के तहत 8 विकेट से जीता है। भारत और इंग्लैंड की टीमें अब तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-1 से बराबरी पर हैं। सीरीज का तीसरा और अंतिम मुकाबला 22 जुलाई को चेस्टर ली स्ट्रीट में खेला जाएगा। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड अपने घरेलू मैदान पर सर्वाधिक महिला वनडे मैच जीतने वाला देश बन गया है। इंग्लैंड ने अपने घरेलू मैदान पर अब तक 182 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें 121 मुकाबले में उसने जीत दर्ज की है।

ऑस्ट्रेलिया को पछाड़ा

बता दें कि इंग्लैंड से पहले यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम के नाम दर्ज था, जिसने 146 वनडे मुकाबलों में 120 जीते हैं। वहीं, न्यूजीलैंड की टीम 166 में से 86 मैच जीतकर तीसरे पायदान पर है। भारत ने अपने घर पर 131 में से 81 मैच जीते हैं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस लिस्ट में चौथे पायदान पर है।

क्या आर अश्विन से जलते हैं हरभजन सिंह?

कंट्रोवर्सी पर दोनों दिग्गज स्पिनर्स ने तोड़ी चुप्पी

मुंबई, 20 जुलाई (एजेंसियां)। टीम इंडिया के 2 दिग्गज स्पिनर्स हरभजन सिंह और आर अश्विन का एक इंटरव्यू हाल ही में सामने आया है। जिसमें दोनों ने खुलकर एक-दूसरे पर बातचीत की है। अभी तक सोशल मीडिया पर इन दोनों दिग्गजों के बीच अनबन की अफवाहें उड़ती रहती थी, कुछ फैंस का मानना था कि हरभजन सिंह, अश्विन ने जलते हैं। इस मुद्दे को लेकर अब ये दोनों दिग्गज खुलकर बातचीत करते हुए दिखाई दिए। अश्विन के रूप में ही टीम इंडिया को हरभजन सिंह का रिप्लेसमेंट मिला था। दोनों दिग्गजों ने टीम इंडिया के लिए लंबे समय तक क्रिकेट खेला और खूब विकेट चटकाए।

दरअसल आर अश्विन के यूट्यूब चैनल पर कुट्टी स्टोरीज विद ऐश प्रोग्राम में हरभजन सिंह पहुंचे। इस दौरान अश्विन ने कहा जलन की चर्चा हो रही है, इससे पहले मै आपको स्पष्ट कर दूं कि लोग अपने-अपने नजरिए से हर चीज को देखते हैं। अगर वे मेरे ऊपर कोई टिप्पणी करते हैं तो मेरा मानना है कि दूसरे लोग दुनिया को उनकी नजर से देखेंगे। आगे अश्विन ने हरभजन से पूछा जो आपका आज इंटरव्यू कर रहा है आप उस शख्स से जलते हैं इस पर आप क्या कहेंगे?

हरभजन सिंह ने अश्विन को जवाब देते हुए कहा कि क्या आपको लगता है कि मैं आपसे जलता हूं? क्या मैं आपको उस तरह का इंसान लगता हूं? इस पर अश्विन ने कहा कि अगर कभी आपको जलन हुई है तो वो जायज है मैं कभी उसको गलत तरीके से नहीं लेता हूं। हम सब इंसान है और ऐसा होना स्वाभाविक है।आगे अश्विन ने वाशिंगटन सुंदर का उदाहरण देते हुए कहा कि कुछ लोगों को लगता है कि मेरा संन्यास वाशिंगटन सुंदर की वजह से हुआ है। ये भी लोगों का नजरिया है इसमें मैं कुछ नहीं कर सकता है। अश्विन का मानना है कि उन्होंने वाशिंगटन सुंदर को प्लेइंग इलेवन में जगह देने के लिए संन्यास लिया। बता दें, अश्विन ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के बीच इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया था। अश्विन ने अपने टेस्ट करियर में टीम इंडिया के लिए 106 टेस्ट मैचों में 537 विकेट चटकाए थे।

भारत-पाकिस्तान मैच रद्द, डब्ल्यूसीएल ने प्रशंसकों से मांगी माफी

खेल डेस्क, , 20 जुलाई (एजेंसियां)। भारत पाकिस्तान के बीच वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल 2025) में आज (20 जुलाई, 2025) को होने वाले मैच को रद्द कर दिया गया है. ये फैसला इस वजह से लिया गया क्योंकि शिखर धवन और सुरेश रैना सहित कई भारतीय खिलाड़ियों ने अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले का हवाला देते हुए इस मैच में शामिल होने से इनकार कर दिया था.

देश से बढ़कर कुछ नहीं होताः शिखर धवन

टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'जो कदम 11 मई को लिया, उसमें आज भी वैसे ही खड़ा हूं. मेरा देश मेरे लिए सब कुछ है, और देश से बढ़कर कुछ नहीं होता. जय हिंद!'

इस पोस्ट के साथ धवन ने टूर्नामेंट आयोजकों को लिखा एक ईमेल भी साझा किया, जिसमें उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ नहीं खेलने के फैसले के बारे में आयोजकों को 11 मई को ही बता दिया गया था. ईमेल में

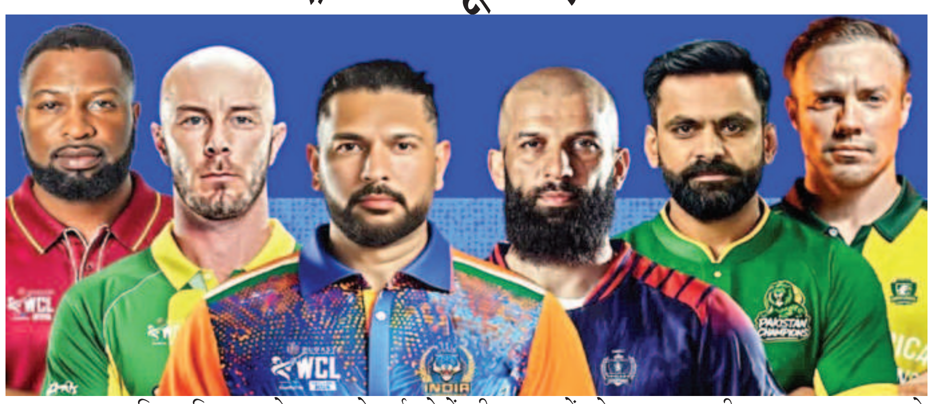

कहा गया था कि पाकिस्तान के खिलाफ नहीं खेलने का फैसला मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति को देखते हुए लिया गया था.

डब्ल्यूसीएल ने प्रशंसकों से माफी मांगी

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के आयोजकों ने भारत पाकिस्तान मैच रद्द करने के बाद प्रशंसकों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए माफी मांगी है. एक्स पर अपने बयान में, डब्ल्यूसीएल अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने प्रशंसकों के लिए खुशनुमा यादें बनाने के लिए दोनों देशों के बीच हाल ही में हुए वॉलीबॉल मैच के बाद भारत-पाक मैच की घोषणा की थी, लेकिन इससे कई लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंची होगी और भारतीय दिग्गजों को असुविधा हुई होगी.

उन्होंने आगे कहा, 'शायद इस प्रक्रिया में, हमने कई लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई और भावनाओं को भड़काया. इससे भी बढ़कर, हमने अनजाने में अपने भारतीय क्रिकेट लीजेंड्स को असहज कर दिया, जिन्होंने देश को इतना गौरव दिलाया है, और हमने उन ब्रांडों को भी प्रभावित किया जिन्होंने विशुद्ध रूप से खेल के प्रति प्रेम के कारण हमारा समर्थन किया था. इसलिए, हमने भारत बनाम पाकिस्तान मैच रद्द करने की घोषणा की है.

बता दें कि डब्ल्यूसीएल का दूसरा सीजन 18 जून को एजबेस्टन में शुरू हुआ और इसका फाइनल 2 अगस्त को होना है. इस सीजन का चौथा मैच बर्मिंघम में इन्ड चांप्स और पाक चांप्स के बीच खेला जाना था. जो अब नहीं खेला जाएगा. विश्व कप विजेता युवराज सिंह इंडिया लीजेंड्स के कप्तान हैं, जबकि टीम में हरभजन सिंह, इरफ़ान पठान, सुरेश रैना, रॉबिन उथप्पा और वरुण आरोन जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं. भारत ने पिछले साल एजबेस्टन में छह टीमों के लीजेंड्स टूर्नामेंट के उद्घाटन संस्करण में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर जीत हासिल की थी.

टूर्नामेंट के प्रायोजकों में से एक, ट्रैवल-टेक पोर्टल ईजमाईट्रिप ने भी डब्ल्यूसीएल के प्रयोजन के संबंध में एक आधिकारिक बयान जारी किया. कंपनी ने अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि दो साल पहले डब्ल्यूसीएल के साथ 5 साल का प्रयोजन समझौता करने के बावजूद, वह पाकिस्तान से जुड़े किसी भी मैच में न तो शामिल होगी और न ही उसमें भाग लेगी.

टूर्नामेंट में इंडिया चैंपियंस का पूर शेड्यूल

इंडिया चैंपियंस बनाम पाकिस्तान चैंपियंस - 20 जुलाई, एजबेस्टन (रद्द)

इंडिया चैंपियंस बनाम दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस - 22 जुलाई, नॉर्थम्प्टन

इंडिया चैंपियंस बनाम ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस - 26 जुलाई, हेडिंग्ले, लीड्स

इंडिया चैंपियंस बनाम इंग्लैंड चैंपियंस - 27 जुलाई, हेडिंग्ले, लीड्स

इंडिया चैंपियंस बनाम वेस्टइंडीज चैंपियंस - 29 जुलाई, लीसेस्टरशायर

सीनियर महिला राष्ट्रीय शिविर के लिए 40 खिलाड़ी चयनित, हॉकी इंडिया ने की घोषणा

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। हॉकी इंडिया ने यहां 21 जुलाई से 29 अगस्त तक भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र (साइ) पर होने वाले सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिये 40 खिलाड़ियों के नाम की घोषणा की। पांच सितंबर से चीन के हांगझोउ में होने वाले महिला एशिया कप को देखते हुए यह शिविर काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है । यह टूर्नामेंट 2026 एफआईएच महिला विश्व कप में सीधे क्वालीफाई करने का भी जरिया होगा ।

पिछले शिविर में शामिल सभी खिलाड़ियों को इसमें भी मौका दिया गया है। भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'यह शिविर काफी अहम समय पर लगाया जा रहा है । एशिया कप प्रतिष्ठित

टूर्नामेंट होने के साथ विश्व कप 2026 में सीधे जगह बनाने का जरिया भी है । हमारा पूरा फोकस मानसिक और शारीरिक रूप से खुद को तैयार करने पर होगा।'

उन्होंने कहा, 'हमने प्रदर्शन में निरंतरता बनाये रखने के लिये पिछले शिविर के कोर ग्रुप को बरकरार रखा है । यूरोप में प्रो लीग में हमें मनचाहे नतीजे नहीं मिले लेकिन इस शिविर से हमे आत्ममंथन करके मजबूती से वापसी का मौका मिलेगा।' भारतीय सीनियर कोर ग्रुप की सूची इस प्रकार है।

गोलकीपर : सविता, बिछू देवी खारीबम, बांसरी सोलंकी, माधुरी किंडो, समीक्षा सक्सेना।

डिफेंडर : महिमा चौधरी, निक्की प्रधान, सुशीला चानू, उदिता, इशिका चौधरी, ज्योति छत्री, ज्योति, अक्षता ढेकाले, अंजना डुंगडुंग, सुमन देवी।

मिडफील्डर : सुजाता कुजूर, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नेहा, सलीमा टेटे, मनीषा चौहान, अजमीना कुजूर, सुनेलिटा टोप्पो, लालरेम्सियामी, शर्मिला देवी, बलजीत कौर, महिमा टेटे, अलबेला रानी टोप्पो, पूजा यादव।

फॉरवर्ड : दिपिमोनिका टोप्पो, रितिका सिंह, दीपिका सोरेंग, नवनीत कौर, संगीता कुमारी, दीपिका, रूतुजा पिसल, ब्यूटी डुंगडुंग, मुमताज खान, अन्नु, चंदना जगदीश, काजल अत्पडकर।

मुक्केबाज निशांत देव ने पेशेवर सर्किट में बरकरार रखी लय

अमेरिका के लाकुआन इवांस को दी मात

नई दिल्ली, 20 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय मुक्केबाज निशांत देव ने पेशेवर सर्किट पर अपना दबदबा बरकरार रखा है और शानदार प्रदर्शन करते हुए अमेरिका के लाकुआन इवांस को तकनीकी नॉकआउट के आधार पर हरा दिया है। 24 साल के निशांत ने अमेरिका के फ्रिस्को में हुए सुपर वेल्टरवेट मुकाबले के छठे दौर में जीत दर्ज की जो पेशेवर सर्किट पर उनकी लगातार तीसरी जीत है।

निशांत ने लगातार घूंसे बरसाए जिसके बाद रैफरी ने एक मिनट 58 सेकेंड के बाद मुकाबला रोक दिया। विश्व चैंपियनशिप 2023 में लाइट मिडिलवेट (71 किलो) में कांस्य पदक जीत चुके निशांत इस साल की शुरुआत में पेरिस

ओलंपिक क्वालिफायर के क्वार्टर फाइनल में मैक्सिको के मार्को वेर्डे से मामूली अंतर से हारने के बाद पेशेवर सर्किट में उतरे थे।

रेड बुल्स को रौंदता चला गया इंटर मियामी

मेसी ने ठोके दो गोल, 5-1 से बड़ी जीत!

लॉस एंजिल्स, 20 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका की मेजर लीग सॉकर में लियोनल मेसी की टीम इंटर मियामी ने एक बार फिर अपना दम दिखा दिया। मुकाबले में इंटर मियामी ने न्यूयॉर्क रेड बुल्स को 5-1 से करारी शिकस्त दी। मेसी ने इस मैच में दो गोल दागे और दो शानदार असिस्ट देकर दर्शकों का दिल जीत लिया।

शुरुआत में रेड बुल्स ने बढ़त बनाई थी, लेकिन

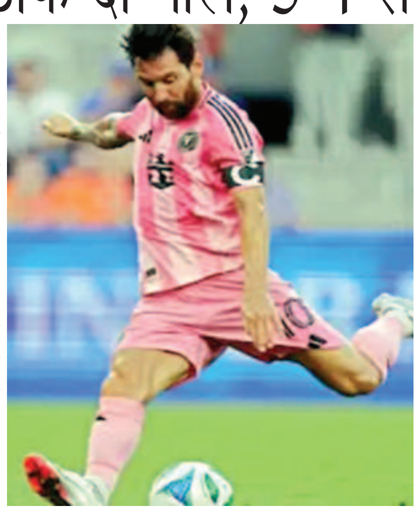

फिर मियामी ने पलटवार करते हुए लगातार गोल दागे। टेलास्को सेगोविया ने दो गोल किए जबकि जॉर्डी अल्बा ने भी गोल में योगदान दिया। दूसरी ओर, मियामी की मिडफील्ड और डिफेंस ने भी रेड बुल्स को पूरी तरह रोक दिया।

इस धमाकेदार जीत के साथ इंटर मियामी ने प्लेऑफ की दौड़ में अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है। वहीं, मेसी का यह लगातार छठा मैच है जिसमें उन्होंने दो या उससे ज्यादा गोल दागे हैं।

वेस्टइंडीज के 79 रन के जवाब में दक्षिण अफ्रीकी टीम ने बनाए 80 रन

फिर भी टाई हो गया मैच

लंदन, 20 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड के जिस मैदान पर कुछ दिन पहले शुभमन गिल ने दोहरा शतक ठोका था, वहां बड़ा दिलचस्प मुकाबला खेला गया. वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की टीमों के बीच खेला गया डब्ल्यूसीएल (WCL 2025) का यह मुकाबला तब भी टाई हो गया, जब एक टीम ने 79 और दूसरी टीम ने 80 रन बनाए. वेस्टइंडीज के फिलेद एडवर्ड्स ने मैच की आखिरी तीन में से दो गेंद में विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस को टाई के लिए मजबूर किया गया. इसके बाद दोनों टीमों के बीच बॉलआउट हुआ, जिसमें अफ्रीकी टीम ने बाजी मार ली.

वर्ल्ड चैंपियनशिप आफ लीजेंड्स टी20 लीग में वेस्टइंडीज चैंपियंस और दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस के बीच मुकाबला हुआ. क्रिस गेल की कप्तानी में उतरी वेस्टइंडीज चैंपियंस ने पहले बैटिंग की. बर्मिंघम में खेले गए मैच में वेस्टइंडीज के लेंडल सिमंस ने 28 और चाडविक वाल्टन ने 27 रन बनाए, लेकिन बाकी बैटर बुरी तरह फेल हो गए. बारिश ने भी मैच में खलल डाला और 20-20 ओवर का मैच 11-11 ओवर का कर दिया गया. वेस्टइंडीज चैंपियंस ने 11 ओवर में 5 विकेट पर 79 रन

बनाए. क्रिस गेल 2, ड्वेन ब्रावो 8, ड्वेन स्मिथ 7 रन बनाकर आउट हुए. कायरन पोलार्ड का खाता भी नहीं खुला.

दक्षिण अफ्रीका को 11 ओवर में 81 रन का संशोधित लक्ष्य मिला. अफ्रीकी टीम ने इसके जवाब में 10 ओवर में 4 विकेट पर 72 रन बना लिए थे. अब एक ओवर में जीत के लिए 9 रन बनाने थे. जेपी डुमिनी और जेजे स्मट्स क्रीज पर थे. फिदेल एडवर्ड्स के इस ओवर की पहली 3 गेंद में 7 रन बना गए. अब दक्षिण अफ्रीका जीत से 2 रन दूर था और 3 गेंदें बाकी थीं. जीत पक्की लग रही थी तभी फिदेल एडवर्ड्स ने कमाल कर दिया. उन्होंने ओवर की चौथी गेंद पर स्मट्स को बोल्ड कर दिया. इसके बाद अगली गेंद पर मोर्ने वान विक भी चलते बने. आखिरी ओवर में लगातार दो गेंद पर दो विकेट लेकर वेस्टइंडीज मुकाबले में वापस आ गया. मैच की आखिरी गेंद पर वेन पर्नेल स्ट्राइक पर थे. वे अपना बैट, गेंद की लाइन में भी ला सके लेकिन इस बार दक्षिण अफ्रीका की किस्मत अच्छी थी. गेंद पर्नेल के पैड से टकराई और उन्होंने जेपी डुमिनी के साथ मिलकर लेगबाई रन भाग लिया. इस तरह दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के 79 रन के जवाब में 80 रन बनाकर मुकाबला टाई करा लिया. इसके बाद बॉलआउट हुआ, जिसे जीतकर दक्षिण अफ्रीका ने 2 अंक हासिल कर लिए.

बोनालु तेलंगाना की संस्कृति का प्रतीक है: भट्टी

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने रविवार को ऐतिहासिक लाल दरवाज़ा बोनालु समारोह में भाग लिया। उन्होंने लाल दरवाज़ा स्थित सिंहवाहिनी महाकाली मंदिर में दर्शन किए और राज्य सरकार की ओर से देवी को रेशमी वस्त्र भेंट किए। भट्टी विक्रमार्क ने देवी की पूजा-अर्चना की और बोनालु समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने देवी से तेलंगाना के लोगों की खुशहाली और समृद्धि के लिए प्रार्थना की है, और इस समाज और पूरी मानवता पर अपनी कृपा दृष्टि बनाए रखने की प्रार्थना की है। उन्होंने कहा, "हमने लाल दरवाज़े की सिंहवाहिनी महाकाली से पूरे राज्य के समग्र विकास और समृद्धि की कामना की है।" बोनालु तेलंगाना की संस्कृति की पहचान है। उन सभी भक्तों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ जो पीढ़ियों से इस परंपरा को अटूट श्रद्धा के साथ मनाते आ रहे हैं। जैसा कि हम सभी जानते हैं, बोनालु उत्सव गोलकुंडा से शुरू होकर सिकंदराबाद होते हुए लाल दरवाजा स्थित सिंहवाहिनी महाकाली मंदिर में समाप्त होता है।उन्होंने कहा कि शहर भर में इन त्योहारों को शांतिपूर्ण और भक्तिमय वातावरण में मनाते देखना उत्साहजनक है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने तेलंगाना भर के मंदिरों के विकास के लिए कॉमन गुड फंड से 1,290 करोड़ रुपये जारी किए हैं और विशेष रूप से ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र में आयोजित होने वाले बोनालु उत्सव के लिए 20 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी अधिकारी और कर्मचारी यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी लगन और जिम्मेदारी से काम कर रहे हैं कि इन आयोजनों के दौरान किसी को कोई असुविधा न हो। भट्टी विक्रमार्क ने कहा, "राज्य सरकार इन बोनालू समारोहों का व्यवस्थित और सुव्यवस्थित ढंग से आयोजन कर रही है। मैं इन उत्सवों के शांतिपूर्ण आयोजन में योगदान देने वाले श्रद्धालुओं, कर्मचारियों और कर्मचारियों की सराहना करता हूँ।" उपमुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पहले आश्वासन दिया था कि इस क्षेत्र के मंदिरों के विकास के लिए उचित कदम उठाए जाएँगे। उन्होंने आगे कहा कि भविष्य में, हम महाकाली मंदिर के आसपास के परिसर का और विकास करेंगे।

आषाढ़ बोनालु उत्सव

तेलंगाना की अनूठी जीवन शैली है बोनालु : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आषाढ़ बोनालु उत्सव के एक भाग के रूप में, सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने राज्य सरकार की ओर से हैदराबाद के हरिबौली स्थित ऐतिहासिक श्री अक्कन्ना मदन्ना मंदिर में विराजमान देवता को रेशमी वस्त्र अर्पित किए और विशेष पूजा-अर्चना की। मंत्री ने आषाढ़ बोनालु के अवसर पर लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर बोलते हुए, श्रीधर बाबू ने कहा कि बोनालु केवल एक त्योहार नहीं है, यह तेलंगाना की अनूठी जीवन शैली, सदियों पुरानी परंपराओं, सांस्कृतिक समृद्धि, सामूहिक भावना, लचीलापन, एकता, स्वाभिमान और ऐतिहासिक गौरव का प्रतीक है। बोनालु उत्सव तेलंगाना की धरती के सार, देवी के दिव्य प्रेम और लोगों की आंतरिक शक्ति को दर्शाता है। श्रीधर बाबू ने कहा कि यह ढोल की थाप, भक्तिमय प्रसाद और व्यापक सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से प्रतिध्वनित होता है। मंत्री ने कहा कि दिव्य माँ को समस्त सृष्टि की उत्पत्ति और सभी ब्रह्मांडों की रक्षक माना जाता है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के सभी नागरिकों की भलाई, खुशी और समृद्धि के लिए उनका आशीर्वाद मांगा जाता है। "गोलकोंडा बोनालू, सिकंदराबाद बोनालू और लाल दरवाजा बोनालू जैसे उत्सव तेलंगाना की लोक परंपराओं की शक्तिशाली अभिव्यक्ति हैं और राष्ट्र और विश्व के लिए एक सांस्कृतिक संदेश हैं।" मंत्री ने याद दिलाया कि राज्य सरकार ने दोनों शहरों में बोनालू उत्सव के भव्य आयोजन के लिए 20 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं और 2,783 मंदिरों को सीधे चेक के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि यह आवंटन मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाले जन-प्रथम शासन मॉडल को दर्शाता है और सांस्कृतिक संरक्षण एवं विरासत संवर्धन को दी गई प्राथमिकता को उजागर करता है। मंत्री ने आगे कहा कि श्री अक्कन्ना मदन्ना मंदिर में रेशमी वस्त्र अर्पित करना एक दुर्लभ सौभाग्य और आध्यात्मिक पूर्णता का क्षण था और यह मंदिर हैदराबाद की ऐतिहासिक गहराई, आध्यात्मिक महत्व और सांस्कृतिक जीवंतता का प्रतीक है। "राज्य सरकार तेलंगाना के लोगों की आस्था और परंपराओं की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और इन मूल्यों को बनाए रखना और उनका समर्थन करना जारी रखेगी। देवी के आशीर्वाद और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में, तेलंगाना विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में एक राष्ट्रीय आदर्श के रूप में उभरने का प्रयास कर रहा है।"

पुराने शहर में बोनालू मनाने के लिए उमड़े लोग

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को रंगारंग बोनालु समारोह शुरू होने के साथ ही पुराने शहर में उत्सव का माहौल छा गया। पारंपरिक परिधान पहने श्रद्धालु, विशेषकर महिलाएं, मंदिरों में उमड़ी और अपनी मनोकामना पूरी होने पर धन्यवाद स्वरूप देवी श्री महाकाली और अन्य देवताओं को गुड़ मिले पके चावल से युक्त 'बोनम' चढ़ाया। लाल दरवाज़ा, हरि बाउली, सुल्तान शाही, बेला और सब्ज़ी मंडी समेत पुराने शहर के अन्य इलाकों में मंदिरों की ओर जाने वाली सड़कों पर बड़े-बड़े कटआउट और झंडे लगाए गए। इन सड़कों को सुंदर वातावरण देने के लिए रंग-बिरंगी एलईडी लाइटों से सजाया गया था। उत्सव के सुचारू संचालन के लिए लाल दरवाजा में श्री सिंहवाहिनी महानकाली मंदिर, हेयर बाउली में श्री अक्कन्ना मदन्ना महानकाली मंदिर और बंगारू मैसम्मा मंदिर, बेला में श्री मुथ्यालम्मा मंदिर, चारमीनार में श्री भाग्यलक्ष्मी मंदिर और कारवां में दरबार मैसम्मा मंदिर में विशेष व्यवस्था की गई थी। पुलिस ने त्योहार के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये हैं।

लाल दरवाजा बोनालु समारोह

हैदराबाद में बदलाव, ओआरआर के पास रेनवाटर हार्वेस्टिंग हुआ ज़रूरी

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अगर आप हैदराबाद के बाहरी इलाके (ओआरआर के पास) में नया घर बना रहे हैं और आपकी जमीन 300 वर्ग गज से बड़ी है, तो आपको बारिश का पानी जमा करने वाला गड्ढा बनाना होगा। हैदराबाद के आउटर रिंग रोड के 200 गज के अंदर बने नए घरों के लिए अब बारिश का पानी जमा करने वाला गड्ढा यानी रेनवाटर हार्वेस्टिंग पिट बनाना जरूरी हो गया है। साथ ही 300 वर्ग गज से बड़ी जमीन वाले हर प्लॉट में भी यह सिस्टम लगाना अनिवार्य किया गया है।

एक्सपर्ट बताते है कि हैदराबाद में पानी की कमी बढ़ रही है, क्योंकि भूजल स्तर गिर रहा है भूजल बचाने के लिए ऐसे नियम बनाए गए है साथ ही टैंकरों पर कम निर्भरता हो लोग पानी के लिए टैंकरों पर ज्यादा निर्भर हैं जिससे खर्च बढ़ता है। बारिश के पानी का सही उपयोग करने के लिए बारिश का पानी जमीन में जाएगा जिससे भूजल बढ़ेगा और पानी की समस्या कम होगी।

क्या कार्रवाई हो रही है?

एक विशेष अभियान 90 दिनो से चलाया जा रहा है जिसमे 12,000 गड्ढे बन चुके हैं हैदराबाद जल बोर्ड ने एनजीओ की मदद से पहले ही 12,000 गड्ढे बना या ठीक कर लिए हैं और 16,000 घरों को नोटिस दिया गया है जिन घरों में यह सिस्टम नहीं है उन्हें चेतावनी दी जाएगी। इस साल बारिश कम हुई है, जिससे भूजल स्तर नीचे चला गया है। पिछले साल की तुलना में इस साल ज्यादा टैंकर बुक किए गए हैं। 42,000 घरों का सर्वे हुआ और सर्वे में पाया गया कि आधे से ज्यादा घरों में पानी जमा करने की सही व्यवस्था नहीं है। इस नियम का मकसद हैदराबाद को पानी के संकट से बचाना है।

हैदराबाद मूल की महिला की टोरंटो पार्किंग में चाकू मारकर हत्या

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की मूल निवासी और कई वर्षों से टोरंटो में रहने वाली 71 वर्षीय महिला शहनाज पेस्टनजी की गुरुवार सुबह नॉर्थ यॉर्क के एक पार्किंग स्थल में बिना उकसावे के चाकू मारकर हत्या कर दी गई।

टोरंटो पुलिस के अनुसार, इस घटना के सिलसिले में टोरंटो निवासी 14 वर्षीय किमानी विंट द्वितीय श्रेणी की हत्या के आरोप में वांछित है। एक दुर्लभ कदम उठाते हुए, पुलिस ने युवा आपराधिक न्याय अधिनियम के तहत सुरक्षा के बावजूद, न्यायिक अनुमति से किशोर का नाम और तस्वीरें जारी कर दीं।

हमला सुबह करीब 9:37 बजे पार्कवे फ़ॉरेस्ट ड्राइव और शेपर्ड एवेन्यू ईस्ट के पास हुआ, जब शहनाज़ अपनी कार में किराने का सामान लाद रही थीं। अधिकारियों ने उन्हें चाकू के ज़ख्मों के साथ पाया, और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहाँ बाद में उनकी मौत हो गई। हत्या एवं गुमशुदा व्यक्तियों की इकाई के जासूस मैथ्यू पिनफोल्ड ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि यह एक डकैती थी जो एक घातक हमले में बदल गई। शहनाज़ के परिवार में उनके पति सोली पेस्टोंजी और बेटियाँ यास्मीन और दीना पेस्टोंजी हैं। मीडिया रिपोर्टों में सोली के हवाले से बताया गया है कि गुरुवार आमतौर पर उनके लिए किराने की खरीदारी का दिन होता था। वह आमतौर पर सुबह 9 बजे घर से निकल जाती थीं और लगभग 11:30 बजे लौटती थीं। इस महीने की शुरुआत में इस जोड़े ने अपनी 47वीं शादी की सालगिरह मनाई थी।

मुख्यमंत्री की पत्नी ने एक दिन में शेयर से कमा डाले 79 करोड रुपये

अमरावती, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एक मुख्यमंत्री की पत्नी ने एक दिन में करीब 79 करोड़ रुपये की कमाई की है। इनका नाम नारा भुवनेश्वरी है। यह आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की पत्नी हैं। नारा भुवनेश्वरी ने एक दिन में इतनी कमाई शेयर मार्केट से की है। शुक्रवार को एक स्टॉक में नारा भुवनेश्वरी को जबरदस्त फायदा हुआ। यह स्टॉक तेजी से आगे बढ़ा और नारा भुवनेश्वरी को मुनाफा दे गया।

शुक्रवार को हेरिटेज फूड्स लिमिटेड के स्टॉक में जबरदस्त तेजी आई थी। यह डेयरी कंपनी है। इसकी शुरुआत 1992 में हुई थी। दक्षिण भारत में यह काफी फेमस है। हेरिटेज ग्रुप को टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने शुरू किया था। यह कंपनी डेयरी, रिटेल और

एग्रीकल्चर में काम करती है।

कितनी आई शेयर में तेजी

शुक्रवार को शेयर बाजार में गिरावट रही। लेकिन एफएमसीजी स्टॉक हेरिटेज फूड्स लिमिटेड में 7 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई। इसका शेयर 493.25 रुपये तक पहुंच गया। इसी वजह से चंद्रबाबू नायडू की पत्नी ने एक दिन में 78,80,11,646 रुपये (करीब 79 करोड़ रुपये) कमा डाले।

दरसअल, हेरिटेज फूड्स लिमिटेड को नारा भुवनेश्वरी चलाती हैं। उनके पास इस कंपनी के 2,26,11,525 शेयर हैं। इसका मतलब है कि कंपनी में उनकी 24.37 प्रतिशत हिस्सेदारी है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के नतीजे जारी किए। इसके बाद उनके पोर्टफोलियो में एक ही दिन में 78,80,11,646 रुपये का फायदा हुआ।

नारा भुवनेश्वरी तेलुगु सिनेमा के दिग्गज और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के फाउंडर एनटी रामा राव की बेटी हैं। नारा भुवनेश्वरी हेरिटेज फूड्स लिमिटेड की एमडी और वाइस चेयरमैन हैं।

प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय वकील डॉ. श्रीनिवास कावेती, जो कावेती लॉ इंटरनेशनल के प्रमुख भागीदार और प्रवर्तक हैं, को नेल्सन मंडेला अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर आयोजित एक भव्य समारोह में, ऑक्सफोर्ड की मेयर लुबना अरशद द्वारा, प्रसिद्ध ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम द्वारा नेल्सन मंडेला पुरस्कार प्रदान किया गया।

बस के खड़े लॉरी से टकराने से कई घायल

नलगोंडा, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार सुबह नलगोंडा जिले के एल्लारेड्डीगुडेम के पास अडांकी-नारकेटपल्ली राजमार्ग पर एक स्लीपर कोच बस के एक खड़े रेडी-मिक्स लॉरी से टकरा जाने से कई यात्री घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल बस चालक को इलाज के लिए नरकेटपल्ली अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना के समय बस में लगभग 40 यात्री सवार थे और टक्कर से बस को काफी नुकसान पहुँचा। हालाँकि दुर्घटना का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, पुलिस को संदेह है कि चालक को झपकी आ गई होगी या वह तेज़ गति से गाड़ी चला रहा था।

खेत के कुएं में डूबकर किशोर की मौत

जानलेवा साबित हुई आनंद यात्रा

मंचेरियल, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। लक्सेटीपेट कस्बे का 17 वर्षीय इंटरमीडिएट का छात्र रविवार सुबह दांडेपल्ली मंडल के नंबाला गांव के पास एक आनंद यात्रा के दौरान एक खेत के कुएं में डूब गया। दांडेपल्ली के सब-इंस्पेक्टर तहसीन के अनुसार, पीड़ित रुद्र वामशी की मोटरसाइकिल कुएँ के पास मिट्टी के ढेर से टकराने के बाद नियंत्रण खो बैठी। वह पानी में गिर गया और डूब गया। उसका दोस्त, जो पीछे बैठा था, किनारे पर एक पेड़ से चिपककर किसी तरह बच गया।

लक्सेटीपेट निवासी वामशी और उसके चार अन्य साथी सप्ताहांत में मौज-मस्ती के लिए निकले थे। दुर्घटना के बाद, उसके दोस्तों ने उसके माता-पिता को सूचित किया, जिन्होंने फिर स्थानीय पुलिस को सूचित किया। एक टीम मौके पर पहुँची और वामशी का शव बरामद किया। वामशी की मां नागमणि द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हैदराबाद और आसपास के जिलों में अगले दो दिनों तक भारी बारिश की संभावना

आईएमडी ने जारी की चेतावनी

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) हैदराबाद ने अगले तीन दिनों तक भारी से बहुत भारी वर्षा का अनुमान लगाया है। रविवार सुबह जारी पूर्वानुमान में कहा गया है कि हैदराबाद और तेलंगाना के अन्य जिलों में अगले तीन से चार दिनों तक भारी से बहुत भारी बारिश जारी रहेगी। सोमवार से गुरुवार तक 115.6 मिमी से 204.4 मिमी तक भारी से बहुत भारी वर्षा का नारंगी अलर्ट और 64.5 मिमी से 115.6 मिमी तक भारी वर्षा का पीला अलर्ट जारी किया गया है।

26 जुलाई तक तेलंगाना के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने का भी अनुमान है। जिन जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है उनमें भुवनगिरी, हैदराबाद, मेडचल मल्काजगिरी, विकाराबाद, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोत्तागुडेम, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यापेट, महबुबाबाद, नगरकुर्नूल, वानापर्थी, महबुबाबाद, वारंगल, हनमकोंडा, सिद्दीपेट, रंगारेड्डी, संगारेड्डी, मेदक, कामारेड्डी, निर्मल, निज़ामाबाद, जगतियाल, जनगांव, यादाद्री शामिल हैं।

जेल प्रशिक्षण संस्थान हैं, दंड देने के लिए नहीं : घंटा चक्रपाणि

हैदराबाद, 20 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. बी. आर. अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय (बीआरएओयू), प्रो. जी. राम रेड्डी अनुसंधान एवं विकास केंद्र ने रविवार को चेरलापल्ली स्थित केंद्रीय कारागार में जी. राम रेड्डी स्मृति गतिविधियों (ग्रामा) के अंतर्गत "कानूनी अधिकार एवं व्यक्तित्व विकास" पर अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया। बीआरएओयू के कुलपति प्रो. घंटा चक्रपाणि इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। प्रो. चक्रपाणि ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम कैदियों में गुणात्मक परिवर्तन लाने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे हैं।

उन्होंने जेलों को दंड नहीं, बल्कि प्रशिक्षण देने वाला संस्थान बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर यह घोषणा भी की गई कि अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों का अध्ययन करने वाले कैदियों को बिना किसी शुल्क के निःशुल्क पुस्तकें प्रदान की जाएँगी। उन्होंने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय, कई प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से, कौशल पाठ्यक्रम, महिलाओं के आर्थिक विकास के लिए उपयोगी पाठ्यक्रम और व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रदान करता है और उन्हें इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि चेरलापल्ली जेल में एक भाषा केंद्र स्थापित किया जाएगा। प्रो. जी. पुष्पा चक्रपाणि, निदेशक (अकादमिक) कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं और उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि कई लोग क्षणिक भूल के कारण आजीवन कारावास की सज़ा काट रहे हैं। प्रो. बीना चिंतलपुरी, विशेष आमंत्रित ने "परिवार और मानवीय मूल्यों" पर बात की। उन्होंने सलाह दी कि कैदियों को मिलखात आने वाले अपने परिवार के सदस्यों से प्यार से बात करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कैदी अपनी ज़मानत के बारे में सोचने में बहुत समय लगाते हैं, लेकिन अपने परिवारों की पीड़ा के बारे में नहीं सोचते। प्रो. मुरली कर्णम ने "न्याय तक पहुँच" पर बात की। उन्होंने सुझाव दिया कि कैदियों को इस बात से अवगत कराया जाना चाहिए कि जेल क्षेत्र में कई सुधार हुए हैं और कैदियों के कल्याण और अधिकारों के लिए सर्वोच्च न्यायालय के नियम हैं। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि लगभग 50 प्रतिशत कैदी, ज़मानत मिलने के बाद भी, अपना जुर्माना भरने में असमर्थ होकर जेलों में सड़ रहे हैं। वकीलों ने यह भी सुझाव दिया कि कैदियों और उनके परिवार के सदस्यों को उनके मामलों की पूरी जानकारी होनी चाहिए। चेरलापल्ली केंद्रीय कारागार के अधीक्षक नवाब शिव कुमार ने कहा कि लोग गुस्से में आकर स्वाभाविक रूप से गलतियाँ कर देते हैं, लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि तब से अब तक कितना बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि वे अपनी जेलों में सजा काट रहे लोगों को कैदी नहीं, बल्कि एक इंसान मानकर उनमें बदलाव लाने की कोशिश करेंगे। जीआरसीआरएंडडी की निदेशक प्रो. ई. सुधा रानी ने कार्यक्रम के उद्देश्यों की व्याख्या की और मुख्य अतिथि का परिचय कराया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.